शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित

विकसित भारत समाचार

राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

वर्ष : 09 | अंक : 310 | गुवाहाटी | शुक्रवार, 9 जून, 2023 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 12 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/

केंद्रीय नोडल अधिकारी ने कामरूप जिले के जलशक्ति अभियान की प्रगति... पेज 3
भारत का जर्मनी के साथ छह पनडुब्बियों की खरीद का सौदा फाइनल पेज 4
शिक्षा से वंचित रह गए लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय से काफी... पेज 5
वो जो भाषा बोलते हैं वह स्तर नहीं है मेरा पेज 8

পূৰ্বাঞ্চল কেশৰী
(অসমীয়া দৈনিক)
PURVANCHAL KESARI
(ASSAMESE DAILY)
GOOD LUCK PUBLICATIONS
House No. 30, D. Neog Path,
ABC, Guwahati - 781005
Mob: 94350 14771, 97070 14771

door graph
Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path,
Near Dona Planet
ABC, G.S. Road,
Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

जिस आदमी से हमें काम लेना है, उससे हमें वहीं बात करनी चाहिए जो उसे अच्छी लगे, जैसे एक शिकारी हिरन का शिकार करने से पहले मधुर आवाज में गाता है।

– **आचार्य चाणक्य**

बढ़ते तापमान का एकमात्र समाधान जैव विविधता : मुख्यमंत्री

गुवाहाटी। असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने गुरुवार को कहा कि राज्य में बढ़ते तापमान और चिलचिलाती गर्मी का एकमात्र समाधान जैव विविधता का संरक्षण, वनों का संरक्षण और जीवाश्म ईंधन से नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों तक धीरे-धीरे दूर जाना है। एक सभा को संबोधित करते हुए, असम के सीएम ने कहा कि मैं हर किसी के साथ सहानुभूति रखता हूं क्योंकि हम बढ़ते तापमान और चिलचिलाती गर्मी का अनुभव करते हैं। तापमान को उनके इष्टतम स्तर पर वापस लाने के लिए हमें अपने वन आवरण को बढ़ाने, जीवाश्म ईंधन को दूर करने और वन भूमि अतिक्रमण मुक्त करने के लिए कदम उठाने चाहिए। सीएम ने आगे कहा कि पिछले कुछ दिनों से तापमान लगभग 38 डिग्री सेल्सियस को पार कर गया है। मैंने सोशल मीडिया पर लोगों को वृक्षारोपण और संरक्षण के बारे में अपने विचार व्यक्त करते देखा है। भीषण गर्मी का सामना करते हुए, असम के कुछ जिलों में स्कूलों का समय पहले से तय कर दिया गया है। डिब्रूगढ़, तिनसुकिया और ऊपरी असम के अन्य जिलों के जिला उपायुक्तों ने शिक्षण संस्थानों को कक्षाओं को पुनर्निर्धारित करने के निर्देश जारी किए हैं। शर्मा ने कहा कि आप जानते हैं कि असम एक ऐसा राज्य है जहां 20 प्रतिशत वन भूमि पर अतिक्रमणकारियों का कब्जा है। इसका मतलब है कि हमने अपने 20 प्रतिशत जंगलों को -शेष पृष्ठ दो पर

भारत-बांग्लादेश सीमा वार्ता 11 से

नई दिल्ली। भारत और बांग्लादेश इस सप्ताह के अंत में राष्ट्रीय राजधानी में अपनी द्विवार्षिक सीमा-स्तरीय वार्ता करेंगे। इस वार्ता के दौरान, दोनों देशों के सुरक्षा एजेंसियों के बीच सीमा पार अपराधों से जुड़े कई मुद्दों चर्चा की जाएगी। साथ ही दोनों पक्षों के बीच तालमेल को और बेहतर बनाने के उपायों पर बातचीत की जाएगी। इसको लेकर बॉर्डर गार्ड बांग्लादेश (बीजीबी) के 15 सदस्यीय प्रतिनिधिमंडल शनिवार को नई दिल्ली पहुंचेगा, जो अपने भारतीय समकक्ष सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) के साथ 11 से 14 जून के बीच होने वाली चार दिवसीय वार्ता में शामिल होगा। जानकारी के अनुसार, बीजीबी का नेतृत्व -शेष पृष्ठ दो पर

ऑस्ट्रेलिया में बैन होगा स्वास्तिक

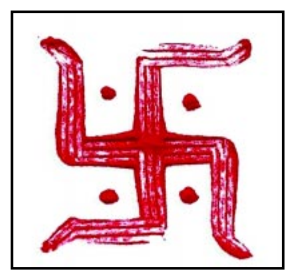

नई दिल्ली। ऑस्ट्रेलिया की सरकार जल्द ही अपने देश में हिंसा की गतिविधियों को रोकने के लिए बड़ा कदम उठाने वाली है। सरकार जल्द ही दक्षिणपंथी सोच रखने वाले लोगों पर लगाम लगाने के लिए कानून लाने वाली है। कानून के तहत देश में स्वास्तिक जैसे नाजी चिह्न के साथ कई प्रतीकों को दिखाने को अपराध की श्रेणी में रखा जाएगा और ऐसा करने वालों को सजा मिलेगी। हालांकि, नाजी प्रतीकों के साथ स्वास्तिक जैसे चिह्न जिसे *हकेनक्रेज* कहा जाता है, उसपर कई राज्यों ने पहले से ही बैन लगा रखा है। लेकिन स्वास्तिक के इस्तेमाल पर हिंदू, जैन और बोद्ध धर्म के -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

राहुल की मोहब्बत की दुकान पर भाजपा का हमला

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी ने *मोहबत की दुकान* को लेकर राहुल गांधी पर जमकर निशाना साधा है। भाजपा ने इसे *नफरत का मेगामॉल* बताया है। भारतीय जनता पार्टी ने 9 पन्नों में राहुल गांधी की मोहबत की दुकान की असलियत को बताया है। भाजपा ने कहा कि अगर आप अपने परिवार के इतिहास के पन्ने पलटेंगे तो नफरत के कई किस्से आपको उसकी गवाही देंगे। भाजपा ने राहुल गांधी पर हमला बोलते हुए कहा कि -शेष पृष्ठ दो पर

पाकिस्तान में नाबालिग हिंदू लड़की से मुस्लिम लड़कों का गैंगरेप

पेशावर। पाकिस्तान में हर दिन हिंदू लड़कियों को लक्षित किए जाने और जघन्य अपराधों की भयानक वास्तविकता का सामना करना पड़ता है। हिंदू नाबालिग लड़की के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों के बीच ही पाक में एक इंसानियत को शर्मसार करने वाला गैंगरेप का भयावह मामला सामने आया है। पाकिस्तान के सिंध प्रांत के सुजावल -शेष पृष्ठ दो पर

बस की चपेट में आने से छात्रा की मौत

गुवाहाटी। गुवाहाटी के लिटिल फ्लावर स्कूल की 11वीं कक्षा की एक छात्रा की गणेशगुड़ी में राजधानी मस्जिद के पास स्कूल बस के नीचे आने से मौके पर ही मौत हो गई। हालांकि पहली बार में ऐसा लग सकता है कि बस चालक की गलती थी लेकिन सीसीटीवी फुटेज एक अलग कहानी बयां करता है। छात्रा की पहचान प्रिया कुमारी के रूप में हुई है जो स्कूल जा रही थी और अपनी बहन के साथ स्कूटर पर पीछे बैठी थी। जब वे सड़क पर एक अवरोध के माध्यम से रास्ता बनाने की कोशिश कर रहे थे, तो वे स्कूल बस के पिछले पहिये के नीचे आ गए, जो उनके ठीक आगे चल रही थी। प्रिया की मौके पर ही मौत हो गई, जबकि उसकी बहन को चोटें आईं और उसे अस्पताल ले जाया गया। सीसीटीवी फुटेज में देखा जा सकता है कि चालक सामान्य गति से बस चला रहा था। इसके अलावा, सड़क पर बाधा के कारण जगह की कमी के कारण स्कूटर बस से कट गया और वे बस के पिछले पहिए के सामने गिर गए। इसके अलावा, सीसीटीवी फुटेज से ऐसा लगता है कि स्कूटी बस के एक ब्लाइंड स्पॉट में थी, जिससे बस चालक के लिए -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर : विस्थापितों के लिए 100 करोड़ के राहत पैकेज को दी केंद्र ने मंजूरी

इंफाल। मणिपुर में जातीय हिंसा के बाद अब वहां शांति की स्थिति है और कर्फ्यू में ढील के बाद लोग अपने घरों से निकलकर रोजमर्रा के काम भी निपटा रहे हैं। इसी के साथ राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने गुरुवार को जानकारी दी कि केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह के निर्देश पर केंद्र सरकार ने हिंसा प्रभावित मणिपुर में विस्थापितों के लिए 101.75 करोड़ रुपए के राहत पैकेज को मंजूरी दी है। उन्होंने यह भी कहा कि मणिपुर में स्थिति शांतिपूर्ण और नियंत्रण में है और पिछले 48 घंटों में राज्य में हिंसा की कोई घटना नहीं हुई है। कुलदीप सिंह ने बताया कि हाल ही -शेष पृष्ठ दो पर

35 हथियार और गोला-बारूद बरामद

नई दिल्ली। हिंसाग्रस्त मणिपुर में लगातार दूसरे दिन गुरुवार को पहाड़ी और घाटी क्षेत्र में संयुक्त तलाशी अभियान चलाया गया। क्षेत्रों की तलाशी से पहले अवैध हथियारों की स्वेच्छा से आत्मसमर्पण करने और आम नागरिकों को किसी तरह की परेशानी नहीं हो, इसका ध्यान रखते हुए अभियान चलाए गए। गैर अफस्पा क्षेत्रों में तलाशी अभियान के दौरान सेना की टुकड़ियों -शेष पृष्ठ दो पर

श्रद्धा वालकर हत्याकांड को देखकर सरस्वती का कत्ल

नई दिल्ली। श्रद्धा वालकर हत्याकांड को देश के लोग अभी भुला भी नहीं पाए थे, इसी बीच महाराष्ट्र की राजधानी मुंबई में दिमाग हिला देने वाला एक मामला सामने आया है। मीरा भायंदर इलाके में मीरा रोड पर स्थित है गीता आकाश बिल्डिंग। इसी बिल्डिंग के एक फ्लैट में एक शख्स ने लिव-इन में रह रही अपनी पार्टनर की बेरहमी से हत्या कर दी। इतना ही नहीं, आरोपी ने आरी के जरिए युवती की लाश के कई हिस्से किए और उन्हें कुकर में उबाल दिया। लाश के टुकड़ों को पैक कर वो उसे ठिकाने लगाने ही वाला था -शेष पृष्ठ दो पर

वंदे भारत पर पहले फूल बरसाए अब बरस रहे पत्थर

आगरा। दो महीने पहले जिस वंदे भारत का स्वागत फूल बरसाकर किया गया था, उसी वंदे भारत ट्रेन पर पत्थर बरसाए जा रहे हैं। मध्य प्रदेश के भोपाल स्थित रानी कमलापति रेलवे स्टेशन से नई दिल्ली के निजामुद्दीन रेलवे स्टेशन के बीच सबसे तेज चलने वाली वंदे भारत ट्रेन पर अब तक कई बार पथराव हो चुका है, जिसका सबूत ट्रेन के कोचों के टूटे शीशे दे रहे हैं। हालांकि, आगरा रेल मंडल के अधिकारियों ने पत्थरबाजी की घटना से इनकार किया है। जानकारी के मुताबिक, रानी कमलापति से निजामुद्दीन स्टेशन के मध्य चलने वाली वंदे भारत के कई कोच के शीशे चटके। गुरुवार की सुबह यह ट्रेन दिल्ली के लिए रवाना हुई तो इस पर नजर पड़ी। आगरा रेल मंडल के अधिकारियों ने पत्थरबाजी से इनकार किया है, लेकिन जिस तरीके से शीशे चटके हुए हैं, उसे देखकर तो यही लगता है कि मंडल के आसपास पत्थरबाजी हुई है। बता दें कि वंदे भारत का शुभारंभ प्रधानमंत्री -शेष पृष्ठ दो पर

सीमा पर शांति के बिना रिश्ते नहीं सुधर सकते : विदेशमंत्री

नई दिल्ली। पूर्वी लद्दाख में चीन से जारी तनाव को लेकर विदेश मंत्री एस जयशंकर ने करारा जवाब दिया है। उन्होंने गुरुवार को चीन को साफ संदेश देते हुए कहा कि चीन के साथ संबंध सामान्य होने की कोई भी उम्मीद तब तक निराधार है जब तक पूर्वी लद्दाख में सीमा पर स्थिति सामान्य नहीं होती है। उन्होंने कहा कि भारत भी चीन के साथ संबंध सुधारना चाहता है, लेकिन यह तभी संभव हो सकता है, जब सीमावर्ती इलाकों में अमन-चैन हो। जब तक ऐसा नहीं होता है, -शेष पृष्ठ दो पर

खालिस्तानियों को जगह देना कनाडा के लिए ठीक नहीं : जयशंकर

नई दिल्ली। कनाडा में भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया, इतना ही खालिस्तानी तत्वों ने ब्रैम्पटन में वहां इंदिरा गांधी से जुड़ी झांकी भी निकाली, जिसका वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया। इसके बाद भारत ने गुरुवार को अलगाववादियों (खलिस्तानी) और चरमपंथी तत्वों को जगह देने के लिए कनाडा पर निशाना साधा। एस जयशकंर ने सीधे तौर पर इस कृत्य की निंदा की और कहा कि कनाडा में भारत विरोधी तत्वों को जगह देना द्विपक्षीय संबंधों के साथ-साथ स्वयं के लिए भी अच्छा नहीं है। उन्होंने कहा कि मुझे लगता है कि इसमें एक बड़ा मुद्दा शामिल है। हमें वोट बैंक की राजनीति से ऊपर -शेष पृष्ठ दो पर

मुर्दाघर बने स्कूल में परिजन बच्चों को भेजने के लिए तैयार नहीं

बालासोर। ओडिशा के बालासोर जिले में बीते सप्ताह हुए दर्दनाक ट्रेन हादसे की भयावहता ऐसी है कि लोग वहां भी नहीं जाना चाहते जहां शुरआत में मृतकों के शव को रखा गया था। इस हादसे में 288 लोगों ने अपनी जान गंवा दी। वहीं 1100 से ज्यादा लोग घायल हुए थे। हादसे के बाद जब दुर्घटनास्थल पर रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया था तो बचाव दल ने घायलों को अस्पताल पहुंचाया था और मरने वालों के शवों को पास के एक स्कूल में रखा था। वहीं, अब उस स्कूल के नाम से ही लोगों में दहशत है। बच्चों में इस कदर खौफ है कि वे पढ़ाई के लिए वहां जाना भी नहीं चाहते। वहीं अभिभावकों का तो यह कहना है कि वे अपने बच्चों का स्कूल बदलवा देंगे। दरअसल, ओडिशा में बहानगा हाई स्कूल की इमारत को हादसे के बाद अस्थायी तौर पर मुर्दाघर में बदल दिया गया था। दो जून को हुए हादसे के बाद शवों को सबसे पहले 65 साल पुराने इस स्कूल की बिल्डिंग में रखा गया था। हालांकि, बाद में शवों को भुवनेश्वर में स्थानांतरित कर दिया गया था और स्कूल परिसर को साफ कर दिया गया था। बावजूद इसके छात्र और अभिभावक डरे हुए हैं और दहशत की स्थिति में हैं। छात्रों का कहना है कि उनके लिए यह भूलना मुश्किल है कि -शेष पृष्ठ दो पर

55 घंटे के बाद ढाई साल की मृत बच्ची को निकाला बाहर

सीहोर। मध्य प्रदेश के सीहोर के मुंगावली गांव में बोरवेल में गिरी ढ़ाई साल की सृष्टि कुशवाहा को बाहर निकाल लिया गया है। बच्ची को बचाने के लिए गुजरात से रोबोट बोरवेल रेस्क्यू टीम बुलाई गई थी। काफी जद्दोजहद के बाद उसे बाहर निकाल लिया गया। लेकिन तब तक सृष्टि की सांसें थम चुकी थी। पुलिस, डॉक्टर्स, एनडीआरएफ, आर्मी के जवान मौके पर मौजूद रही। उसे जिला अस्पताल ले जाया गया है। जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सृष्टि को -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

अखंड भारत पर बौखलाए नेपाल ने भारतीय इलाकों पर ठोका दावा

नई दिल्ली। नए संसद भवन की एक तस्वीर लगातार चर्चा में बनी हुई है। दरअसल, नए संसद भवन में अखंड भारत का एक नक्शा भी लगा हुआ है। अखंड भारत के इस नए नक्शे को देख कई देशों की बेचैनी भी बढ़ गई है। पड़ोसी मुल्क नेपाल भी इस पर चिंतित हो उठा है। ऐसे में काठमांडू के मेयर बालेंद्र शाह ने जवाबी कदम के रूप में अपने कार्यालय में एक नया ग्रेटर नेपाल नक्शा रखा है। इसमें उत्तर प्रदेश और बिहार के कई इलाकों को नेपाल का हिस्सा दिखाया गया है। हालांकि नेपाल सरकार इस मुद्दे पर चुप्पी साधे हुए है, लेकिन सीपीएन-यूएमएल सहित विपक्षी दलों ने उस मानचित्र का विरोध किया है जो हिमालयी राष्ट्र को प्राचीन भारतीय भूभाग के हिस्से के रूप में दिखाता है। मेयर शाह वर्तमान में अपनी पत्नी के इलाज के लिए बेंगलुरु में हैं, ने अपनी भारत यात्रा से पहले मानचित्र को अपने कार्यालय में रखा था। एक समय नेपाल का भूभाग पूर्व में तीस्ता से लेकर पश्चिम में सतलज तक फैला हुआ था। हालानएकि, अंग्रेजों के साथ युद्ध के बाद, नेपाल ने अपनी भूमि का एक बड़ा हिस्सा खो दिया। युद्ध के बाद मेची से तीस्ता और महाकाली से लेकर तीस्ता तक के प्रदेश सतलज को स्थायी रूप से भारत में मिला लिया गया। 4 मार्च, 1816 को, नेपाल और ईस्ट इंडिया कंपनी के बीच सुगौली संधि पर हस्ताक्षर किए गए, जिसने नेपाल के क्षेत्र को मेची-महाकाली तक सीमित कर दिया। इस नए नक्शे में यूपी का गोरखपुर और उससे लगा इलाका तथा बिहार के कई इलाके नेपाल का हिस्सा दिखाए गए हैं। शाह के कार्यालय में ग्रेटर नेपाल के नक्शे में पूर्वी तीस्ता के क्षेत्र शामिल हैं। पश्चिम कांगड़ा जो वर्तमान में भारतीय क्षेत्र हैं। अब भी आवाज उठाई जा रही है कि भारत को वह जमीनें नेपाल को वापस कर देनी चाहिए। राष्ट्रवादी कार्यकर्ता फणींद्र नेपाल लंबे समय से वृहत्तर नेपाल के लिए प्रचार कर रहे हैं। संसद में सबसे बड़ी पार्टी नेपाली कांग्रेस के महासचिव गगन थापा ने गुरुवार को कहा कि देश को *ग्रेटर नेपाल मैप* भी आधिकारिक तौर पर प्रकाशित करना चाहिए।

71वें मिस वर्ल्ड प्रतियोगिता की मेजबानी करेगा भारत

नई दिल्ली। मिस वर्ल्ड ऑर्गेनाइजेशन ने 71वीं मिस वर्ल्ड 2023 सौंदर्य प्रतियोगिता के लिए भारत को मेजबान देश के रूप में चयन करने की आज घोषणा की। संगठन ने यहां कहा कि भारत को यह प्रतिष्ठित सम्मान देने का फैसला इसकी समृद्ध सांस्कृतिक धरोहर, विविधता को बढ़ावा देने के लिए इसकी प्रतिबद्धता और महिला सशक्तिकरण के लिए इसके जुनून को देखकर लिया गया है। आकर्षक परिदृश्य, प्रसिद्ध ऐतिहासिक स्थल और शानदार आतिथ्य-सत्कार के साथ भारत की जीवंत परंपराएं, संस्कृति और इतिहास इसे सौंदर्य एवं फैशन का एक वैश्विक पावरहाउस बनाते हैं। भारत में 71वीं मिस वर्ल्ड 2023 प्रतियोगिता परोपकारी गतिविधियों के माध्यम से लोकोपकारी कार्यों को बढ़ावा देगी और प्रतियोगियों को अपने समुदायों पर सकारात्मक असर डालने और समाज में योगदान देने के लिए प्रेरित करेगी। बॉलीवुड की जानी-मानी हस्तियों, जैसे कि ऐश्वर्या राय बच्चन, प्रियंका चोपड़ा, युक्ता मुखी, आदि के रूप में भारत के पास कई खूबसूरत महिलाएं हैं, जिन्होंने विश्व-स्तरीय सौंदर्य प्रतियोगिताएं जीती हैं। संगठन की अध्यक्ष और सीईओ जूलिया मोर्ले ने कहा कि मैं 71वें मिस वर्ल्ड फाइनल के नए घर के तौर पर भारत की घोषणा करते हुए खुश हूनए। मैंने 30 साल से भी ज्यादा समय पहले, पहली बार इस बेहतरीन देश का दौरा किया था और तब से ही भारत के साथ मेरा बड़ा लगाव रहा है। हम आपकी अनूठी और विविधतापूर्ण संस्कृति, विश्व-स्तरीय आकर्षणों और मंत्रमुग्ध करने वाली जगहों को दुनिया के साथ साझा करने का इंतजार नहीं कर पा रहे हैं। एक असाधारण मिस वर्ल्ड फेस्टिवल के लिए मिस वर्ल्ड लिमिटेड और पीएमई एंटरटेनमेंट मिलकर काम कर रहे हैं।

अवरोधों के बीच तैयार हुआ विपक्षी एकता का प्रारंभिक रोडमैप

नई दिल्ली। अंतर्विरोधों के बावजूद भाजपा विरोधी क्षेत्रीय दलों को एक मंच पर लाने का प्रारंभिक रोडमैप तैयार कर लिया गया है। जदयू-राजद की सक्रियता और कोशिशों से कांग्रेस पर दबाव बढ़ा है। नीतीश कुमार ने समान विचारधारा वाले दलों से बात कर एक-एक कर सारे अवरोध हटाए। उन दलों को भी राजी किया, जो एक-दूसरे के लिए अछूत थे। वामदलों को तृणमूल कांग्रेस और आम आदमी पार्टी (आप) को कांग्रेस के साथ लाना आसान नहीं था, किंतु राजद एवं जदयू के शीर्ष नेतृत्व की तरफ से 23 जून को पटना में बैठक की घोषणा से साफ है कि गतिरोधों को हाशिये पर डालकर एकता की बात आगे बढ़ चली है। सूत्रों के अनुसार पटना में 12 जून को प्रस्तावित बैठक टलने के पीछे कांग्रेस और दोनों मेजबान क्षेत्रीय दलों के बीच कुछ गलतफहमियां थीं। राजद और जदयू के दूसरी-तीसरी श्रेणी के नेता अपने-अपने तरीके से विपक्ष की इस बैठक को भुनाने में जुट गए थे, जो कांग्रेस को पसंद नहीं आया। इसलिए कांग्रेस के शीर्ष नेतृत्व ने बैठक में आने से लाचारी जता दी। यह भी कहा गया कि बैठक हिमाचल प्रदेश की किसी ठंडी जगह में हो। बात बिगड़ने लगी तो शीर्ष नेताओं को हस्तक्षेप करना पड़ा। राजद के एक वरिष्ठ नेता ने दावा किया कि कांग्रेस के शीर्ष नेताओं से सहमति लेने के बाद ही 12 जून की तिथि तय हुई थी। बाद में कहा गया कि राहुल गांधी और मल्लिकार्जुन खरगे अनुपस्थित रहेंगे। इसलिए बैठक की तारीख आगे बढ़ाने और उसमें कांग्रेस के दोनों शीर्ष नेताओं में से किसी एक के उपस्थित रहने के लिए नीतीश और लालू ने सोनिया गांधी से स्वयं बात की, जिसके बाद बैठक की नई तिथि तय की गई। भाजपा नेतृत्व वाले राजग को केंद्र की सत्ता से बाहर करने के लिए नीतीश ने एक के खिलाफ एक का फार्मूला दिया है। दावा किया जा रहा है कि अब तक लगभग चार सौ ऐसी सीटें चिह्नित की गई हैं, जहां इस फार्मूले पर आगे बढ़ा जा सकता है। नीतीश समेत विपक्षी एकता के पैरोकार इसे कम से कम पांच सौ सीटों तक ले जाना चाहते हैं। कौन कितनी सीटों पर लड़ेगा और कौन सी सीट किस दल के हिस्से में जाएगी, इस पर अभी माथापच्ची होना है। संभव है कि इसे सुलझाने को पहली बैठक में ही कुछ समितियां गठित कर दी जाएं। नीतीश के अनुभव एवं

No. SSUHS/260/2023/EX/5720

NOTICE

It has come to the notice of Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences that a few candidates have inadvertently submitted the original admit cards of CEE-Nursing, 2023 in the Examination Centre at S.B. Deorah College, Ulubari, Guwahati on 04-06-2023. All such candidates are hereby directed to visit the office of the Principal, S.B. Deorah College between 11.00 AM to 2.00 PM in any working day to collect the admit cards submitting a valid proof of photo identity on or before 20-06-2023.

Registrar
Srimanta Sankaradeva University of Health Sciences

-- Janasanyog /D/4613/23

पृष्ठ एक का शेष

बढ़ते तापमान का...

नष्ट कर दिया है और लोग इसमें अवैध रूप से रह रहे हैं। हम वर्तमान में और ऊपर से प्रतिकूल प्रभाव देख रहे हैं, पहाड़ियों को नष्ट करना और पहाड़ियों को रहने वाले क्षेत्रों के रूप में उपयोग करना भी इसके प्रभाव दिखा रहा है। ग्लोबल वार्मिंग के बारे में बोलते हुए उन्होंने कहा कि जीवाश्म ईंधन का अत्यधिक उपयोग और ग्लोबल वार्मिंग की समस्या भी हमारे लिए एक चुनौती बन रही है। इन समस्याओं का एकमात्र समाधान जैव विविधता का संरक्षण, वनों का संरक्षण और धीरे-धीरे दुनिया से नवीकरणीय ऊर्जा संसाधनों के लिए जीवाश्म ईंधन दूर जाना है। इस बीच, सीएम शर्मा ने असम में हरित आवरण का विस्तार करने और जलवायु परिवर्तन का मुकाबला करने के उद्देश्य से गांधी जयंती के अवसर पर 1 करोड़ पौधे लगाने का फैसला किया। मुख्यमंत्री शर्मा ने कहा कि हमने गांधी जयंती के अवसर पर 2 अक्तूबर को सुबह 9 बजे से 11 बजे तक राज्य भर में एक बार में 1 करोड़ पौधे लगाने का फैसला किया है। उन्होंने आगे कहा कि आभार के निशान के रूप में, राज्य सरकार एक पौधा लगाने के लिए 100 रुपए और तीन साल तक जीवित रहने पर 200 रुपए का अतिरिक्त पुरस्कार देगी। उन्होंने कहा कि अगर हम इस साल सफल हुए तो हम अगले साल (2024) 2 अक्तूबर को भी 1 करोड़ पौधे लगाएंगे। सीएम शर्मा के अलावा, असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया, राज्य के मंत्रियों के कैबिनेट सहयोगियों और सत्तारूढ़ और विपक्षी दोनों दलों के विधायकों ने कामरूप जिले के चांदूबी क्षेत्र में अमित वृक्षारोपण कार्यक्रम में भाग लिया।

भारत-बांग्लादेश सीमा...

इसके महानिदेशक (डीजी) मेजर जनरल एकेएम नजमुल हसन करेंगे, जबकि बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल का नेतृत्व डीजी सुजॉय लाल थाउसेन करेंगे। इन दो प्रतिनिधिमंडलों में गृह मंत्रालय, विदेश मंत्रालय और एंटी-ड्रग्स प्रवर्तन के अधिकारी भी शामिल होंगे। बता दें कि यह वार्ता का 53वां संस्करण होगा। इससे पहले इस वार्ता की आखिरी बैठक पिछले साल जुलाई में हुई थी। उस दौरान, बीएसएफ प्रतिनिधिमंडल ने बांग्लादेश की राजधानी ढाका की यात्रा की थी। गृह मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि दोनों पक्षों के बीच सीमा प्रबंधन, अपराधों की जांच और समन्वित सीमा प्रबंधन योजना (सीबीएमपी) को लागू करने को लेकर बातचीत होगी। उन्होंने कहा कि बीजीबी और बीएसएफ के बीच आपसी विश्वास बढ़ाने और मौजूदा संबंध को और मजबूत करने से संबंधित कई मुद्दों पर विचार-विमर्श होगा। बता दें कि बीएसएफ भारत के पूर्वी हिस्से में बांग्लादेश से लगे 4,096 किलोमीटर लंबे अंतर्राष्ट्रीय सीमा की सुरक्षा करता है। ये वार्ता 1975 और 1992 के बीच वार्षिक रूप से आयोजित की गई थी, लेकिन उन्हें 1993 में द्वि-वार्षिक बना दिया गया। बीएसएफ के एक वरिष्ठ अधिकारी ने कहा कि दोनों देशों और बलों के बीच बहुत अच्छे संबंध हैं। उन्होंने कहा कि दोनों पक्ष इन संबंधों को बढ़ाने के लिए काम कर रहे हैं।

ऑस्ट्रेलिया में बैन...

लोगों को छूट दी गई है। दरअसल, स्वास्तिक जैसे दिखने वाले हकेनक्रेज को कहीं न कहीं हिटलर से भी जोड़कर देखा जाता है। इसी के चलते अमेरिका के मैरीलैंड राज्य ने स्वास्तिक पर भी बैन लगा दिया था, जिसका हिंदुओं ने काफी विरोध किया। हिटलर अपने शासनकाल के दौरान नाजी सेना को आक्रमक दिखाने के लिए अलग-अलग हथकंडे अपना रहा था। इसके चलते उसने सेना का अलग झंडा लाने का विचार किया। इस झंडे के बीच में एक सफेद गोले में 45 डिग्री झुका हुआ स्वास्तिक जैसा चिह्न था, जिसे हकेनक्रेज कहा जाता है। नाजी लोग हकेनक्रेज को संघर्ष का प्रतीक मानते थे, वहीं हिंदू धर्म के लोग स्वास्तिक को शुभ और तरक्की का चिह्न मानते हैं। जैन धर्म के लोग स्वास्तिक को सातवें तीर्थंकर का प्रतीक मानते हैं तो बौद्ध धर्म के लोग इसे बुद्ध के पदचिह्न के निशान का प्रतीक मानते हैं।

बस की चपेट में ...

अपने रियर व्यू मिरर के माध्यम से दोनों को नोटिस करना असंभव हो गया होगा। बिपुल बोरो के रूप में पहचाने गए बस चालक को बाद में पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। स्थानीय चश्मदीदों ने इस घटना पर रोष व्यक्त किया, इस बात पर जोर दिया कि सड़क पर लापरवाही से खोदे गए गड्ढों ने इस घटना में भूमिका निभाई। शहर में सड़क पर लापरवाही से खोदे गए गड्ढों से दुर्घटना की यह पहली घटना नहीं है। इससे पहले गणेशगुड़ी में फुटओवर ब्रिज के पास एक चार पहिया वाहन गड्ढे में गिर गया, लेकिन गनीमत रही कि वाहन चालक बाल-बाल बच गया।

मणिपुर : विस्थापितों के ...

में अपनी मणिपुर यात्रा के दौरान, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने विस्थापित लोगों के लिए राज्य सरकार को राहत पैकेज के लिए गृह मंत्रालय को अनुरोध भेजने का निर्देश दिया था। इसके बाद सरकार ने राहत पैकेज को मंजूरी दी है। सुरक्षा सलाहकार ने कहा कि अब तक कुल 896 हथियार, 11,763 गोला बारूद और विभिन्न प्रकार के 200 बम बरामद किए गए हैं। पिछले 24 घंटों में मणिपुर के इंफाल पूर्वी जिले के पोरोमपत थाना क्षेत्र से 27 हथियार, 245 गोला-बारूद और 41 बम बरामद किए गए, जबकि राज्य के बिष्णुपुर जिले में एक हथियार और दो बम बरामद किए गए। पांच घाटी जिलों में 12 घंटे और पड़ोसी पहाड़ी जिलों में 10 घंटे से 8 घंटे के लिए कर्फ्यू में ढील देने की घोषणा की गई है। छह अन्य पहाड़ी जिलों में कर्फ्यू नहीं है। राज्य सरकार के सुरक्षा सलाहकार कुलदीप सिंह ने कहा कि राष्ट्रीय राजमार्ग-37 के साथ आवश्यक वस्तुओं की आवाजाही सुनिश्चित की गई है और गुरुवार को 294 खाली वाहन इंफाल से जिरीबाम के लिए रवाना हुए हैं। कुल 220 लदे वाहन नोनी से रवाना हुए हैं और 198 लदे टैंकर और ट्रक जिरिबाम से रवाना हुए हैं। वरिष्ठ अधिकारियों ने संवेदनशील क्षेत्रों का दौरा किया है। सभी संवेदनशील इलाकों में सुरक्षा के कड़े इंतजाम किए गए हैं। अधिकारी ने कहा कि इसके अलावा, राज्य और केंद्रीय बलों की संयुक्त टीमों ने राज्य के कई हिस्सों में तलाशी अभियान तेज कर दिया है। राज्य के मंत्री और विधायक मणिपुर के विभिन्न क्षेत्रों का दौरा कर रहे हैं और जनता और नागरिक समाज संगठनों से मिल कर शांति और सामान्य स्थिति की अपील कर रहे हैं।

35 हथियार और...

के साथ मजिस्ट्रेट की उपस्थिति सुनिश्चित की जा रही है। आज 35 हथियार (सभी प्रकार), गोला-बारूद और जंगी सामान बरामद किए गए। तलाशी अभियान के दौरान ड्रोन से निगरानी रखी जा रही है। सेना सूत्रों के मुताबिक तलाशी अभियान के दौरान मणिपुर से आवश्यक वस्तुओं की सप्लाई को सुनिश्चित करने के लिए एनएच 37 पर नियंत्रण किया गया। इस दौरान सेना लगातार स्थानीय लोगों के साथ विश्वास कायम करने पर भी काम कर रही है। सामान्य स्थित जल्द से जल्द वापस लौटे इसके लिए भी सुरक्षाबलों के जवान लगे हुए हैं। सेना सूत्रों ने बताया कि तलाशी अभियान के दौरान यह सुनिश्चित करने के पर्याप्त उपाय किए जा रहे हैं कि स्थानीय लोगों को कोई असुविधा न हो। असम राइफल्स ने मणिपुर के सैकुल सब-डिवीजन के पुखाओ तेरापुर गांव के लोगों के लिए एक चिकित्सा शिविर का आयोजन किया। पुखाओ तेरापुर गांव के स्थानीय लोगों और आस-पास के राहत शिविरों में रहने वाले लोगों ने भी चिकित्सा शिविर का लाभ उठाया। चिकित्सा शिविर के दौरान असम राइफल्स के डॉक्टरों की टीम ने 238 महिलाओं और 167 बच्चों सहित लगभग 471 लोगों का इलाज किया।

श्रद्धा वालकर हत्याकांड ...

कि पुलिस आ गई। समाचार एजेंसी के मुताबिक, आरोपी 56 साल का मनोज साने है। मनोज अपनी लिव-इन पार्टनर सरस्वती वैद्य (32) के साथ बीते कुछ सालों से इसी फ्लैट में रह रहा था। आरोप है कि मनोज का किसी बात को लेकर सरस्वती के साथ झगड़ा हो गया था। झगड़ा इतना बढ़ गया कि मनोज ने सरस्वती की हत्या कर दी और फिर उसके शरीर के टुकड़े-टुकड़े कर दिए। पुलिस के मुताबिक, सरस्वती की हत्या दो-तीन दिन पहले हुई थी। मनोज एक लाश के साथ ही फ्लैट में रह रहा था। पुलिस ने मनोज को गिरफ्तार कर उससे पूछताछ की। पूछताछ में मनोज ने हैरान कर देना वाला खुलासा किया। मनोज का कहना था कि उसने श्रद्धा वालकर हत्याकांड के बाद ही सरस्वती की हत्या का विचार आया। सरस्वती की हत्या श्रद्धा वालकर हत्याकांड जैसी थी भी। दरअसल, सरस्वती की लाश के टुकड़े करने के लिए मनोज पेड़ काटने वाली आरी लेकर आया था। इसी आरी से उसने सरस्वती के शव के टुकड़े किए। पुलिस ने बताया कि मनोज के पड़ोसियों को उसके फ्लैट से बदबू आ रही थी। लिहाजा, लोगों ने पुलिस को इसकी जानकारी दी। पुलिस पहुंची और मनोज के फ्लैट में घुसी। घर के अंदर का नजारा देखकर पुलिस दंग रह गई। पुलिस के मुताबिक, मनोज लाश के टुकड़ों को ठिकाने लगाने की फिराक में था। इसमें कोई दिक्कत ना हो, इसलिए उसने टुकड़ों को कुकर में उबाला। उबालने के बाद पन्नी में पैक कर दिया। दिल्ली के महरौली इलाके में 18 मई, 2022 को श्रद्धा वालकर की हत्या कर दी गई थी। श्रद्धा के लिव-इन पार्टनर आफताब अमीन पूनावाला ने उसकी बेरहमी से गला रेतकर हत्या की थी। हत्या के बाद उसने शव के 35 टुकड़े किए। आफताब ने शरीर के टुकड़ों को फ्रिज में छिपा दिया था।

वंदे भारत पर ...

नरेंद्र मोदी ने 1 अप्रैल को किया था। उत्तर मध्य रेलवे आगरा मंडल की पहली वंदे भारत है। इस ट्रेन का रूट भोपाल रेल मंडल से संचालित होता है। शुभारंभ के दिन यह ट्रेन जब आगरा पहुंची थी तो यहां स्टेशन पर भारत माता की जय के नारे और पुष्प वर्षा कर इसका स्वागत किया था, लेकिन अब हालात यह हो गए हैं कि ट्रेन पर अब पत्थरबाजी होने लगी है। ट्रेन के टूटे शीशों को बदलने की प्रक्रिया चल रही है। वहीं अधिकारियों का कहना है कि पथराव की घटनाओं को रोकने के लिए लोगों को जागरूक किया जाएगा। भोपाल रेल मंडल के पीआरओ सूबेदार सिंह ने बताया कि वंदे भारत पर पथराव की 90 फीसदी घटनाएं दिल्ली से आगरा के बीच में हो रही हैं।

सीमा पर शांति...

तब तक दोनों देशों के संबंध आगे नहीं बढ़ सकते। विदेश मंत्री मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के मौके पर प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मोदी सरकार के कार्यकाल में सभी प्रमुख देशों के साथ संबंध मजबूत हुए हैं। चाहे रूस हो, अमेरिका हो या फिर ब्रिटेन, जर्मनी, जापान अथवा खाड़ी देश और आसियान, सभी के साथ रिश्ते आगे बढ़े हैं। बस 2020 में समझौतों का उल्लंघन कर अपनी सेना को अग्रिम मोर्चे पर भेजने वाले चीन के साथ रिश्तों में कड़वाहट बढ़ी है। विदेश मंत्री ने उत्तरी सीमा को लेकर भारत के नजरिये और चीन के बेल्ट एंड रोड इनीशिएटिव पर उसके विरोध के संदर्भ में कहा कि भारत किसी तरह की दादागीरी या उकसावे वाली कार्रवाई से प्रभावित नहीं होता है। इस दौरान उन्होंने पूर्वी लद्दाख में सीमा पर सैनिकों की तैनाती को लेकर भी उन्होंने चीन पर हमला बोला। विदेश मंत्री ने कहा कि दोनों पक्षों को सैनिकों की वापसी के तरीके खोजने होंगे। सीमा पर जारी यह गतिरोध चीन के हित में भी नहीं है।

खालिस्तानियों को जगह ...

उठना होगा। वोट बैंक ही बड़ा मुद्दा है नहीं कोई ऐसा क्यों करेगा? स्पष्ट तौर एस जयशंकर ने कहा कि अगर आप उनके इतिहास को देखेंगे तो आप कल्पना करेंगे कि वे इतिहास से सीखते हैं और वे उस इतिहास को दोहराना नहीं चाहेंगे। यह केवल एक घटना नहीं है लेकिन यह भयानक हो सकती है। मुझे लगता है कि ये एक बड़ा मुद्दा है कि क्या कनाडा अपनी जमीन को खालिस्तानियों, चरमपंथियों को हिंसा की वकालत करने के लिए दे रहा है। मुझे लगता है कि यह रिश्तों के लिए अच्छा नहीं है और खासतौर पर कनाडा के लिए तो बिल्कुल सही नहीं है। भारत में कनाडा के उच्चायुक्त कैमरन मैके ने ट्वीट किया कि कनाडा में नफरत या हिंसा के महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। उन्होंने कहा कि मैं कनाडा में इस तरहा के कार्यक्रम की खबरों से स्तब्ध हूं, जिसमें दिवंगत भारतीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या का जश्न मनाया गया। कनाडा में नफरत या हिंसा के लिए कोई जगह नहीं है।

मुर्दाघर बने स्कूल...

हमारे स्कूल की इमारत में इतने सारे शव रखे हुए थे। कुछ माता-पिता अपने बच्चों को बहानागा हाई स्कूल में भेजने के बजाय शिक्षण संस्थान बदलने की भी सोच रहे हैं। बहानगा हाई स्कूल की प्रधानाध्यापिका प्रमिला स्वैन ने इस बारे में कहा कि युवा छात्र डरे हुए हैं। उन्होंने कहा कि स्कूल प्रबंधन ने परिसर में आध्यात्मिक कार्यक्रम आयोजित करने और कुछ अनुष्ठानों की योजना बनाई है। जिससे बच्चों और उनके अभिभावकों को डर पर काबू पाने में मदद मिल सके। इसके अलावा, स्कूल की बिल्डिंग गिराकर नई बिल्डिंग बनाने की बात भी सामने आई है। छात्रों के डर की बात सामने आने के बाद स्कूल और जन शिक्षा विभाग ने बालासोर के जिला कलेक्टर दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे को स्कूल का दौरा करने का निर्देश दिया था। दौरे के बाद जिला कलेक्टर दत्तात्रेय भाऊसाहेब शिंदे ने बताया कि उन्होंने स्कूल प्रबंधन समिति के सदस्यों, प्रधानाध्यापिका और अन्य कर्मचारियों के साथ ही स्थानीय लोगों से मुलाकात की है। वे इस इमारत को गिराना चाहते हैं। उनका कहना है कि पुरानी इमारत को गिराकर पुनर्निर्मित कराया जाए। जिससे बच्चों को कक्षाओं में जाने का कोई डर या आशंका न हो। जिला कलेक्टर ने कहा कि उन्होंने एसएमसी से ढांचा गिराने की उनकी मांग के बारे में एक प्रस्ताव पारित करने और इसे सरकार को सौंपने को कहा है। उन्होंने कहा कि स्कूल की इमारत पुरानी है। अक्सर बाढ़ के दौरान लोगों को आश्रय देने के लिए इसका उपयोग किया जाता है। चल रहे परिवर्तन कार्यक्रम के तहत स्कूल का नवीनीकरण किया जा सकता है। एसएमसी के एक सदस्य ने जिला कलेक्टर को बताया कि टीवी पर स्कूल की इमारत में पड़े शवों को देखने के बाद बच्चों पर इसका गहरा असर हुआ है। वे 16 जून को फिर से स्कूल खुलने के बाद यहां आने से हिचक रहे हैं। इस बीच, जिला शिक्षा अधिकारी (डीईओ) बिष्णु चरण सुतार ने छात्रों और अभिभावकों को जागरुक करने के लिए बुधवार को एसएमसी और पूर्व छात्रों के सदस्यों के साथ बैठक की थी। जिससे वे किसी भी नकारात्मक विचारों को बढ़ावा न दें। उन्होंने दावा किया कि हम यह सुनिश्चित करेंगे कि कोई भी छात्र इस वजह से स्कूल नहीं छोड़े।

55 घंटे के बाद ...

बोरवेल में गिर हुए आज तीसरा दिन था। तमाम कोशिशों के बाद सृष्टि को रोबोट की मदद से बाहर निकाला जा सका। बता दें कि मंगलवार को दोपहर एक बजे के करीब घर के बाहर खेल रही सृष्टि कुशवाह, पिता राहुल कुशवाह 300 फीट गहरे बोरवेल गिर गई थी। घटना की जानकारी मिलते ही मौके पर जिला प्रशासन की टीम पहुंच गई थी। वहीं सृष्टि को सकुशल बाहर निकालने के लिए एनडीआरएफ और एसटीआरएफ की टीम ने काफी जद्दोजहद की। सृष्टि 3 सौ फीट गहरे बोरवेल में 30 फीट की गहराई में फंसी थी लेकिन मशीनों की कंपन के कारण वह 30 फीट से खिसककर 100 फीट नीचे चली गई। बुधवार को एनडीआरएफ और एसडीआरएफ की टीम ने हुक के सहारे बच्ची को निकालने का प्रयास किया था। बताया जा रहा है कि इस प्रयास में सफलता भी मिल गई थी, लेकिन ऊपर आते-आते सृष्टि वापस हुक से फिसलकर नीचे जा गिरी। वहीं पोकलेन मशीनों के माध्यम से बोर के पास गड्ढा भी खोदा जा रहा था, लेकिन पत्थर आ जाने की वजह से रेस्क्यू बीच में ही रोकना पड़ा।

राहुल की मोहब्बत ...

कांग्रेस के राज में सबसे अधिक नफरत की दुकानें सजाई गई। कांग्रेस के राज में ही सबसे अधिक दंगे हुए। राहुल गांधी को लिखी 9 पन्नों की चिट्ठी में भाजपा ने कांग्रेस पर कई बड़े हमले किए। भारतीय जनता पार्टी ने कहा कि नेहरू-गांधी परवार ने कांग्रेसी नेताओं के साथ किस प्रकार की बदसलूकी की ये किसी से छिपा नहीं है। भाजपा ने कहा कि कांग्रेस के राज में मोहब्बत में नरसंहार हुआ। 1948 में महामा गांधी की हत्या के बाद महाराष्ट्र में हजारों लोगों को मौत के घाट उतार दिया गया था। इसके पीछे मोहबत का पैगाम देने वाले कांग्रेसी ही थे। 9 पन्नों की चिट्ठी में भाजपा ने आगे कहा कि अगर आप अपने गिरेबान में झाकेंगे तो पाएंगे कि आपने किस हद तक नफरत फैलाने का काम किया है।

पाकिस्तान में नाबालिग ...

में एक नाबालिग हिंदू लड़की के साथ तीन मुस्लिम लड़कों ने सामूहिक बलात्कार किया और उसे तड़पता हुआ सड़क पर मरने के लिए छोड़। गैंगरेप की शिकार तड़पती बच्ची का वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है। जानकारी के अनुसार पुलिस ने इस मामले में त्वरित कार्रवाई करने के बजाय आनाकानी कर रही है। मीडिया रिपोर्ट के अनुसार इस्लामाबाद और सिंध सरकारें पाकिस्तान में हिंदुओं सहित अल्पसंख्यक परिवारों का उत्पीड़न-अत्याचार व हिंदू लड़कियों के अपहरण और जबरन धर्म परिवर्तन के मामलों पर कोई सख्त कदम नहीं उठा रही हैं । ट्विटर पर शेयर की गई एक पोस्ट के अनुसार सुहाना कुमारी मामले में भी पुलिस अभी तक उसे बरामद नहीं कर पाई है। प्राथमिकी दर्ज की गई है लेकिन अपहरणकर्ता फरार हैं। लड़की की मां ने द राइज न्यूज से बात करते हुए बताया कि वह राज्य में अपनी बेटी के लिए भीख मांग रही है, कृपया मेरी बेटी को वापस लाएं। सुहाना कुमारी, पिता दिलीप शर्मा को संघार जिले के शहीद बेनजीराबाद में काजी अहमद इलाके में उसके घर से 6 जून की देर रात अपहरण कर लिया गया था, जिसकी पहचान तीन सशस्त्र बंदूकधारियों के रूप में हुई थी। इसी तरह 22 महीने पहले 7 साल की हिंदू लड़की प्रिया कुमारी का अपहरण हुआ था और यह अभी भी अज्ञात है कि वह कहानए है। बच्ची के मां-बाप ने रोते हुए पाकिस्तान के प्रधानमंत्री, सेनाध्यक्ष, सिंध के गवर्नर, और सिंध के मुख्यमंत्री सैयद मुराद अली शाह से प्रिया कुमारी का तुरंत पता लगाने और बचाव करने की गुहार लगाई है। लेकिन मानवाधिकार के चैंपियन बिलावल भुट्टो ने हिंदू लड़की के बारे में ट्वीट नहीं किया है जिसे उसके घर से अगवा कर लिया गया है।

स्वर्वेद भाष्य

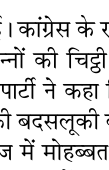

चतुर्थ मंडल **त्रयोदश अध्याय**

(गुरु-वंदना)

परम देव गुरु देखिये, परम देव कर भाव।
मनमथ भ्रम कुतर्कना, गति अनन्य उर भाव॥ 23॥

शब्दार्थ : (परम देव) महान देव (भाव) श्रद्धा (मनमथ) मन का मनन, विषय (भ्रम) अज्ञान (कुतर्कना) विरुद्ध तर्क।

भाष्य : सद्गुरुदेव को महान देव के रूप में देखना चाहिए और उसी प्रकार का भाव उनके पद पर होना चाहिए। मन के भ्रम-कुतर्क में न पड़कर उनके प्रति हृदय में अनन्य भाव रखना चाहिए।

जहँ हम हैं तहँ गुरु नहीं, अब गुरु हैं हम नाहिं।
प्रेम गली अति सांकरी, ता महँ दो न समाहिं॥ 24॥

शब्दार्थ : (हम) अपनापन, अभियान (गुरु) सद्गुरु (गली) जाने का छोटा मार्ग, (साँकरी) सकेत, पतला।

भाष्य : जहां पर अभिमान का ममत्व है, तहां सद्गुरु नहीं है और जहां प सद्गुरु है, वहां पर अपना अभिमान नहीं है। प्रेम का इतना बारीक और सूक्ष्म मार्ग है, जिसमें अभिमान और ये गुरु दोनों एक साथ नहीं रह सकते। अभिमान से आध्यात्मिक जीवन का उत्थान नहीं हो सकता, निराभिमानी, सरल और स्नेहयुक्त जीवन ही अध्यात्म-पथ के ऊंचे लक्ष्य को प्राप्त करने में समर्थ होता है।

केंद्रीय नोडल अधिकारी ने कामरूप जिले के जलशक्ति अभियान की प्रगति की समीक्षा की

रंगिया (विभास)। एकीकृत जिला उपायुक्त कार्यालय के सभागार में भारत सरकार के ग्रामीण विकास मंत्रालय एवं भूमि संसाधन विभाग के संयुक्त सचिव तथा कामरूप जिला के जल शक्ति अभियान के नोडल अधिकारी नितिन खड़े की अध्यक्षता में आज जलशक्ति अभियान के कामकाज की प्रगति की समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक में केंद्रीय भूजल बोर्ड के वैज्ञानिक एवं तकनीकी अधिकारी राजेश कुमार बर्मा ने भी भाग लिया। बैठक में केंद्रीय भू-जल परिषद, गुवाहाटी, जिला ग्रामीण विकास संस्था, कामरूप जिला परिषद, जन स्वास्थ्य तकनीकी, कृषि, मत्स्य पालन, सिंचाई विभाग, नगर परिषद, नेहरू युवा केंद्र, सामाजिक वनानीकरण एवं भूमि संरक्षण जैसे विभिन्न विभागों के प्रतिनिधियों ने भी भाग लिया। बैठक में भूगर्भ का पानी आहरण और वहनक्षम जल प्रबंधन, वर्षा के जल संगरक्षण के लिए जल पुनर्भरण संरचनाओं के निर्माण से संबंधित मुद्दों पर विस्तृत रूप से चर्चा की गई। बैठक में अध्यक्ष ने जिले में पानी की कमी जैसी समस्या से बचने के लिए उचित जल प्रबंधन पर जोर दिया। उन्होंने सभी विभागों से आग्रह किया कि वे उचित जल संरक्षण और भंडारण पर विशेष ध्यान दें ताकि ऐसे जलाशयों का उपयोग कमी के समय किया जा सके। उन्होंने अमृत सरोवर के कार्यों की प्रशंसा करते हुए जल स्रोतों की स्थिरता बनाए रखने के लिए की जा सकने वाली विभिन्न गतिविधियों पर प्रकाश डाला। बैठक में जलशक्ति अभियान के क्रियान्वयन से संबंधित विभाग के कार्यों की प्रगति की समीक्षा की गयी। अध्यक्ष ने बैठक में जल स्रोतों की स्थिरता के लिए की जाने वाली विभिन्न गतिविधियों की जानकारी दी। तत्पश्चात इस केंद्रीय प्रतिनिधिमंडल ने रंगमहल जन जलापूर्ति योजना का निरीक्षण किया और योजना की कार्यक्षमता का जायजा लिया।

रंगमहल जन जलापूर्ति योजना का निरीक्षण

दक्षिण बगुड़ीबाड़ी सहकारी समिति के मतों की गिनती संपन्न

नगरबेड़ा ((विभास)। बरपेटा जिले के समवाय विभाग के तहत दक्षिण बगुड़ीबाड़ी समवाय समिति के निदेशकों के चुनाव के लिए वोटों की गिनती कल रात लगभग 11 बजे शांतिपूर्ण ढंग से समाप्त हो गई। यह पता चला है कि निदेशक मंडल के लिए मतदान 5 जून को हुआ था। चुनाव अधिकारी मनोज शर्मा और सहकारी विभाग के रजिस्ट्रार ने कहा कि 12 सामान्य सदस्य क्रमश: अब्दुल मजिद, नूर हामिद, मोइनुल हक, नबीर हुसैन, सबुर उद्दीन, अब्दुल हन्नान, अजहर अली, सोरमन अली, जाहिदुल इस्लाम, साहेर अली, अब्दुल रशिद और जेहिरुल इस्लाम जबकि

कंचन अहमद और मनवारा खातून ने क्रमश: महिलाओं के लिए आरक्षित दो सीटों पर जीत हासिल की। उल्लेखनीय है कि समर दास निदेशक मंडल में सदस्य के रूप में अनुसूचित जाति और अनुसूचित जनजाति के लिए आरक्षित सीटों पर निर्विरोध चुने गए थे। हालांकि, कछुमारा पुलिस प्रशासन का सुरक्षा कवर शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हुआ।

मायूम, होजाई ने लगाए विभिन्न पौधे

होजाई (विभास)। मारवाड़ी युवा मंच, होजाई शाखा द्वारा भूतनाथ श्मशान घाट में पौधारोपण अभियान का आयोजन किया गया। सदस्यों ने अध्यक्ष आशीष अग्रवाल एवं सचिव अभि मोरे के नेतृत्व में विभिन्न प्रकारके 35 पौधे लगाए। अध्यक्ष आशीष अग्रवाल ने कहा कि पर्यावरण का संरक्षण करना हमारा नैतिक दायित्व है। पर्यावरण है तो हम हैं। उक्त कार्यक्रम में मंच सदस्य पीयूष कयाल, संजय मुरारका, पंकज गरोडिया, नवीन अग्रवाल, आशीष शर्मा, निखिल कुमार मुंदड़ा, मयंक कयाल, बिक्रम भीमसारी, मोहित कयाल, कृष बजाज ने भाग लिया। उक्त जानकारी मंच पर जनसंपर्क अधिकारी निखिल कुमार मुंदड़ा ने दी।।

भूटान का डंपर रंगिया के मरानजाना में दुर्घटनाग्रस्त

कामरूप (हिंस)। पड़ोसी देश भूटान का एक डंपर बीती रात कामरूप (ग्रामीण) जिला के रंगिया में राष्ट्रीय राजमार्ग-27 के मरानजाना में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। डंपर (बीपी-2ए-9250) नियंत्रण खोने के बाद राष्ट्रीय राजमार्ग पर पलट गया, जिसकी वजह से गुवाहाटी की ओर जाने वाला राष्ट्रीय राजमार्ग पूरी तरह से बंद हो गया। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि हादसे में भूटानी डंपर चालक लकजंग गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय जनता एवं पुलिस घटनास्थल पर पहुंची और घायल चालक को इलाज के लिए नजदीकी अस्पताल में भर्ती कराया। पुलिस टीम ने राष्ट्रीय राजमार्ग से डंपर को हटाकर यातायात को दुबारा बहाल किया।

सड़क हादसा में पुलिसकर्मी घायल

दरंग (हिंस)। दरंग जिला में आज सुबह गहपुर से मंगलदै की ओर आ रही एक बाइक (एएस-25टी-0960) ने सोमाल दा खोव में अनियंत्रित होकर दुर्घटना ग्रस्त हो गई। जिसकी वजह से बाइक चालक गंभीर रूप से घायल हो गया। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस और दलगांव थाने की ट्रैफिक शाखा का एक दल घटनास्थल पर पहुंचकर घायल बाइक चालक को रेस्क्यू कर अस्पताल में भर्ती कराया।

जैन मुनि आचार्य 108 श्री प्रमुख सागर जी महाराज का रंगिया में भव्य स्वागत

रंगिया (विभास)। सम्मेद शिखरजी से पूर्वोत्तर की ओर विहाररत जैन मुनि आचार्य 108 श्री प्रमुख सागर जी महाराज (ससंघ 13 पिच्छी) का प्रवेश बृहस्पतिवार को रंगिया में हुआ। आचार्य (ससंघ) नलबाड़ी से विहार कर रंगिया में वृहस्पतिवार को प्रात: 7.30 बजे रंगिया पहुँचे। रंगिया के जैन धर्मालंबियों द्वारा गाजे-बाजे के साथ बहुत ही हर्षोल्लास पूर्वक व जयकारों के बीच उनका श्री दिगंबर जैन मंदिर, रंगिया प्रांगण में भव्य मंगल प्रवेश कराया गया। वहीं आज की आहार चर्या रंगिया जैन मंदिर भवन प्रांगण में सम्पन्न की गई। मालूम होकि आचार्य ससंघ बृहस्पतिवार को शाम 4 बजे रंगिया से विहार कर मोरोनजना होते हुए गुवाहाटी की ओर प्रस्थान हुए है।

गोसाईगांव : भारी मात्रा में विदेशी सिगरेट के साथ एक गिरफ्तार

कोकराझार (हिंस)। कोकराझाड़ जिलांतर्गत गोसाईगांव महकमा पुलिस ने आज सुबह गोसाईगांव महकमा के हारापुटा में अभियान चलाकर एएक ट्रक (एमएच-04केयू-3557) को 9 कार्टून विदेशी (म्यांमार) सिगरेट के साथ जब्त कर ट्रक चालक को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार किए गए ट्रक चालक की पहचान उत्तर प्रदेश के वाराणसी जिला निवासी राकेश यादव के रूप में किया गया है। पुलिस ने बताया है कि गुप्त सूचना के आधार पर गोसाईगांव महकमा पुलिस अधिकारी हिरेन कुमार के नेतृत्व में एक टीम ने हारापुटा भारत पेट्रोल पंप के समीप अभियान चलाया और अभियान के दौरान ट्रक की जब तलाशी ली गई तब उसमें बांस के बीच छिपकर रखे गये विदेशी सिगरेट के 9 बड़े कार्टून बरामद किया गया, जिसका बाजार मूल्य प्राय 10 लाख रुपए हैं। जब्त की गई विदेशी सिगरेट को असम के गुवाहाटी के गौरीपुर से पश्चिम बंगाल ले जाया जा रहा था। इस मामले में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर गिरफ्तार चालक से पूछताछ कर रही है।

ट्रेनों के सुरक्षित परिचालन के लिए पूसीरे ने किए कई उपाय

गुवाहाटी (हिंस)। रेल संरक्षा में विभिन्न मापदंडों की निरंतर निगरानी एक सतत प्रक्रिया है और इसे बनाए रखने एवं सुधारने के लिए लगातार प्रयास किए जाते हैं। परिसंपत्ति के रखरखाव में कमजोर क्षेत्रों की पहचान करने के लिए रेलवे के बुनियादी ढांचों पर नियमित अंतराल पर सुरक्षा ऑडिट/निरीक्षण किए जाते हैं। दुर्घटनाओं को रोकने के तरीके और साधन प्रदान करने के लिए सुरक्षा प्रक्रियाओं का पालन किया जाता है। इसके अलावा, कर्मचारियों के बीच संरक्षा जागरूकता की जांच करने और संपत्ति के रखरखाव सहित विभिन्न सुरक्षा पहलुओं को कारगर बनाने के लिए समय-समय पर सुरक्षा अभियान चलाए जाते हैं। ट्रेनों के परिचालन में संरक्षा के साथ-साथ परिसंपत्तियों की विश्वसनीयता में सुधार, अधिक पुरानी परिसंपत्तियों का उचित समय पर प्रतिस्थापन, ट्रैक, रोलिंग स्टॉक, सिग्नलिंग और इंटरलॉकिंग सिस्टम के अपग्रेडेशन और अनुरक्षण के लिए उपयुक्त तकनीकों को अपनाना, संरक्षा अभियान, अधिकारियों के प्रशिक्षण पर अधिक जोर और निगरानी के लिए नियमित अंतराल पर निरीक्षण और सुरक्षित चलन का पालन करने के लिए कर्मचारियों को प्रशिक्षित किया जाता है। दुर्घटनाओं को रोकने के लिए उपयोग किए जा रहे सुरक्षा उपकरणों/प्रणालियों में इलेक्ट्रॉनिक

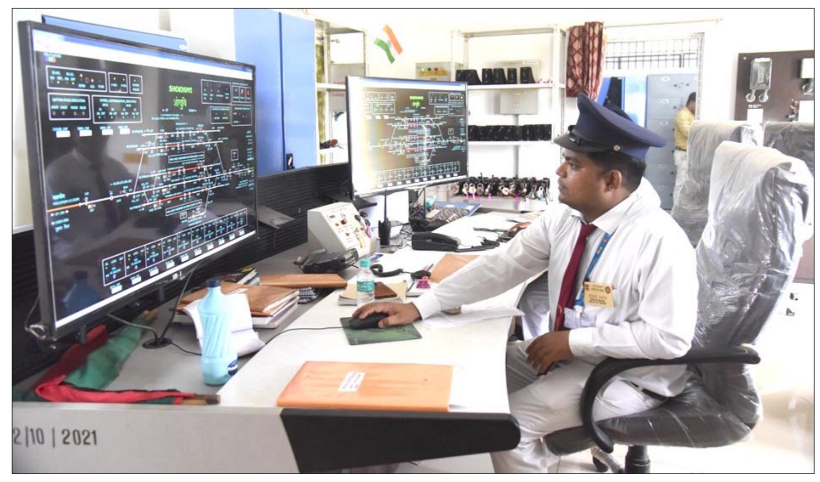

इंटरलॉकिंग, ट्रैक सर्किटिंग, ब्लॉक प्रूविंग एक्सल काउंटर्स (बीपीएसी), रंगीन लाइट एलईडी सिग्नल, ट्रेन सुरक्षा चेतावनी प्रणाली (टीपीडब्ल्यूएस), मोबाइल ट्रेन रेडियो संचार (एमटीआरसी), डेडिकेटेड ओएफसी आधारित अकॉस्टिक सेंसिंग सिस्टम, विजिलेंस कंट्रोल डिवाइस (वीसीडी), फॉग पास डिवाइस, प्री-स्ट्रेस्ड कंक्रीट स्लीपर्स, अल्ट्रासोनिक फ्लॉ डिटेक्शन (यूएसएफडी) के लिए डिजिटल मशीनों के उपयोग का प्रावधान शामिल हैं। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) में कई स्थानों पर सिस्टम मॉनिटरिंग और प्रिडिक्टिव मेंटेनेंस सेंटर स्थापित किए गए हैं। यह प्रणाली दूर से ही सिग्नल और दूरसंचार परिसंपत्तियों से संबंधित विफलताओं की निगरानी और निदान करती है।

सांप्रदायिक मतभेदों के कारण हुई हिंसा : रिजिजू

इंफाल। रिजिजू ने कहा कि यह एक सतत समस्या है और गृह मंत्री ने स्वयं इसका जमीनी मूल्यांकन किया और उन्होंने पहले शांति स्थापित करने के लिए शांति प्रस्ताव दिया, फिर जो भी मांग होगी, जो आवश्यक आवश्यक कार्रवाई की जाएगी। मणिपुर में एक महीने पहले भड़की जातीय हिंसा में कम से कम 98 लोगों की जान जा चुकी है और 310 से अधिक लोग घायल हुए हैं। राज्य में फिलहाल कुल 37,450 लोगों ने 272 राहत शिविरों में शरण ले रखी है। मणिपुर हिंसा पर केंद्रीय मंत्री किरेन रिजिजू ने कहा कि यह एक दुर्भाग्यपूर्ण घटना है, सांप्रदायिक मतभेदों के कारण हिंसा हुई। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह खुद 4 दिनों तक यहां रहे और एसओयू समूहों से यथास्थिति बनाए रखने की अपील की और कई ने आत्मसमर्पण भी किया। रिजिजू ने कहा कि यह एक सतत समस्या है और गृह मंत्री ने स्वयं इसका जमीनी मूल्यांकन किया और उन्होंने पहले शांति स्थापित करने के लिए शांति प्रस्ताव दिया, फिर जो भी मांग होगी, जो आवश्यक कार्रवाई की जाएगी।

पार्क और योबिन समुदाय की भूमि सीमा समस्या के समाधान की अपील

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश चांगलाग जिला के योबिन वेलफेयर सोसाइटी (वाईडब्ल्यूएस) ने राज्य सरकार से नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान (एनएनपी) और योबिन समुदाय की भूमि के बीच सीमा विवाद को हल करने की अपील की। वाईडब्ल्यूएस के अध्यक्ष नगवाजोसा योबिन ने आज यहां अरुणाचल प्रेस क्लब में एक संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए कहा कि योबिन वेलफेयर सोसाइटी द्वारा बार-बार राज्य सरकार को ज्ञापन प्रेषित कर यह बता रहे हैं कि हम योबिन समुदाय की पारंपरिक भूमि और नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान के बीच सीमा विवाद को हल करे। साथ ही वन विभाग और ग्रामीणों के बीच टकराव के बारे में भी सूचित करते रहते है, लेकिन सरकार से कोई प्रतिक्रिया नहीं मिल रही है। उन्होंने कहा कि हाल ही में नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान के बाहर बर्मा नाले के पास योबिन सामुदाय की भूमि पर अवैध रूप से वन शिविर के निर्माण के बाद 5 जून को वन विभाग के अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच टकराव भी हुआ था। नगवाजोसा योबिन ने दावा किया कि वर्ष 1983 में प्राधिकरण ने मनमाने ढंग से नामदाफा राष्ट्रीय उद्यान को 80 मील तक घोषित किया था, लेकिन जनता ने विरोध किया और 80 मील तक के नक्शे की अनुमति नहीं दी। और हमारे योबिन बुजुर्गों ने वन्य जीवन और हरियाली की सराहना करते हुए मिहिफिफी (17वीं से

40 मील) बर्मा नाला और नमदाफा नाले तक अभयारण्य के लिए हमारी पारंपरिक भूमि को स्वीकार किया है। लेकिन स्थानीय जनता या योबिन समुदाय से पूछे बिना प्राधिकरण ने 80 मील तक का नक्शा तैयार किया, जिसका हमने कड़ा विरोध कि, अगर नमदाफा 80 मील तक है तो यह सबसे पुराने गांव गांधीग्राम सहित योबिन समुदाय के 8 गांवों को प्रभावित करेगा और पूरे योबिन जनजाति के लिए कोई जगह नहीं बचेगा, इसलिए मिहिफिकी 17वें से लेकर मिफोटो 80 मील तक नक्शा तैयार करना गलत है। उन्होंने प्राधिकरण से हस्तक्षेप करने और नामदाफा प्राधिकरण द्वारा चलाई जा रही अवैध निष्कासन अभियान को रोकने का अनुरोध किया और नमदाफा प्राधिकरण से बर्मा नाला और नमदाफा नाला से आगे नहीं जाने का अनोरध किया।

बको के भाखुराड़िया-रंगेश्वरी मंडल कांग्रेस की नई समिति गठित

नगरबेड़ा (विभास)। कामरूप जिले के बोको विधानसभा क्षेत्र के अंतर्गत ग्राम पंचायत संख्या 44 भखुराड़िया रंगेश्वरी की मंडल कांग्रेस की आम सभा का आयोजन किया गया। भखुराड़िया हंगापाड़ा उच्च मदरसा परिसर में आयोजित बैठक की अध्यक्षता मंडल कांग्रेस के पूर्व अध्यक्ष आतवार रहमान ने की। बैठक में पूर्ववर्ती भाखुराड़िया रंगेश्वरी मंडल कांग्रेस कमेटी को भंग कर नई समिति का गठन किया गया। समरिया ब्लॉक कांग्रेस के महासचिव अब्दुल मजिद मंडल, कामरूप जिला कांग्रेस समिति के सचिव डॉ. रफीकुल हासान, बैठक में सदस्य नजरूल इस्लाम और रबीउल हुसैन पर्यवेक्षक के रूप में उपस्थित थे। जूरी समिति ने फिर से भखुराड़िया-रंगेश्वरी मंडल कांग्रेस अध्यक्ष आतवार रहमान को अध्यक्ष चुना और 31 सदस्यों

के साथ भखुराड़िया-रंगेश्वरी मंडल कांग्रेस की नई समिति का गठन किया। बैठक में समरिया ब्लॉक महिला कांग्रेस अध्यक्ष दिलुवारा हसीन, वरिष्ठ कांग्रेसी सिराज मौलवी, समीर अली, मुजीबुर रहमान, अंजल मंडल और अब्दुल हमीद चौधरी सहित सैकड़ों कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने भाग लिया।

जुरिया में दो तीर एजेंट सहित तीन गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। जुरिया थाना पुलिस ने बुधवार रात सामधारा और कलनिजलाह में छापा मारकर तीन लोगों को गिरफ्तार किया। इनमें दो तीर एजेंट और एक को तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। पुलिस तीनों से पूछताछ कर रही है। जुरिया थाना प्रभारी मीतू दास ने बताया कि पुलिस दल ने सामधारा से धनेश्वर भुइयां और इशाक अली नामक दो लोगों को गिरफ्तार किया। पुलिस ने इनके पास से नकदी, बाइक और तीर आदि बरामद किए हैं। उन्होंने बताया कि कलनिजलाह में पुलिस ने चार ग्राम ड्रग्स के साथ एक व्यक्ति को ड्रग तस्करी के आरोप में गिरफ्तार किया है। इसकी पहचान सैदुल इस्लाम के रूप में हुई है। उन्होंने बताया कि दोनों मामले में केस दर्ज कर लिया गया है।

प्रचंड गर्मी में लायंस उमंग की मानवीय पहल

विभिन्न स्थानों पर लगाए 11 वाटर कूलर मशीन व 40 पंखे

गुवाहाटी (विभास)। पिछले कुछ दिनों से महानगर में पड़ रही भीषण गर्मी को देखते हुए लायंस क्लब ऑफ गुवाहाटी उमंग की ओर से मानवीय पहल की गई। क्लब की जनसंपर्क अधिकारी आरुषी सोनी ने बताया कि अध्यक्ष सीमा सोनी के नेतृत्व में लायंस उमंग की ओर से महानगर के विभिन्न सार्वजनिक स्थानों पर स्वच्छ एवं शीतलपेय जल उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 11 वाटर कूलर मशीन स्थापित की गई। इनमें कामाख्या मंदिर, शंकरदेव नेत्रालय, हरेकृष्णा मंदिर, गौ?िया मठ, शिव-शीतला-हनुमान मंदिर, कैंसर अस्पताल (जीरोनी चाइल्ड केयर), एएसटीसी बस स्टैंड, बनिकांता स्कूल, बद्रीदास हिंदी स्कूल व तिरूपति बालाजी मंदिर शामिल हैं। इसके अलावा क्लब की ओर 40 पंखे भी प्रदान किए गए ताकि आम लोगों को गर्मी से राहत मिल सके। मानव सेवा के इस कार्य को संपादित करने में नीलम जालान, विकाश-उर्मिला मित्तल, बिमला देवी, विकाश सहरिया, महेश मित्तल, संगीता मित्तल, रूपा शर्मा, सोनाली जैन, अनिता गुप्ता, संतोष मिंडा, ज्योति खेमका व रेखा जालान ने आर्थिक सहयोग दिया। कार्यक्रम संयोजिका ममता खंडेलिया व रेखा जालान

की देखरेख में सभी स्थानों पर पेयजल मशीन व पंखें लगाने का कार्य संपादित किया गया। कार्य को सफल बनाने में लायंस जिलापल (प्रथम) सीमा गोयनका, अध्यक्ष सीमा सोनी, सचिव कंचन पौद्दार, कोषाध्यक्ष कुसुम जैन सहित सभी सदस्याओं का भरपूर सहयोग रहा।

कामरूप जिले में किसान सम्मान निधि अभियान की तैयारी पूरी

रंगिया (विभास)। प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना साल 2018-19 में भारत के कृषि प्रधान देश में किसानों को वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए शुरू की गई थी। वर्तमान में, पूरे भारत में लगभग 11 करोड़ किसान इस योजना से लाभान्वित हुए हैं, लेकिन असम में कई लाभार्थी अभी भी विभिन्न कारणों से वंचित हैं। असम सरकार वंचित किसानों की समस्याओं को दूर करने के लिए समय-समय पर विभिन्न उपाय करती रही है। असम सरकार ने इसबार 14वीं किस्त का धन जारी होने से पहले सभी समस्याओं के समाधान के लिए आगामी 12 से 19 जून तक प्रत्येक जिले में *प्रधानमंत्री कृषक सम्मान निधि परिपूर्णता अभियान* नामक कार्यक्रम आयोजित कर रही है। इस अभियान का मुख्य उद्देश्य वास्तविक लाभार्थियों की पहचान करना और उनकी किश्तें बैंकों में जमा करने में आ रही दिक्कतों को दूर करना है। कार्यक्रम में कृषि विभाग के अलावा, भारतीय डाक बैंक, विभिन्न सार्वजनिक क्षेत्र के बैंक, सामुदायिक सेवा केंद्र, आधार सेवा केंद्र आदि भाग लेंगे। कामरूप का जिला कृषि विभाग भी शुद्धिकरण अभियान के अंतर्गत 12 जून से 22 कृषि अंचलों में विशेष शिविर का आयोजन कर रहा है। शिविर ईकेवाईसी, आधार को बचत बैंक खातों से जोड़ने और निधि से वंचित लाभार्थियों के लिए नए बैंक खाते खोलने की सुविधा प्रदान करेंगे। उल्लेखनीय है कि शिविर के इस पहले चरण में केवल वही लोग ईकेवाईसी कर सकते हैं जिनका अपना आधार साबित हो गया है। शिविर के दूसरे चरण में जहां तक संभव होगा उन लोगों की समस्याओं को दूर करने का प्रयास किया जाएगा जिन्होंने अपना आधार साबित नहीं किया है। इसके अलावा, जो लोग भूमि जमाबंदी का व्योरा पोर्टल पर नहीं हैं, उनसे जमाबंदी एकत्र करके समस्या का समाधान किया जाएगा। लाभार्थियों से अनुरोध किया गया है कि वे अपना आधार कार्ड, बैंक पासबुक और जमाबंदी की प्रति, यदि पहले जमा नहीं किया है, लाए। कामरूप जिले में आगामी 12, 13 व 14 जून को सामुदायिक भवन सोनतली बाजार, 14 व 15 जून, महकमा कृषि विकास अधिकारी कार्यालय बोको, 15 व 16 जून, कमलपुर प्रखंड विकास कार्यालय कमलपुर, 16 व 17 जून को छयगांव प्रखंड विकास कार्यालय, छयगांव, 16 व 17 जून को पदुम कुंवरी गांव पंचायत कार्यालय रंगिया, 13, 14 व 15 जून गांवप्रधान भवन, हाजो, 15 व 16 जून को मिर्जा कृषि विकास अधिकारी कार्यालय मिर्जा, 14, 15 व 16 जून, गरैमारी सामुदायिक भवन, गरैमारी में आयोजित किया जाएगा।

भारत का जर्मनी के साथ छह पनडुब्बियों की खरीद का सौदा फाइनल

- ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के जरिए भारत में ही होगा पनडुब्बियों का निर्माण
- जर्मन रक्षा मंत्री पिस्टोरियस की उपस्थिति में प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर

नई दिल्ली, (हि.स.)। भारत का जर्मनी के साथ प्रोजेक्ट-75 आई के तहत छह पनडुब्बियों की खरीद का सौदा फाइनल हो गया है। इन पनडुब्बियों का निर्माण ट्रांसफर ऑफ टेक्नोलॉजी के जरिए भारत के मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड में किया जाएगा। भारतीय नौसेना 2020 से ही छह पनडुब्बियों के लिए विदेशी पार्टनर की तलाश कर रही थी। चार दिवसीय भारत दौरे पर आये जर्मनी के रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस की उपस्थिति में प्रारंभिक समझौते पर हस्ताक्षर किये गए हैं। भारतीय रक्षा पीएसयू मझगांव डॉक शिपबिल्डर्स लिमिटेड (एमडीएल) और जर्मनी के थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स ने बुधवार को पनडुब्बी परियोजना 75 आई की निविदा में भाग लेने के लिए एक समझौता ज्ञापन पर हस्ताक्षर किए, जिसकी कीमत लगभग 5.2 बिलियन डॉलर है। दोनों कंपनियां अगली पीढ़ी की 6 डीजल इलेक्ट्रिक पनडुब्बियों के अधिग्रहण के लिए संयुक्त रूप से बोली लगाएंगी। एमडीएल के सीएमडी वाइस एडमिरल (सेवानिवृत्त) नारायण प्रसाद और जर्मन रक्षा मंत्री बोरिस पिस्टोरियस की उपस्थिति

में समझौते पर हस्ताक्षर किए गए। अब कंसोर्टियम छह पारंपरिक पनडुब्बियों के लिए भारतीय नौसेना की ओर से मंगवाई गई आरएफपी में बोली लगाएगा, जो यहां 'बाय इंडियन श्रेणी' के तहत निर्मित की जाएंगी। दूसरी बोली लगाने वाली कंपनी एलएंडटी है, जिसने बोली लगाने के लिए एक अन्य विदेशी ओईएम के साथ भी समझौता किया है। एमओयू के अनुसार थाइसेनक्रुप इंजीनियरिंग और डिजाइन की पेशकश करेगा और मुंबई स्थित एमडीएल छह पनडुब्बियों का निर्माण करेगी। जर्मन पनडुब्बियों का निर्माण करना एमडीएल के लिए कोई नई बात नहीं है। इससे पहले भी भारत ने चार पनडुब्बियों के लिए जर्मन एचडीडब्ल्यू से अनुबंध किया था, जिसमें से दो का निर्माण एमडीएल ने ही किया था। थाइसेनक्रुप मरीन सिस्टम्स के सीईओ और थिसेनक्रुप के प्रबंधन बोर्ड के सदस्य ओलिवर बर्कहार्ड ने सौदे पर हस्ताक्षर होने के बाद कहा कि हमें इस पर बहुत गर्व है और भविष्य में भारत की राष्ट्रीय सुरक्षा में योगदान जारी रखने में खुशी होगी। हम भारत के साथ एक भरोसेमंद और दशक भर की साझेदारी की ओर देखते हैं। 1980 के दशक में हमने जो नावें बनाई थीं, वे आज भी सेवा में हैं। जब भारत बुलाएगा तो हम तैयार हैं। इससे एक दिन पहले जर्मन रक्षा मंत्री पिस्टोरियस ने दिल्ली में अपने भारतीय समकक्ष राजनाथ सिंह से मुलाकात के बाद पनडुब्बी टाई-अप को सार्वजनिक किया था। उन्होंने यह भी कहा कि कंसोर्टियम को टेंडरिंग प्रक्रिया में बेहतर रखा जाएगा, जिसे अभी तक अंतिम रूप नहीं दिया गया है।

आर्थिक रूप से मजबूत भारत पर दुनिया करती है विश्वास : जयशंकर

नई दिल्ली, (हि.स.)। विदेश मंत्री डॉ एस जयशंकर ने गुरुवार को कहा कि भारत की अब दुनिया में एक साख है, उसे सुना जाता है और उस पर विश्वास किया जाता है। विदेश मंत्री ने मोदी सरकार के नौ सालों के दौरान विदेश नीति की उपलब्धियों पर एक विशेष पत्रकार वार्ता को संबोधित किया। उन्होंने कहा कि भारत विदेशी दबाव से मुक्त स्वतंत्र विदेश नीति से काम कर रहा है। भारत आर्थिक रूप से मजबूत है और अपने हितों को सुरक्षित कर रहा है। वैश्विक दक्षिण (विकासशील देश) आज भारत को एक विश्वसनीय, प्रभावी विकास भागीदार मानते हैं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत पिछले नौ वर्षों में एक स्वतंत्र शक्ति के रूप में उभरा है और कुछ महत्वपूर्ण भू-राजनीतिक घटनाक्रमों पर स्पष्ट रुख अपनाया है।

राहुल गांधी न करें विदेश जाकर आलोचना - जयशंकर ने इस दौरान राहुल गांधी के विदेशी धरती पर भारतीय लोकतंत्र से जुड़े बयान पर प्रतिक्रिया व्यक्त की। उन्होंने कहा कि उन्हें विदेश जाकर आलोचना नहीं करनी चाहिए। यह भारत के हित में नहीं है। विदेश मंत्री ने कहा कि भारत

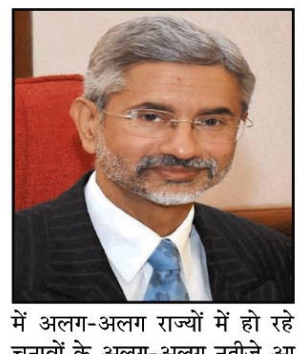

में अलग-अलग राज्यों में हो रहे चुनावों के अलग-अलग नतीजे आ रहे हैं। अलग-अलग पार्टियां विजयी हो रही हैं। भारत में अगल लोकतंत्र न होता तो एक ही पार्टी जीतती। साथ ही उन्होंने इशारों में यह भी कह दिया कि 2024 में भाजपा दोबारा सत्ता में होगी। उन्होंने कहा कि नतीजों के बारे में सबको पता है। राहुल को नसीहत देते हुए जयशंकर ने कहा कि राहुल गांधी विदेश जाकर देश की आलोचना करने के आदी हो गए हैं। भारत में वे कुछ भी करें इससे उन्हें कोई समस्या नहीं है लेकिन इसे विदेश ले जाना भारत के हित में नहीं है। जयशंकर ने यह भी कहा कि इन बयानों के चलते राहुल की विश्वसनीयता नहीं बची है। उल्लेखनीय है कि राहुल गांधी ने हाल ही में कहा था कि उन्हें भारत जोड़ो यात्रा इसलिए आरंभ करनी पड़ी क्योंकि अन्य संवाद के माध्यमों पर भाजपा और आरएसएस ने कब्जा कर रखा है। भाजपा ने यात्रा को रोकने की कोशिश की और जांच एजेंसियों के माध्यम से लोगों को धमकाया गया।

इंदिरा पर झांकी को लेकर विदेश मंत्री ने कहा कि कनाडा-भारत के रिश्तों के हित में नहीं - विदेश मंत्री ने कनाडा में स्वर्गीय प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या से जुड़ी झांकी निकालने पर कड़ी प्रतिक्रिया दी। उन्होंने कहा कि कनाडा द्वारा अलगाववादियों, चरमपंथियों और हिंसा की वकालत करने वाले लोगों को जगह देना के पीछे एक बड़ा अंतर्निहित मुद्दा है। उन्होंने कहा कि यह सब वोट बैंक की राजनीति के चलते हो रहा है। यह दोनों देशों के रिश्तों के हित में नहीं है। इसके अलावा उन्होंने कनाडा के प्रधानमंत्री के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार की टिप्पणी पर कहा कि उल्टा चोर कोतवाल को डांटे। उल्लेखनीय है कि प्रधान मंत्री जस्टिन ट्रूडो के राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार जोडी थॉमस ने कहा था कि भारत कनाडा में विदेशी हस्तक्षेप के शीर्ष स्रोतों में से एक है।

6 माह बाद फिर हिप्र की बस दिल्ली और लेह के बीच शुरू

शिमला, (हि.स.)। देश के सबसे लंबे सड़क मार्ग दिल्ली से लेह (1026 किलोमीटर) के बीच हिमाचल पथ परिवहन निगम (एचआरटीसी) ने अपनी बस आज (गुरुवार) से शुरू कर दी। आठ माह बाद इस रूट पर दोबारा एचआरटीसी की बस नजर आई है। यह बस केलांग डिपो से सुबह करीब साढ़े पांच बजे दिल्ली के लिए रवाना हुई है। दिल्ली से लेह का किराया 1740 रुपये है। अब लेह जाने वाले पर्यटकों को आसानी होगी। इस बार खराब मौसम के चलते बस सेवा देरी से आरंभ हुई है। पिछले साल 15 मई को यह बस सेवा शुरू हुई थी। केलांग

डिपो के क्षेत्रीय प्रबंधक अंचित शर्मा ने चालक-परिचालक और यात्रियों को खदक पहनाकर सम्मानित किया। उन्होंने बताया कि पिछले वर्ष बर्फबारी की वजह से 15 सितंबर से इस रूट पर बस बंद कर दी गई थी। दिल्ली-लेह के बीच तीन चालक और दो परिचालक रहेंगे। लेह से चलने पर पहला चालक बस को केलांग तक पहुंचाएगा। दूसरा चालक केलांग से सुंदरनगर और तीसरा चालक सुंदरनगर से दिल्ली तक का सफर पूरा करेगा। पहला परिचालक लेह से केलांग और दूसरा परिचालक केलांग से दिल्ली तक की जिम्मेदारी संभालेगा। खास बात यह है कि एचआरटीसी की यह बस तीन ऊंचे दर्रों बारालाचा, तंगलंगला व लाचुंगला से होकर गुजरेगी और यात्री खूबसूरत प्राकृतिक नजारों का दीदार कर सकेंगे। इस रूट पर सैलानी दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, हिमाचल प्रदेश व लेह लद्दाख का रुख करते हैं।

इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय को पूर्वी दिल्ली में मिला नया कैंपस

अजय कुमार

नई दिल्ली। दिल्ली के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना और मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने गुरुवार को सूरजमल विहार में गुरु गोबिंद सिंह इंद्रप्रस्थ विश्वविद्यालय (जीजीएसआईपीयू) के पूर्वी दिल्ली कैंपस का उद्घाटन किया। द्वारका के बाद आईपी विश्वविद्यालय का यह दूसरा कैंपस है। इस कैंपस में 2400 छात्र पढ़ सकेंगे। 19 एकड़ के इस कैंपस में 3 अकादमिक ब्लॉक, केंद्रीय पुस्तकालय, 5 मंजिला सभागार और खेल हॉल भी है। उल्लेखनीय है कि 14 दिसंबर 2014 को तत्कालीन मानव संसाधन विकास मंत्री स्मृति ईरानी ने इस परिसर की आधारशिला रखी थी। कैंपस को आईपी

विश्वविद्यालय ने 346 करोड़ रुपये के स्व-वित्तपोषण और दिल्ली सरकार से 41 करोड़ रुपये सहित कुल 387 करोड़ रुपये की लागत से तैयार किया गया है। इस मौके पर दिल्ली की शिक्षा मंत्री आतिशी, दिल्ली विधानसभा के स्पीकर रामनिवास गोयल, पूर्वी दिल्ली से भाजपा सांसद गौतम गंभीर, स्थानीय विधायक ओपी शर्मा और विश्वविद्यालय के वाइस चांसलर महेश वर्मा भी उपस्थित थे।

दिल्ली-एनसीआर में एक अक्टूबर से डीजल से चलने वाले जेनरेटर पर प्रतिबंध

-वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने राज्यों को जारी किया निर्देश

अजय त्यागी

नई दिल्ली। वायु गुणवत्ता प्रबंधन आयोग ने दिल्ली और राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र में एक अक्टूबर से डीजल से चलने वाले जेनरेटर पर पूरी तरह प्रतिबंध लगाने का निर्देश जारी किया है। दिल्ली-एनसीआर में प्रदूषण को देखते हुए आयोग ने गुरुवार को इस संबंध में समीक्षा बैठक में 30 सितंबर तक सभी संस्थानों को डीजी सेट को दोहरी ईंधन प्रणाली (गैस और डीजल) से लैस करने के

निर्देश जारी किए हैं। इसके बाद डीजल से चलने वाले जेनरेटरों पर प्रतिबंध होगा। इस फैसले को सख्ती से लागू कराने के लिए आयोग ने सभी संबंधित राज्यों को निर्देश जारी किए हैं। आयोग ने चिंता जताई कि पर्याप्त उत्सर्जन नियंत्रण उपायों के बिना दिल्ली-एनसीआर में बड़ी संख्या में डीजी सेट चल रहे हैं। यहां तक ये जीआरएपी के तहत प्रतिबंध के बावूजद भी चलते हैं और ये भारी वायु प्रदूषण का कारण बनते हैं और इस प्रकार ये वायु की गुणवत्ता में गिरावट के लिए एक प्रमुख कारक हैं।

दिल्ली सिख विरोधी दंगाः टाइटलर के खिलाफ चार्जशीट पर ग्रीष्मावकाश के बाद विचार करेगा कोर्ट

राकेश शर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के राऊज एवेन्यू कोर्ट 1984 के सिख विरोधी दंगों के मामले में कांग्रेस के पूर्व नेता जगदीश टाइटलर के खिलाफ दाखिल चार्जशीट पर ग्रीष्मावकाश के बाद विचार करेगा। एडिशनल चीफ मेट्रोपोलिटन मजिस्ट्रेट विधि गुप्ता आनंद ने मामले की अगली सुनवाई 30 जून को करने का आदेश दिया। 02 जून को कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई एमपी-एमएलए कोर्ट में ट्रांसफर कर दिया था। इसके पहले कोर्ट ने आर्म्स डीलर अभिषेक वर्मा के बयान दर्ज करने में देरी पर सीबीआई को फटकार लगाई थी। कोर्ट ने कहा था कि इस मामले के 35 साल बीत गए और कई बार जांच में तेजी लाने के आदेश दिए गए। गवाह भी आगे आए लेकिन सीबीआई केवल धारा 161 के तहत बयान दर्ज कर संतुष्ट हो गई। कोर्ट ने सीबीआई से पूछा था कि उन बयानों पर गवाहों के दस्तखत तक नहीं हुए हैं। कोर्ट ने कहा था कि अगर सीबीआई चाहती है तो वो

अभिषेक वर्मा का बयान धारा 164 के तहत दर्ज कर सकती है। धारा 164 के तहत मजिस्ट्रेट बयान दर्ज करता है।

अभिषेक वर्मा ने 2017 में दिल्ली पुलिस को शिकायत दी थी और अपनी सुरक्षा बढ़ाने की मांग की थी। अभिषेक वर्मा को ई-मेल के जरिये जान से मारने की धमकी दी गई थी। अभिषेक वर्मा 01 नवंबर, 1984 में दिल्ली के पुलबंगश में तीन सिखों की हत्या के मामले में गवाह हैं। एक नवंबर, 1984 को जिन सिखों की हत्या हुई थी, उनमें बादल सिंह, ठाकुर सिंह और गुरचरण सिंह हैं। तीनों की हत्या पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या के बाद की गई थी। इस केस को नानावटी कमीशन ने दोबारा खोलने का आदेश दिया था। सीबीआई ने मामले में टाइटलर के खिलाफ आईपीसी की धारा 147, 109 और 302 के तहत आरोप लगाया है। सीबीआई के मुताबिक टाइटलर ने भीड़ को उकसाया था, जिसके बाद भीड़ ने पुलबंगश के गुरुद्वारे में आग लगा दी थी।

तेलंगाना से 1200 किमी साइकिल चलाकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन के लिए काशी पहुंचे तीन श्रद्धालु

वाराणसी, (हि.स.)। तेलंगाना से लगभग 1200 किमी साइकिल चलाकर बाबा विश्वनाथ के दर्शन-पूजन के लिए काशी पहुंचे तीन श्रद्धालुओं का भक्तिभाव देख कर लोग दंग रह गए। बाबा विश्वनाथ के प्रति श्रद्धालुओं का समर्पण भाव देखकर चौक थाने के प्रभारी निरीक्षक शिवाकांत मिश्र ने गुरुवार को थाने में तीनों को अंगवस्त्र, रुद्राक्ष माला एवं काशी का प्रतीक चिह्न देकर सम्मानित किया और उनको नाश्ता भी कराया। साइकिल यात्रा का नेतृत्व करने वाले तेलंगाना निवासी गौजूला संबैया पुत्र राजलिंगम ने बताया कि अपने दो साथियों एन राजी रेड्डी और जगत्याल के साथ काशी का भ्रमण एवं बाबा विश्वनाथ का दर्शन पूजन करने आए हैं। संबैया ने बताया कि मेरी माता गौजुला गंगाम्मा फरवरी में काशी आई थीं, जिनका देहावसान काशी में मणिकर्णिकाघाट पर हो

गया था। कुछ समय बाद मां मेरे स्वप्न में आईं और उन्होंने साइकिल से काशी दर्शन के लिए प्रेरित किया। अपनी माता के प्रेम एवं उनके स्वप्न में दिए गए आदेश का पालन करने के लिए मैंने अपने दो साथियों के साथ लगभग 1200 किलोमीटर की यात्रा 14 दिन में साइकिल से पूर्ण की और हम काशी आए। उन्होंने कहा कि स्वर्गीय माता जी की आत्मा की शांति के लिए काशी के विभिन्न मंदिरों में दर्शन-पूजन किया। उन्होंने बताया कि हम अपने खर्च पर एक गौशाला भी चलाते हैं।

आप सांसद राघव चड्ढा का सरकारी आवास आवंटन रद्द करने पर अगली सुनवाई तक रोक

आशीष वर्मा

नई दिल्ली। दिल्ली के पटियाला हाउस कोर्ट ने आम आदमी पार्टी के राज्यसभा सदस्य राघव चड्ढा को राहत दी है। कोर्ट ने राघव चड्ढा के सरकारी आवास के आवंटन को रद्द करने के राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी के आदेश पर अगली सुनवाई तक रोक लगा दी है। कोर्ट ने अपने आदेश में कहा है कि इस मामले में राघव चड्ढा का आधार मजबूत दिखाई दे रहा है। ऐसे में उन्हें कानून की उचित प्रक्रिया के बिना बेदखल नहीं किया जाएगा। राघव चड्ढा ने अर्जी में कहा है उनका आवंटन रद्द करने वाली राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी का पत्र मनमाना है। राज्यसभा सचिवालय ने चड्ढा की याचिका का विरोध करते हुए कहा है कोर्ट को राज्यसभा सचिवालय को सुने बिना

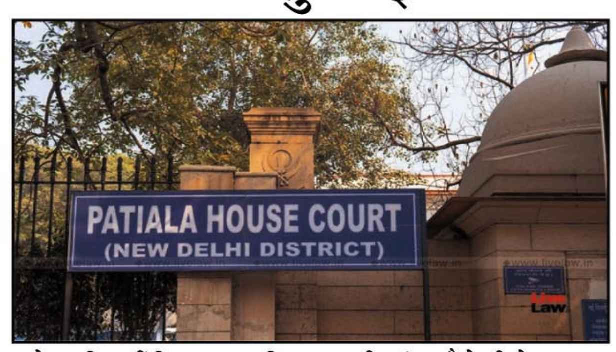

आदेश पारित नहीं किया जाना चाहिए था। दरअसल, राज्यसभा सचिवालय की ओर से राघव चड्ढा को सबसे पहले नई दिल्ली में टाइप-VII बंगला आवंटित किया गया था, जो आमतौर पर पूर्व केंद्रीय मंत्री, राज्यपाल या मुख्यमंत्री को दिया जाता है। इसके बाद राज्यसभा सचिवालय की हाउस कमेटी ने उनको दूसरा नया बंगला उनकी सांसद कैटेगरी के अनुसार टाइप-VI आवंटित किया।

इसमें वह अपने परिवार के साथ रह रहे थे। अब उनके सरकारी आवास का आवंटन टाइप-V का पात्र होने के चलते एक बार फिर से रद्द कर दिया गया। इसके खिलाफ राघव चड्ढा ने पटियाला हाउस कोर्ट में याचिका दाखिल की है।

अपनी मिट्टी की सौंधी-सौंधी सुगंध की

भारत के उत्तर प्रदेश का महानगर मुरादाबाद विश्व भर में अपनी पीतल की बारीक दस्तकारी के बेहतरीन शिल्प के लिए पहले से ही दुनिया भर में जाना जाता है, जिसका विश्व भर में आज भी कोई जोड़ नहीं है। कवयित्री वैशाली रस्तौगी शिल्प के इसी चमत्कारिक नगर में जन्मीं हैं, उन्होंने सृजन में शिल्प का उकेरा जाना खूब देखा है। भारत में 'वैशाली' नाम लड़कियों का होता है, जो भारत के बिहार प्रदेश से निकल कर अपनी विशिष्टताओं के लिए विश्व भर में जाना पहचाना जाता है क्योंकि वह बिहार के एक ऐसे नगर का नाम है, जो जैन और बौद्ध दर्शन की ऐतिहासिक नगरी है। जिसके दर्शन मात्र में उसका वैभव बोलता है। वैशाली शब्द में एक ऐसी विशिष्टता छिपी होती है, जो समय आते ही उजागर होकर उसे महान बनाती है। भारत की वैशाली नामधार्या विदेश में कहीं भी पहुँची हो उसने भारत की महानता को सबसे आगे रखकर उसे शीर्ष पर पहुँचाने का कार्य कर दिखाया है। मुरादाबाद में जन्मीं जिस वैशाली की बात मैं कर रहा हूँ,उसका विवाह ऐतिहासिक नगरी सम्भल में हुआ, जो एक पौराणिक नगरी है और मुरादाबाद से मात्र 36 किमी की दूरी पर स्थित है। वैशाली वहीं की होकर ही रह जाती यदि उसके पतिश्री अश्विनी रस्तौगी के सपनों ने लम्बी उड़ान में बाजी न मारी होती। अपने विवाह के बाद से वह 18 वर्ष थाईलैंड के बैंकाक शहर में रहकर अब 11 वर्षों से इंडोनेशिया के जकार्ता नगर की प्रवासी हैं। विदेश में रहते हुए भी उनमें अपना देश ही सोता और जागता आया है, इसे उनकी कविताएँ स्वयं बोलती हैं। ये कविताएँ हर ओर के हर छोर से भारतीय दर्शन के सुदर्शन की झाँकियाँ प्रस्तुत करती हैं। यूँ तो मैं वैशाली के परिवार से उनके भाई डिम्पल रस्तौगी के कारण बहुत पहले से जुड़ा हूँ,पर वैशाली को एक कवयित्री के रूप में त्यागी अशोक कृष्णम के माध्यम से ही जान पाया हूँ, जो वैशाली के साहित्यिक गुरु हैं और मेरे भी परम प्रिय। कविता किसी से भी यूँ ही नहीं होती, वह उसके भीतर निरंतर पनप रही होती है और जब पक जाती है तब हो जाती है। वैशाली में यह प्रक्रिया निरंतर चली है,तब ही जाकर प्रस्फुटित हुई है। जो मेरे इस कथ्य पर एकदम खरी उतरती है- "संसार भर की फसलों की भाँति कविता भी एक फसल ही है। समस्त फसलें पहले बोई जाती हैं, तब उपज कर पकती हैं। एकमात्र कविता ही ऐसी फसल है जो पहले भीतर ही भीतर पकती है और फिर उपजती है। तभी तो ये कविताएँ वैशाली के भीतर-भीतर पक तो पहले से ही रही थीं किन्तु सन 2021 से उपजकर लहलहाई हैं और हिन्दी जगत के सामने आने को आतुर हुई हैं। आज उनकी तीन कृतियों "करती खुद को मैं नमन", "शुभ प्रभात" और "मेरे चारों धाम का" का लोकार्पण सम्भल की "परिवर्तन ट्रस्ट" के बैनर तले मुरादाबाद स्थित इस 'व्हाइट हाउस' में हुआ है। यह भी एक संयोग ही है कि त्यागी अशोक कृष्णम इस ट्रस्ट के संस्थापक अध्यक्ष हैं और वैशाली उपाध्यक्ष। वैशाली आज जो यह सब अपनी आँखों से देख रही हैं वह सब उनको अपनी मिट्टी से प्यार का पारितोषिक है। उनकी इन कविताओं में मैं अपनी मिट्टी की सौंधी गंध को महकते हुए देख रहा हूँ। लोकार्पित कृतियों में उनकी पहली कृति- "करती खुद को मैं नमन"- में मुक्तछंद की ऐसी कविताएँ हैं,जिन्हें पढ़ते हुए लगता है कि विदेश में रहते हुए भी भारत की नारी भारतीयता के भावों से उसकी पारिवारिकता की व्यापकता को जी रही है। यह कृति भारत के समाज और उसके आंतरिक ताने-बाने का उड़नखटोला है। 'उड़ते भी रहो और जुड़े भी रहो' जैसे राष्ट्रीय संदेश को पाठक तक पहुँचाती हैं। जब वह कहती हैं "देखते ही देखते कितनी दूर निकल आए खिंचते-खिंचते हमारे रिश्ते तो रिश्तों के अनेक चित्र उभर कर सामने आ जाते हैं। इन दो पँक्तियों में ही डूब कर देख लीजिए। विशेष रूप से दो शब्द-युग्मों "देखते ही देखते" और "खिंचते-खिंचते" में इस जीवन की ऊहापोह का बहुत कुछ पसरा हुआ मिल जाता है, जिससे पाठक सहज ही जुड़ता चला जाता है। ये संवेदना में डूब जाने का ऐसा उद्धरण हैं, जो संवेदनाओं में डूबने का आह्वान करता है। संवेदनाओं का आत्मसात ही हमें मानवीयता की परिधि में बिठाकर मानव कल्याण के मूल्यों से जोड़े रखने की राह दिखाता है। इसी कृति की पिता पर कविता में उनके केन्द्र में भले ही उनके पिता हों, किन्तु इस कविता की ये पंक्तियाँ इस जीवन की एकमात्र सच्चाई को पाठक के सामने रखकर उसे झकझोर देती हैं "गतिमान, स्थिरता में परिवर्तित हो जाता है यही है जीवन

का सत्य।" यह जीवन ही अपने आप में धुकर-पुकर को जीते रहने का पराक्रम है। जीवन की इसी धुकर-पुकर से पनपीं वैशाली की कविताओं में सालना भी है और पालना भी। इसीलिए ये मानविकी के अंतिम छोर तक को पखारती, दुलारती और पुचकारती हैं। इस कृति की कविताओं में रिश्तों के आघात का क्रन्दन भी है और उनकी पुण्यता का वन्दन भी। रिश्तों की बुनियाद से जुड़ा हुआ मन उनकी महत्ता को दर्शाता है। राष्ट्र के प्रति प्रवाहित अगाध प्रेम कवयित्री के प्रगाढ़ राष्ट्र भाव का द्योतक है, जो राष्ट्र भावना का सच्चा प्रहरी जैसा लगता है। मानवता से जुड़े रहने वाले मन में सामाजिक विसंगतियों के प्रति संवेदनाओं से उपजा स्वर अपने वैभव को गाता मिलता है। कथ्य मजबूत है और शब्दानुशासन एकदम खरा। यही है मुक्तछंद कविता की वसुंधरा। यानिकि धरती या फिर जमीन। वैशाली की लोकार्पित दूसरी कृति है, 'शुभ प्रभात'। यह उनसे हुए 'हाइकुओं' का संग्रह है। जिसके बारे में वह स्वयं कहती हैं" कि किसी भी लक्ष्य को प्राप्त करने में दो चीजों का होना अति आवश्यक है-एक तो स्नेह युक्त प्रोत्साहन और दूसरा उचित मार्गदर्शन।" वैशाली के अनुसार हाइकु

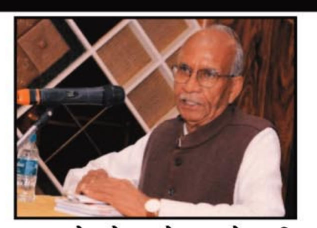

सृजन के प्रेरणास्त्रोत उनके पति अश्विनी ही रहे हैं। जिन्होंने इस साहित्यिक कृत्य के लिए वैशाली को रोज तिकतिकाया है और मित्रवत उनकी बेटी मोहिनी ने 'शुभ प्रभात' के हाइकुओं की प्रथम श्रोता बनकर उन्हें सराह-सराह कर लगातार उत्साहित करके वैशाली को आगे बढ़ते रहने के लिए प्रोत्साहित किया है। वैशाली की आध्यात्मिक गुरु पिम्मी ग्रोवर और मोना मेहतानी ने वैशाली के व्यक्तित्व को गढ़कर कृतित्व के इस अस्तित्व तक पहुँचाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई है और साथ ही त्यागी अशोक कृष्णम के मार्गदर्शन के लाभ से वह यह सब कर पाने में सफल हो पाई हैं। वैशाली की इस सच्ची स्वीकार्यता में उनके संस्कार ही बोल रहे हैं। 'हाइकु' जापानी कविता का संक्षिप्त से भी संक्षिप्त काव्य रूप है। यह काव्य रूप जापान से भारत महाकवि रवीन्द्रनाथ टैगोर और अज्ञेय की जापान यात्रा की वापसी के साथ भारत आया। सर्व प्रथम रविन्द्र नाथ टैगोर कुछ "जापानी हाइकुओं" को अपने अनुवाद के माध्यम से हिन्दी साहित्य जगत के सामने लाए। तत्पश्चात अन्य बहुत से कवि इस काव्य रूप लेखन की ओर आगे बढ़े और यह काव्य धारा भारत की मिट्टी में पनपने लगी जो आज अपना विस्तार पाने में लगी है। वैसे तो इस काव्य के मूल रूप में बौद्ध धर्म, चीनी दर्शन और प्राच्य संस्कृति की जीवन पद्धति के दर्शन होते हैं पर यह जापान से निकल कर अन्य संस्कृतियों की भाषाओं में भी रच-बस गई है। छंद विधान से यह तीन पँक्तियों में पाँच, सात और पाँच वर्ण का छंद है। इसके मूल रूप में तुक का आग्रह नहीं है। काव्य के इस रूप में एक बिंब उभरता है जो अपने में बड़ी कहन को समेटे होता है और अंत में कहने को बहुत कुछ छोड़कर पूर्ण हो जाता है। डॉ.नामवर सिंह ने इस काव्य रूप को एक संस्कृति और उसकी जीवन पद्धति माना है और जो उन्हें एक लघु गीत जैसा लगा है। अन्य बहुत से देशों की भाँति जापानी काव्य विधा के इस रूप को हिन्दी काव्य ने भी स्वीकारा और इस छंद में पर्याप्त लिखा भी गया है तथा इस पर सार्थक कार्य भी हुए हैं और हो भी रहे हैं, यहाँ तक कि इस काव्य रूप पर भारत में हुए शोध कार्यों ने हाइकु रचना के महत्व को समझने और समझाने का भरसक यत्न किया है। फिर भी, कोई भी काव्यरूप जहाँ की भावभूमि में जन्म लेकर विकसित होता है, वह वहीं की संस्कृति और संस्कारों को जीता है। उसमें वहीं का जीवन दर्शन घुला मिला होता है। उसमें वहीं की सामाजिक परंपराओं का ताना-बाना और वहीं की स्वीकार्य मान्यताओं की झाँकी देखने को मिलती है। जैसे कि हिन्दी गीत की भावभूमि वाली रचना अन्य किसी भी विदेशी भाषा के साहित्य में आज तक उपलब्ध नहीं नहीं हो पाई, वैसे ही अन्य विदेशी भाषाओं के बहुत से काव्यरूप हमारी भाषाओं में भी कम ही पाए जाते हैं। विदेशी भाषाओं के काव्यरूपों को अपनी-अपनी भाषा में उतारने के प्रयास निरंतर होते आए हैं और होते रहेंगे भी, किन्तु उनमें स्व मिट्टी की गंध ला पाना सहज नहीं होता। हाइकु भारत की संस्कृति और यहाँ की जीवन पद्धति में अपनी जड़ पकड़ गया है। पर्याप्त मात्रा में हाइकु पढ़कर ही मेरी यह धारणा बनी है फिर भी किसी की बुनाई को अपनी बुनाई में बुनने में थोड़ा बहुत अंतर तो रह ही जाता है। लेकिन मैं वैशाली के हाइकुओं को पढ़कर आश्चर्य चकित हूँ। उन्हें पढ़कर लगता ही नहीं कि हम किसी अन्य भाषा से हिन्दी में आई कविता को पढ़ रहे हैं। उनका प्रत्येक हाइकु भारतीय मिट्टी की सौंधी-सौंधी सुगंध से ऐसा महक रहा है जिससे पाठक और उसका आसपास स्वयं महक उठता है। वैशाली अपने हाइकुओं के बारे में बड़े साहस के साथ स्वयं लिखती हैं- " मैं नहीं कहती कि मेरे से पूर्व के सभी श्रेष्ठ हाइकु कारों के जैसी परिपक्व सोच और समझ मेरे भीतर है लेकिन इतना मैं दावे के साथ कह सकती हूँ कि मैंने हाइकु के मर्म को अपने पूर्ण अस्तित्व के साथ जिया है।" यह कथन अपने पर विश्वास की पराकाष्ठा है। जो व्यक्ति किसी के मर्म को जी लेता है, वह उसके पूरे धर्म को जी लेता है। कविता के लिए इस मर्म को जीना परम आवश्यक है। उनका पहला हाइकु ही, जो सामने आता वह वैशाली के इसी भाव को सामने लाता है "बेमन बात ना रख सारी रात शुभ प्रभात।" इसे बार-बार पढ़ने को मन करता है और हर बार इसका एक नया अर्थ निकलकर सामने आता है। जो भी पाठक इसे पढ़ेंगे वह निश्चित ही मेरी बात से सहमत होंगे। इसके नए-नए अर्थ उन सबके भी सामने आकर स्वतः खड़े हो जाएंगे। वैशाली के हाइकु गणेश स्तुति, सरस्वती वंदना, हनुमान स्तुति आदि से प्रारंभ होकर प्रेम, भक्ति, भारतीय सामाजिक ताने-बाने को जीकर सार्वभौमिकता को जीते हुए प्रवासी होने के दुख दर्द को कहकर अपने आप में विविध विषयों को समेट लेने का वह कार्य कर दिखाते हैं, जो कविता की उत्कृष्टता को दशार्ता है। उनमें मानवता के सरोकार हैं, प्रकृति से गहरा प्रेम है, पर्यावरण की चिंता है, बेटी की महत्ता है और सावन, बादल, गगरी और सपनों का सर्वलोक है। भारतीय प्रेम की पावनता की पराकाष्ठा उनके इस हाइकु में बहुत पास से लेकर बहुत दूर तक देखी जा सकती है "बात बात में आया हाथ हाथ में जिए साथ में।" नारी और पुरुष के बीच की यह जीवन जीने की प्रतिबद्धता भारतीय संस्कारों की पुण्यता के दर्शन को सामने रखकर धन्य होकर धन्य करती सी प्रतीत होती है। जैसा कि मैंने पहले कहा है कि डॉ. नामवर सिंह ने हाइकु में लघु गीत के दर्शन किए हैं, वैशाली ने हाइकु की उस लघुता को गुरुता प्रदान कर देने का ऐतिहासिक कार्य भी कर दिखाया है। उनके 'हाइकु गीत' के इन दो हाइकु छंदों से मेरी बात निश्चित ही स्पष्ट हो जाएगी 'कोरा कागज श्वेत रंग की स्याही' मैं लिख आई।

नरेन्द्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे : केशव प्रसाद मौर्य

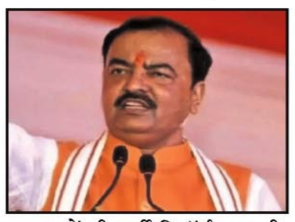

प्रयागराज, (हि.स.)। नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में पूरे विश्व में भाजपा का डंका बज रहा है। 2019 में कई पार्टियों ने मोदी के खिलाफ एकजुट होकर प्रचार किया था, लेकिन वह मोदी लहर में तिनके की तरह उड़ गए। यह सारी विपक्षी पार्टियां फिर एकजुट होने लगी हैं। जनता के दम पर पार्टी लोकसभा चुनाव में फिर बेहतरीन प्रदर्शन करेगी और नरेंद्र मोदी तीसरी बार प्रधानमंत्री पद की शपथ लेंगे। यह बातें वृहस्पतिवार को प्रयागराज पहुंचे उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने परेड ग्राउण्ड में आयोजित शिलान्यास एवं लोकार्पण कार्यक्रम में सम्बोधित करते हुए कही। उन्होंने कहा कि 2024 के लोकसभा चुनाव में भाजपा बम्पर जीत दर्ज करेगी। प्रदेश की 80 में से 80 सीटों पर प्रत्याशियों की विजय होगी। जिस तरह 2019 के चुनाव में भाजपा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में बम्पर जीत दर्ज की थी। उसी तरह 2024 में भी पार्टी रिकॉर्ड बनाएगी। उन्होंने कहा कि प्रदेश की सरकारी योजनाओं का लाभ सभी को बिना भेदभाव के दिया जा रहा है। यही कारण है कि विपक्षी पार्टियों को देश की तरक्की अच्छी नहीं लग रही है। उन्होंने कहा कि 2019 में संगमनगरी में लगा कुंभ सिर्फ एक झांकी था। पिक्चर 2025 के महाकुंभ में दिखेगी। उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य ने परेड मैदान में ग्राम विकास से सम्बंधित 342 निर्माण कार्यों का लोकार्पण एवं शिलान्यास किया। इन पर लगभग 50 करोड़ रुपये खर्च होंगे, जिनमें सड़क, आवास समेत अनेक निर्माण कार्य शामिल हैं। ग्राम्य विकास से सम्बंधित सभी योजनाओं पर आधारित ह्यग्राम्याह्न पुस्तक छपवाई गई है। उन्होंने इसका भी लोकार्पण किया। इसके अतिरिक्त 14 हजार लाभार्थियों के आवास तैयार हो गए हैं। इन्हें आवास की चाबी सौंपी गई। श्री मौर्य ने प्रतीकात्मक रूप से 50 लाभार्थियों को मंच पर चाबी सौंपी। इसके अलावा बीसी सखी समेत अन्य स्वयं सहायता समूहों से जुड़ीं 33 महिलाओं को भी सम्मानित किया। साथ ही समूहों के खाते में अलग-अलग योजना के अंतर्गत पैसा ट्रांसफर किया। इस मौके पर अच्छा काम करने वाले ग्राम प्रधान एवं सचिव को भी सम्मानित किया गया। कार्यक्रम में लगभग 14 हजार लाभार्थी तथा अन्य लोग शामिल हुए। इसके पूर्व एयरपोर्ट पहुंचने पर उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य का महापौर गणेश केसरवानी के नेतृत्व में बड़ी संख्या में कार्यकताओं ने फूल मालाओं के साथ स्वागत किया।

शिक्षा से वंचित रह गए लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय से काफी आशाएं : आनंदीबेन पटेल

– राज्यपाल ने कानपुर में मुविवि के क्षेत्रीय केंद्र का किया लोकार्पण

कानपुर, (हि.स.)। कुलाधिपति एवं राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने गुरुवार को जूही इलाके में स्थित भूखंड संख्या 4 ब्लॉक डब्ल्यू योजना-2 बीएम मार्केट में बने उत्तर प्रदेश राजर्षि टंडन मुक्त विश्वविद्यालय, प्रयागराज के क्षेत्रीय केंद्र के नवनिर्मित भवन का लोकार्पण किया। इस अवसर पर राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने कहा कि विश्वविद्यालयों को अपने शिक्षा पाठ्यक्रमों में नवीन परिवर्तनों के साथ लोक कल्याणकारी कार्यक्रमों को प्रारंभ करना चाहिए। शिक्षा से वंचित रह गए लोगों को मुक्त विश्वविद्यालय से काफी आशाएं हैं। युवाओं को ज्ञान के साथ नवीन तकनीक, प्रशिक्षण और कौशल विकास की आवश्यकता है। उन्होंने क्षेत्रीय केंद्र कानपुर के भवन का उद्घाटन करते हुए कहा कि कानपुर नगर औद्योगिक राजधानी है। यहां बहुत से औद्योगिक क्षेत्र एवं औद्योगिक घराने हैं। विश्वविद्यालय इनके साथ मिलकर युवाओं को प्रशिक्षण प्रदान करे। जिससे उन्हें कौशल युक्त रोजगार प्राप्त हो सके। उन्होंने कहा कि समय की मांग के अनुसार कौशल विकास, इनक्यूबेशन सेंटर और स्टार्ट अप आदि क्षेत्र में युवाओं को प्रशिक्षण की आवश्यकता है। राज्यपाल ने कहा कि हमारी नई पीढ़ी को तकनीकी ज्ञान में दक्षता हासिल होनी चाहिए। मुक्त विश्वविद्यालय को उन्नत खेती पर आधारित कार्यक्रमों के बारे में किसानों को बताना चाहिए कि वे ऐसी खेती करें जिससे मिट्टी उर्वरा शक्ति से सशक्त हो। उन्होंने महिलाओं को पोषण युक्त आहार दिए जाने पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि वर्ष 2023 को भारत में श्री अन्न वर्ष के रूप में मनाया जा रहा है। राज्यपाल श्रीमती पटेल ने कहा कि मुक्त विश्वविद्यालय को तकनीकी विश्वविद्यालयों के साथ भी एमओयू करना चाहिए, जिससे तकनीकी शिक्षा में दक्ष युवाओं को भी पढ़ाई का अवसर प्रदान हो सके। इस अवसर पर उत्तर प्रदेश सरकार के उच्च शिक्षा मंत्री योगेंद्र उपाध्याय ने कहा कि वर्तमान में उत्तर प्रदेश में शिक्षा के क्षेत्र में सकारात्मक बदलाव आ रहे हैं। उन्होंने कहा कि दूरस्थ शिक्षा की उपयोगिता बढ़ रही है और शिक्षा जगत की विसंगतियां दूर हो रही हैं। उच्च शिक्षा राज्य मंत्री रजनी तिवारी ने कहा कि दूरस्थ शिक्षा की वर्तमान में बहुत आवश्यकता है। नई शिक्षा नीति के अनुरूप कौशल विकास से संबंधित पाठ्यक्रमों को चलाए जाने की आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि अनुसंधान विकास और प्रोजेक्ट कार्य में गुणवत्ता को सुनिश्चित करने के लिए मुक्त विश्वविद्यालय बेहतर कार्य कर सकता है। प्रारंभ में कुलपति प्रोफेसर सीमा सिंह ने अतिथियों का स्वागत एवं सम्मान किया। संचालन शोध एवं विकास प्रकोष्ठ के निदेशक प्रोफेसर पी. के. पांडेय एवं धन्यवाद ज्ञापन कुलसचिव कर्नल विनय कुमार ने किया।

बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए रिपब्लिकन पार्टी में आएं दलित : रामदास अठावले

लखनऊ, (हि.स.)। रिपब्लिकन पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष और केंद्रीय मंत्री रामदास अठावले ने कहा कि बाबा साहेब के विचारों को आगे बढ़ाने के लिए उप्र के दलितों को रिपब्लिकन पार्टी में आना चाहिए। बसपा का जनाधार खिसकता जा रहा है। बड़े-बड़े नेता हमारे संपर्क में हैं और जल्द ही वे रिपब्लिकन पार्टी में शामिल होंगे। भाजपा सबका साथ, सबका विकास का नारा लेकर चलती है। हम उप्र में भाजपा को जिताने का काम करेंगे। केंद्रीय मंत्री अठावले गुरुवार को लखनऊ में वीवीआईपी गेस्ट हाउस में पत्रकारों से वार्ता कर रहे थे। उन्होंने कहा कि बसपा का आरोप रहता है कि हम भाजपा का साथ दे रहे हैं, लेकिन उसे यह नहीं भूलना चाहिए कि उत्तर प्रदेश में मायावती को मुख्यमंत्री बनाने का श्रेय भाजपा को ही है। उन्होंने दलित समाज से आह्वान किया कि यदि बाबा साहेब के सपनों को पूरा करना है तो रिपब्लिक पार्टी में आइए और यदि पूरा नहीं करना है तो उधर (बसपा में) जाइए। इस दौरान बसपा और समाजसेवी संस्था के लगभग पांच सौ कार्यकर्ता और नेता रिपब्लिकन पार्टी में शामिल हो गए। इस मौके पर रामदास अठावले ने कहा कि लोकसभा चुनाव से पूर्व पार्टी उप्र में पांच से छह सभाएं करेगी। इसमें सबसे पहले 5 अगस्त को मेरठ में सभा होगी, जिसमें 25 से 30 हजार तक कार्यकताओं के शामिल होने की संभावना है। इसके बाद सबसे बाद में लखनऊ के रमाबाई पार्क में एक सभा होगी। उन्होंने कहा कि हम उप्र में भाजपा के लोकसभा उम्मीदवारों को जिताने का काम करेंगे। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी खुद ओबीसी समाज से हैं। इसके अलावा राष्ट्रपति भी अनुसूचित जनजाति से हैं। भाजपा ने पिछड़े, दलित और अनुसूचित जनजाति को आगे बढ़ाने का काम किया है। यहां कोई भी काम सबके विकास को ध्यान में रखकर किया जाता है। भारत सरकार की चल रही योजनाओं से सभी सभी धर्मों, सभी जाति के लोग लाभांवित हो रहे हैं। पहले विद्यार्थियों को स्कारशिप दिया जाता था, उसमें केन्द्र सरकार का मात्र 10 प्रतिशत हिस्सा रहता था। हमने केंद्र सरकार का हिस्सा 60 प्रतिशत कर दिया है। उनके साथ रिपब्लिकन पार्टी के प्रदेश अध्यक्ष पवन गुप्ता भी मौजूद थे।

एमएसपी में वृद्धि से किसानों के जीवन में होगा व्यापक परिवर्तन : मुख्यमंत्री योगी

–खरीफ फसलों की एमएसपी में वृद्धि पर मुख्यमंत्री ने जताया प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का आभार

लखनऊ, (हि.स.)। खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए एमएसपी में वृद्धि को केंद्रीय कैबिनेट की ओर से मंजूरी मिलने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने इसे सराहनीय फैसला बताया है। उन्होंने गुरुवार को प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के प्रति आभार व्यक्त करते हुए कहा है कि इससे अन्नदाता किसानों को आर्थिक संबल मिलेगा। यह निर्णय किसानों के जीवन में व्यापक परिवर्तन का कारक बनेगा। मुख्यमंत्री योगी ने इस फैसले को किसानों के कल्याण को समर्पित बताया है। उल्लेखनीय है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में केंद्रीय कैबिनेट ने कृषकों को उनकी उपज का लाभकारी मूल्य दिलाने और फसल विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के लिए खरीफ विपणन वर्ष 2023-24 के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य में वृद्धि को स्वीकृति प्रदान की है।

उत्तर प्रदेश में 26 जून तक बढ़ा परिषदीय विद्यालयों का ग्रीष्मकालीन अवकाश

लखनऊ, (हि.स.)। उत्तर प्रदेश में तेज गर्मी और लू की स्थिति को देखते हुए योगी सरकार ने सभी परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश को 15 जून से बढ़ाकर 26 जून कर दिया है। हालांकि, 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस के अवसर पर विद्यालयों को खोला जाएगा और योगाभ्यास के साथ ही छात्रों को मिष्ठान एवं फल का वितरण किया जाएगा। दरअसल, हाल ही में एक उच्चस्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने भी तेज धूप और लू की आशंका के कारण बच्चों के स्वास्थ्य को ध्यान में रखते हुए परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश बढ़ाने के निर्देश दिए थे। मुख्यमंत्री की इसी मंशा के अनुरूप उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद की ओर से सभी जिला बेसिक शिक्षा अधिकारियों (बीएसए) को इस संबंध में आदेश जारी कर दिया गया है। आदेश के अनुसार अब सभी परिषदीय स्कूल 27 जून को खुलेंगे। परिषद के अधीन संचालित मान्यता प्राप्त विद्यालयों में ग्रीष्मकालीन अवकाश के सम्बन्ध में विद्यालय प्रबन्ध समिति निर्णय लेने के लिए अधिकृत होगी। उल्लेखनीय है कि परिषदीय विद्यालयों में दिसंबर 2022 में जारी आदेश के अनुसार परिषदीय विद्यालयों में ग्रीष्म अवकाश 27 दिन और शीतकालीन अवकाश (15 दिन) घोषित किया गया था। इस प्रकार ग्रीष्मकालीन और शीतकालीन अवकाश कुल 42 दिवस का अनुमन्य किया गया था। सचिव उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद प्रताप सिंह बघेल की ओर से जारी आदेश में कहा गया है कि शिक्षा निदेशक (बेसिक) से प्राप्त अनुमोदन के क्रम में उत्तर प्रदेश बेसिक शिक्षा परिषद के नियंत्रणाधीन संचालित परिषदीय विद्यालयों व मान्यता प्राप्त बेसिक विद्यालयों में 20 मई से 15 जून तक की ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि को 26 जून तक बढ़ाया जाता है। इसके अनुसार ग्रीष्मकालीन अवकाश की अवधि 20 मई से 26 जून तक होगी। निर्देश दिया गया है कि 27 जून को विद्यालय खोले जाने के पूर्व विद्यालय में पर्याप्त साफ-सफाई, शौचालय की सफाई, बच्चों के लिए शुद्ध पेयजल एवं बैठने की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित की जाए। महानिदेशक स्कूल शिक्षा विजय किरण आनंद ने बताया कि प्रदेश में आगामी कुछ दिनों में तेज धूप और लू की आशंका व्यक्त की गई है। अत्यधिक गर्मी का छोटे बच्चों पर विपरीत असर पड़ सकता है। इसी को ध्यान में रखते हुए ग्रीष्मकालीन अवकाश को 26 जून तक के लिए बढ़ाया गया है। सभी विद्यालय 27 जून से नियमित खुलेंगे और पठन पाठन का कार्य होगा। तब तक परिषदीय विद्यालयों के बच्चे ग्रीष्मकालीन अवकाश में दिए गए गृह कार्य को करना जारी रखेंगे तथा विभिन्न डिजिटल साधनों (दीक्षा ऐप) के माध्यम से अध्ययन करते रहेंगे। उल्लेखनीय है कि मौसम विभाग ने आगामी दिनों में पूरे प्रदेश में भीषण गर्मी और लू की चेतावनी जारी की है। प्रदेश के कई जिलों के लिए येलो अलर्ट भी जारी किया गया है। आदेश में 21 जून को अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर आयोजित कार्यक्रमों के लिए स्कूल खोले जाने का भी निर्देश दिया गया है। इसके अनुसार 21 जून को 9वें अंतरराष्ट्रीय योग दिवस पर समस्त बेसिक शिक्षा परिषद के अधीन संचालित विद्यालयों को एक दिन पूर्व खुलवाकर समुचित सफाई व्यवस्था करवाकर अंतरराष्ट्रीय योग दिवस में योगाभ्यास कार्यक्रम का आयोजन किया जाए। साथ ही छात्रों के मध्य मिष्ठान एवं फल का वितरण किया जाए और उन्हें शुद्ध पेयजल उपलब्ध कराया जाए।

ग्रामीणों के लिए हमेशा खुला है राजभवन का दरवाजा : राज्यपाल

लातेहार, (हि.स.)। झारखंड के राज्यपाल सीपी राधाकृष्णन गुरुवार को लातेहार सदर प्रखंड के उदयपुरा और मतनाग गांव में ग्रामीणों के साथ संवाद किया। उन्होंने कहा कि वह खुद तमिलनाडु के एक छोटे से गांव के रहने वाले हैं। इसलिए गांव की परिस्थितियों से वह भलीभांति परिचित हैं। राज्यपाल ने कहा कि जब उन्होंने झारखंड में राज्यपाल के पद पर शपथ ग्रहण किया था तो उसी समय उन्होंने यह सोच लिया था कि अब ग्रामीणों को राजभवन आने की जरूरत नहीं पड़ेगी, बल्कि राजभवन खुद ग्रामीणों के पास जाएगा। उन्होंने कहा कि ग्रामीणों के लिए राजभवन का दरवाजा भी हमेशा खुला है। ग्रामीण अपनी किसी भी समस्या को लेकर बेझिझक राजभवन आकर उनसे मिल सकते हैं। राज्यपाल ने कहा कि यह भारत की एकता का मिसाल है कि तमिलनाडु के एक गांव का रहने वाला व्यक्ति आज झारखंड के गांव में पहुंचकर लोगों से मिल रहा है। राज्यपाल ने कहा कि गांव में आकर ग्रामीणों से संवाद करने का उनका मुख्य मकसद यह है कि ग्रामीणों की समस्याओं को नजदीक से जान सके और यह समझ सके कि ग्रामीणों की खुशहाली के लिए और क्या किया जा सकता है? उन्होंने कहा कि देश का विकास तभी संभव है जब गांव का विकास होगा। हमारे देश की आत्मा गांवों में बसती है। कार्यक्रम के दौरान राज्यपाल ने धनबाद में हुए बिजली के पोल हादसे में मृत संजय भुइयां और दिनेश भुइयां के परिजनों को मुआवजे की राशि भी प्रदान की। साथ ही समाज के लिए बेहतर कार्य करने वाले लोगों को सम्मानित भी किया। सरकारी स्कूलों में पढ़ने के बावजूद बेहतर रिजल्ट लाने वाले छात्र-छात्राओं को सम्मानित किया। साथ ही लाभुकों के बीच परिसंपत्तियों का भी वितरण किया। इससे पूर्व लातेहार आगमन पर राज्यपाल को गार्ड ऑफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर पलामू आईजी राजकुमार लकड़ा, लातेहार डीसी भोर सिंह यादव, लातेहार एसपी अंजनी अंजन, डीएफओ रोशन कुमार आदि अधिकारी उपस्थित रहे।

ईडी ने कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को कोर्ट में किया पेश, भेजे गए जेल

रांची, (हि. स.)। रांची के बरियातू स्थित सेना के जमीन घोटाले मामले में गिरफ्तार आरोपित कोलकाता के कारोबारी अमित अग्रवाल और दिलीप घोष को कड़ी सुरक्षा के बीच गुरुवार को ईडी के विशेष न्यायाधीश दिनेश राय की कोर्ट में पेश किया गया। ईडी ने कोर्ट से रिमांड के लिए पांच दिनों की इजाजत मांगी थी लेकिन अदालत ने दोनों को बिरसा मुंडा केंद्रीय कारागार (जेल) भेज दिया। रिमांड पर शुक्रवार को सुनवाई होगी। उल्लेखनीय है कि इन दोनों की गिरफ्तारी बुधवार को देर रात कोलकाता से हुई थी। रांची के बड़गाईं अंचल के बरियातु स्थित सेना के कब्जे वाली जमीन की खरीद बिक्री की जांच ईडी कर रही है। इस मामले में अब तक ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन सहित आठ लोगों को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है। सेना के कब्जे वाली जमीन के दस्तावेज में फजीर्वाड़ा कर बेचने वाले कथित रैयत प्रदीप बागची ने जिस जगतबंधु टी इस्टेट को सेना के कब्जे वाली जमीन की रजिस्ट्री की थी उस कंपनी में अमित अग्रवाल भी दिलीप घोष के सहयोगी हैं। दिलीप घोष को ईडी ने पहले समन किया था लेकिन वे नहीं पहुंचे थे। जमीन घोटाले में पूर्व में गिरफ्तार कर जेल भेजे गये जमीन कारोबारी अफसर खान ने ईडी के सामने निलंबित आईएएस छवि रंजन की पोल खोली थी। उसने ईडी को बताया था कि उसके सामने प्रदीप बागची के पक्ष में कागजात तैयार करने के लिए छवि रंजन ने अमित अग्रवाल और प्रेम प्रकाश की उपस्थिति में तत्कालीन बड़गाईं अंचलाधिकारी मनोज कुमार को आदेश दिया था। ईडी रांची के पूर्व डीसी छवि रंजन, बड़ागाईं अंचल के राजस्व उप निरीक्षक भानु प्रताप प्रसाद, कथित रैयत प्रदीप बागची, जमीन कारोबारी अफसर अली, इम्तियाज खान, तल्हा खान, फैयाज खान और मोहम्मद सद्दाम को गिरफ्तार कर चुकी है।

सरायकेला में डीएसई के निर्देश का शिक्षक संघ ने किया विरोध, ज्ञापन सौंपा

सरायकेला, (हि.स.)। अखिल झारखंड प्राथमिक शिक्षक संघ ने जिला शिक्षा अधीक्षक के पत्रांक संख्या 600 के माध्यम से किचन स्टोर की मरम्मत एवं सुदृढ़ीकरण संबंधी दिए गए आदेश पर आपत्ति जताते हुए पुनर्विचार की मांग को लेकर जिला शिक्षा अधीक्षक सरायकेला को एक मांग पत्र सौंपा है। मांग पत्र के माध्यम से बताया गया है कि इस विभागीय योजना के क्रियान्वयन के लिए किसी को ठेकेदार के रूप में चिन्हित नहीं किया गया है तथा योजना में संवेदक को दी जाने वाली वित्तीय लाभ का प्रावधान भी नहीं है। ऐसी स्थिति में प्रभारी शिक्षक आर्थिक जोखिम क्यों लेंगे? अपने पारिवारिक खर्च, बच्चों की उच्च शिक्षा तथा गृह निर्माण बैंक लोन आदि के भुगतान के पश्चात महीने के अंत में शिक्षकों के बैंक खाते में ना के बराबर राशि शेष बचती है। ऐसी स्थिति में शिक्षक योजना के क्रियान्वयन के लिए पैसा कहां से लगाएंगे। साथ ही वर्तमान व्यवस्था में योजना क्रियान्वयन के पश्चात राशि की विमुक्ति के दौरान भ्रष्टाचार की प्रबल संभावना बनी रहेगी। प्रभारियों को अपनी जमा पूंजी की वापसी के लिए विद्यालय का शिक्षण कार्य को छोड़कर प्रखंड शिक्षा प्रसार पदाधिकारी, कनीय अभियंता तथा जिला शिक्षा अधीक्षक के कार्यालयों का चक्कर काटना मजबूरी हो जाएगा। शिक्षक संघ ने उक्त कार्य के निष्पादन में संभावित परेशानियों को देखते हुए प्रासंगिक पत्र पर आपत्ति जताते हुए पुनर्विचार की मांग किया है। संघ ने चेतावनी दी है कि सकारात्मक पुनर्विचार ना होने की स्थिति में शिक्षक लोकतांत्रिक तरीके से आंदोलन के लिए मजबूर होंगे। ज्ञापन सौंपने वाले प्रतिनिधिमंडल में संघ के प्रदेश उपाध्यक्ष दीपक दत्ता, जिलाध्यक्ष मानिक प्रसाद सिंह, महासचिव सुदामा मांझी, उपाध्यक्ष मनोज सिंह, देवेंद्र नाथ साहू, संगठन सचिव बलराज हांसदा, सोमेन दास आदि शामिल थे।

मोदी सरकार के कार्यों को हर घर तक पहुंचाएं कार्यकर्ता : संगठन महामंत्री

बेगूसराय, (हि.स.)। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) बिहार के संगठन महामंत्री भिखूभाई दलसानिया ने गुरुवार को बेगूसराय में मोदी सरकार के नौ साल पूरा होने के उपलक्ष्य में चलाए जा रहे 30 दिवसीय महा जनसंपर्क अभियान की समीक्षा की। उन्होंने सर्किट हाउस में सभी कार्यक्रम के प्रभारी से अलग-अलग बात कर कई आवश्यक सुझाव दिए। संगठन महामंत्री ने कहा कि भाजपा संगठन में कार्यकर्ता ही सर्वोपरि हैं। इन्हीं के द्वारा किए गए कार्यों के बदौलत आज देश में नरेन्द्र मोदी की सरकार है। मोदी सरकार के सफलता पूर्वक नौ वर्ष पूरा होने के अवसर पर चलने वाले महा जनसंपर्क अभियान में सभी अपनी जिम्मेदारी एवं दिए गए दायित्वों का शत प्रतिशत निर्वहन करें। पार्टी द्वारा चलने वाले जनसंपर्क अभियान में डोर-टू-डोर जाकर देश में मोदी सरकार के द्वारा किए जा रहे कार्यों को लोगों तक पहुंचाएं। इससे पहले जिलाध्यक्ष राजीव कुमार वर्मा ने 30 दिनों तक चलने वाले अलग-अलग कार्यक्रमों की रूपरेखा तथा सभी कार्यक्रम एवं कार्यक्रम प्रभारी के कार्यों की समीक्षा कर तैयार रिपोर्ट संगठन महामंत्री को सौंपा। जिलाध्यक्ष सभी लोगों से अनुरोध किया कि 30 जून तक चलने वाले महाजनसंपर्क अभियान में सभी कार्यक्रम प्रभारी कार्यक्रम का सफलतापूर्वक निर्वहन करें। बैठक में राज्यसभा सदस्य प्रो. राकेश सिन्हा, विधायक कुंदन कुमार एवं सुरेन्द्र मेहता, पूर्व विधान पार्षद रजनीश कुमार, सांसद प्रतिनिधि अमरेन्द्र कुमार अमर, लोकसभा संयोजक कृष्ण मोहन पप्पू सहित कोर कमेटी के अन्य सदस्य शामिल हुए।

पर्यावरण संरक्षण संवर्धन को केन्द्र और राज्य सरकार कृतसंकल्पित : डॉ. शशिनाथ

मधुबनी, (हि.स.)। जिला के झंझारपुर प्रखंड के लोहना संस्कृत विद्यापीठ पर गुरुवार को पर्यावरण विषयक सेमिनार आयोजित हुआ। कासिद संस्कृत विश्वविद्यालय के कुलपति डा शशिनाथ झा बतौर मुख्य अतिथि उपस्थित रहे ।महारानी माहेश्वरी लता संस्कृत विद्यापीठ लोहाना में पर्यावरण विषय पर गुरुवार को संगोष्ठी आयोजित की गई। कार्यक्रम मे वैषयिक सम्भाषण' वर्तमान समय में पर्यावरण संरक्षण का महत्व ' निर्देशित बताया। संगोष्ठी की अध्यक्षता प्रधानाचार्य डॉ घनश्याम मिश्रा ने किया। अवसर पर मुख्य अतिथि कुलपति प्रो शशिनाथ झा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण- संवर्धन को राज्य व केन्द्र सरकार कृतसंकल्पित है। पर्यावरण के सुरक्षार्थ केन्द्र सरकार द्वारा वर्तमान में कई महत्वाकांक्षी योजनाएं चल रही है। कुलपति डा झा ने कहा कि पर्यावरण संरक्षण की चर्चित उद्घोषणा सांस्कृतिक पौराणिक आख्यान में है। भगवान कृष्ण कहते हैं कि वृक्षों में मै पीपल हूं। पर्यावरण सुरक्षित रखने में पीपल ,वटवृक्ष का महत्वपूर्ण स्थान है। विशिष्ट अतिथि डॉ बासुकी नाथ झा ने कहा कि वर्तमान परिप्रेक्ष्य में गांव- गांव में पौधारोपण का कार्य सराहनीय कदम है। सारस्वत अतिथि प्रो इन्द्रनाथ झा ने पर्यावरण संरक्षण पर विस्तृत व्याख्यान प्रस्तुत किया। अतिथियों का स्वागत व विषय प्रवर्तन प्रधानाचार्य डॉ घनश्याम मिश्र ने किया। सीनेट सदस्य डा संजीव कुमार झा ने कहा कि राष्ट्र सेवा व समाज सेवा प्रत्येक मानव का कर्तव्य होना चाहिए। संस्कृत वांग्मय में प्रत्येक शास्त्र प्रकृति की शिक्षा देती है। पृथ्वी जलवायु आकाश तेज इन सभी से मनुष्य का अस्तित्व बनता है। यह सब प्रकृति में है। प्रकृति की रक्षा करना हमारा परम कर्तव्य है। हमारे यहां संस्कृत वाङ्मय में एक दिन नहीं पूरे वर्ष भर प्रकृति पर्यावरण के संरक्षण की शिक्षा की बात कही गई है। वर्ष भर हम लोग पर्यावरण संरक्षण का कार्य करते हैं। पर्यावरण संरक्षण के एक अचूक उपाय यज्ञ है। यज्ञ से पर्यावरण संतुलित होता है। जल की शुद्धि पंचगव्य चुना आदि से होता है। भू शुद्धि जल आदि से होता है । वायु शुद्धि यज्ञादि से होता है। जल संरक्षण भू संरक्षण वनस्पति संरक्षण इन सब के लिए तत्पर रहना चाहिए।

किसानों की आय दोगुनी करने की स्पष्टदर्शी पहल है एमएसपी में वृद्धि : गिरिराज सिंह

बेगूसराय, (हि.स.)। केंद्रीय मंत्रिमंडल द्वारा खरीफ फसलों के न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) में एक बार फिर की गई वृद्धि किसानों के आर्थिक उन्नति का आधार बनेगा। बेगूसराय के सांसद और केंद्रीय ग्रामीण विकास एवं पंचायती राज मंत्री गिरिराज सिंह के साथ-साथ किसानों ने भी केंद्र सरकार के इस पहल का जोरदार स्वागत किया है। गिरिराज सिंह ने कहा है कि किसानों की प्रगति को समर्पित मोदी सरकार द्वारा दस साल में फसलों के समर्थन मूल्य में की गई दूसरी बड़ी बढ़ोतरी है। किसानों की आय को दोगुनी करने की दिशा में सतत क्रियाशील देश के यशस्वी प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में किसानों के विभिन्न पैदावारों के न्यूनतम समर्थन मूल्य में बढ़ोतरी एक स्पष्टदर्शी पहल है। उन्होंने कहा कि लागत मूल्य के अनुपात में उपज को मिल रही अधिकता, निश्चित तौर पर किसानों की आर्थिक संपन्नता का केंद्र होगा। हाल के वर्षों में सरकार लगातार इन फसलों के लिए उच्च न्यूनतम समर्थन मूल्य की पेशकश करके दलहनों, तिलहनों और अन्य पोषक धान्य, श्री अन्न जैसे अनाजों के अलावा कई फसलों की खेती को बढ़ावा दे रही है।

गिरिराज सिंह ने कहा कि 2014 के मुकाबले अधिकतर कृषि उत्पादों का एमएसपी दोगुना हो गया है। मक्का का मूल्य 1310 से 2090 प्रति क्विंटल कर दिया गया। सामान्य धान का 1360 से 2183, ए ग्रेड धान का 14 सौ से 2203, अरहर का 4350 से सात हजार, मूंग का 46 सौ से 8558, उड़द का 4350 से 6950, सूरजमुखी का 3750 से 6760 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। इसी प्रकार बड़े पैमाने पर उपजाए जा रहे पीला सोयाबीन का 2650 से 46 सौ, तिल 46 सौ से 8685, काला तिल का 36 सौ से 7734, रागी का 1550 से 3846, ज्वार 1530 से 3180, बाजरा का 1250 से 25 सौ, कपास मध्यम का 3750 से 6620 तथा मूंगफली का चार हजार से 6760 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया गया है। मोदी सरकार ने किसानों को उनकी उपज के लिए लाभकारी मूल्य सुनिश्चित करने और फसलों में विविधीकरण को प्रोत्साहित करने के उद्देश्य से 2023-24 के लिए खरीफ फसलों के एमएसपी में वृद्धि की है।

संपादकीय

'जीवंत लोकतंत्र' का इंजन

भारत और अमरीका के बीच लड़ाकू विमान के इंजन का सह-उत्पादन करने की सहमति हुई है। ऐसे इंजन न केवल भारत में बनाए जा सकेंगे, बल्कि अमरीका 100 फीसदी प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण भी करेगा। दोनों देश प्रधानमंत्री मोदी के अमरीका-प्रवास के दौरान औपचारिक करार पर दस्तखत करेंगे। दुनिया में सिर्फ चार देश-अमरीका, ब्रिटेन, फ्रांस और रूस-ही अपने लड़ाकू विमानों के लिए इंजन का उत्पादन करने में सक्षम हैं। चीन ने रूस की ही तकनीक को पलट कर इंजन बनाने की कोशिश की है। भारत-अमरीका करार और इंजन जीई-एफ 414 का उत्पादन शुरू होने के बाद हम भी इस जमात में शामिल हो जाएंगे। यकीनन इससे भारत की वायुसेना और उसकी सामरिक शक्ति मजबूत होगी। सिर्फ इसी उदाहरण से समझा जा सकता है कि भारत और अमरीका कितने रणनीतिक साझेदार हैं और सैन्य स्तर पर भी आपसी सहयोग से शक्ति का विस्तार किया जा सकता है। इस करार से यह भी समझ लेना चाहिए कि अमरीका ने भारत के प्रधानमंत्री को आमंत्रण क्यों दिया है? और राजकीय रात्रि-भोज का आयोजन भी क्यों किया जा रहा है? बेशक अमरीकी जमीन से ऐसे आरोप भी लगते रहे हैं कि भारत में अल्पसंख्यक, खासकर मुसलमान, खतरे या संकट में हैं। उनके मानवाधिकार पर प्रहार किए जाते रहे हैं। इसी आशय का सवाल 'व्हाइट हाउस' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एक मुस्लिम महिला पत्रकार ने, पूछा था, तो अमरीकी प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में समन्वयक जॉन किर्बी ने बेहद सटीक जवाब दिया-'भारत में जीवंत लोकतंत्र है। आप दिल्ली जाइए और खुद ही देख-महसूस कर लीजिए।' उन्होंने स्पष्ट टिप्पणी की कि भारत अमरीका का सबसे भरोसेमंद, रणनीतिक साझेदार है। वह 'क्वाड' में भी अमरीका का साथी है। यह संगठन हिन्द-प्रशांत महासागर क्षेत्र की रणनीति और सक्रियता पर निगाह रखता है, ताकि चीन की दादागीरी पर अंकुश रखा जा सके। लड़ाकू विमान के इंजन-उत्पादन का करार भी इसीलिए हो रहा है, क्योंकि भारत एक जीवंत लोकतंत्र है। 'तेजस' भारत का स्वदेशी हल्का लड़ाकू विमान है, लेकिन उसका स्वदेशी इंजन तकनीकी जरूरतों पर उतना सफल नहीं रहा है, जितनी अपेक्षा की जाती रही है। 'तेजस मार्क-1' लड़ाकू विमानों में अमरीकी इंजन ही इस्तेमाल किया जा रहा है, लेकिन भारत फिलहाल इसे खरीद रहा है। प्रौद्योगिकी का हस्तांतरण अभी नहीं हो पा रहा है। करार और उत्पादन शुरू होने के बाद 'तेजस' के लिए ये इंजन सस्ते पड़ेंगे और तुरंत उपलब्ध होंगे। भारत के लोकतंत्र पर स्पष्टीकरण देने की हम जरूरत नहीं समझते, क्योंकि भारत सबसे प्राचीन और लोकतांत्रिक सभ्यता और संस्कृति वाला राष्ट्र है। भारत 'लोकतंत्र की मां' है, यह शेष विश्व भी मानता है, लिहाजा जापान, ऑस्ट्रेलिया, फ्रांस, जर्मनी, ब्रिटेन सरीखे बड़े देशों के लिए भी भारत सबसे महत्त्वपूर्ण 'रणनीतिक मित्र' है। अमरीकी इंजन और प्रौद्योगिकी का करार भारत को सैन्य और औद्योगिक स्तर पर भी आत्मनिर्भर बना सकता है। बदलते भू-राजनीतिक परिदृश्य में भारत पिछड़ा देश नहीं रह सकता। कमोबेश चीन जैसे पड़ोसी देश की हरकतों और मंसूबों के मद्देनजर भारत की सेना को आधुनिकतम किया जाना जरूरी है। उसके लिए ऐसे इंजन का उत्पादन सहायक साबित हो सकता है। दरअसल भारत के लोकतंत्र को जो कोसते हैं और खत्म मानते हैं, कमोबेश वे लोकतंत्र के जरिए ही सियासत और सत्ता में मौजूद हैं। लोकतंत्र किसी प्रधानमंत्री या पार्टी तक ही सीमित नहीं है। यदि अमरीका आज हमसे करार कर रहा है या हमें 'रणनीतिक दोस्त' बनाए रखना चाहता है, तो यह भारत राष्ट्र की ताकत है। भारत दुनिया का सबसे विशाल लोकतांत्रिक बाजार है। विश्व के देश चीन की तुलना में भारत को पसंद कर रहे हैं, तो साफ मायने हैं कि भारत में हर स्तर पर लोकतंत्र है।

> भारत-अमरीका करार और इंजन जीई-एफ 414 का उत्पादन शुरू होने के बाद हम भी इस जमात में शामिल हो जाएंगे। यकीनन इससे भारत की वायुसेना और उसकी सामरिक शक्ति मजबूत होगी। सिर्फ इसी उदाहरण से समझा जा सकता है कि भारत और अमरीका कितने रणनीतिक साझेदार हैं और सैन्य स्तर पर भी आपसी सहयोग से शक्ति का विस्तार किया जा सकता है। इस करार से यह भी समझ लेना चाहिए कि अमरीका ने भारत के प्रधानमंत्री को आमंत्रण क्यों दिया है? और राजकीय रात्रि-भोज का आयोजन भी क्यों किया जा रहा है? बेशक अमरीकी जमीन से ऐसे आरोप भी लगते रहे हैं कि भारत में अल्पसंख्यक, खासकर मुसलमान, खतरे या संकट में हैं। उनके मानवाधिकार पर प्रहार किए जाते रहे हैं। इसी आशय का सवाल 'व्हाइट हाउस' की प्रेस कॉन्फ्रेंस में, एक मुस्लिम महिला पत्रकार ने, पूछा था, तो अमरीकी प्रवक्ता एवं राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद में समन्वयक जॉन किर्बी ने बेहद सटीक जवाब दिया- 'भारत में जीवंत लोकतंत्र है।'

कुछ अलग

वित्तीय सूली पर भविष्य

'सूखे पहाड़ से इक नदी चाहिए, तेरे इम्तिहान की यही सजा है।' मंगलवार को हिमाचल मंत्रिमंडल यही सब करता हुआ दिखा। आर्थिक मुसीबतों की जमीन पर हल जोतने की यह पारी कितनी लंबी होगी, कोई नहीं जानता, लेकिन राजनीतिक घटनाक्रम बता रहा है कि प्रदेश सरकार की हर इंच पर केंद्र के पहरे लगे हैं। सियासत का ऐसा रूखापन कि पर्वतीय प्रदेश को आर्थिक विषमताओं की सजा देते हुए सारे वित्तीय समाधान निचोड़ दिए गए। कुछ महीनों में हजार करोड़ के ओवरड्राफ्ट की फांस से बाहर निकलने का तोड़ ढूंढ रही सरकार के दामन में अतीत के कांटे और भविष्य की प्राथमिकताएं झूल रही हैं, तो बहस उन चिरागों से होगी जिन्हें बुझाने की कोशिश सत्ता परिवर्तन के साथ शुरू हुई है। केंद्र की आंखों में ऐसा क्या अटक गया कि जो हिमाचल चंद महीने पहले तक इन्हीं खामियों के वजूद में भी पलते हुए ईनाम पा रहा था और अब संकट के दिन बढ़ाए जाने लगे। यह हाथों में लगा खून है या पांव के छलनी होने का सबूत कि केंद्रीय नीतियों में देखते ही देखते एक प्रदेश इसलिए कसूरवार हो गया, क्योंकि यहां भाजपा के स्थान पर कांग्रेस को सत्ता मिल गई। पिछले कुछ फैसले मसलन कर्ज सीमा को 5500 करोड़ तक घटाना, वैश्विक मदद के वित्तीय पोषण को भी मात्र तीन हजार करोड़ की सीमा में बांधना और वाटर सैस जैसे अधिकार पर कुंडली मार कर बैठ जाना, तो सियासी तेजाब फैलाने जैसा ही माना जाएगा। इस लिहाज से सुक्खू सरकार के लिए राज्य की कंगाली से जनता की खुशहाली का पैगाम इतना भी सरल नहीं कि प्राथमिकताएं हमेशा उसका ही गुणगान करें। हालांकि उम्मीदों भरे कदम उठाने में वर्तमान सरकार का कोई सानी नहीं, लेकिन दो जमा दो को चार करने के लिए ईमानदारी के सिद्धांत तो चाहिए। माना कि आगामी लोकसभा चुनाव की तैयारी में केंद्र में भाजपा सरकार अपनी सत्ता के नुक्तों को धार दे रही, लेकिन क्या चार लोकसभा सीटों के लिए हिमाचल की जनता को वित्तीय सूली पर टांग दिया जाएगा या मुख्यमंत्री सुखविंदर सुक्खू के फैसलों को रोकने के लिए अंबर से जहर बरसाया जाएगा। यह ओपीएस की गांठ है जो केंद्र को घायल शेर बना रही है या रिवाज न बदलने की सजा हिमाचल को मिल रही है। जो भी हो, हिमाचल सरकार को अपनी आर्थिक किश्तियों में एक ओर अपने वादों की फेहरिस्त ढोनी पड़ेगी, तो दूसरी ओर केंद्र की विपरीत धाराओं में इसे आगे बढ़ाने के विकल्प तराशने होंगे। कत्र्तव्य के इम्तिहान में सियासत की लंगडियों का सुक्खू सरकार कैसे मुकाबला करती है, यह वक्त के कठोरतम धरातल पर तय होगा। फिलवक्त सरकार खुद को करीने से सजाने के लिए हर मंत्रिमंडलीय बैठक में यह संदेश देने में मशरूफ दिखाई देती है कि अड़चनों के बावजूद कुछ फैसले नागरिक समाज को आकर्षित करते रहेंगे। पंचायती राज में बढ़ता मानदेय सरकार के पैगाम को हराभरा बनाता है, तो नीतिगत फैसलों से व्यवस्था परिवर्तन का झंडा बुलंद करता है। भर्तियों की पैमाइश में ब्लॉक रिसोर्स सेंटर कोआर्डिनेटर के 274 पदों पर जेबीटी व टीजीटी के पूल को तवज्जो दी जाएगी, तो कई अन्य विभागों में रिक्त पदों को भरा जाएगा। पर्यटन की दृष्टि से तीन हाईवे कम पर्यटक पुलिस थाने तथा बार खुले रखने की समय सीमा रात्रि एक बजे तक बढ़ाकर सरकार इस उद्योग के मायने बदलना चाहती है। जाहिर है जब सरकार अपने इरादों की खिड़कियां खोल रही है, तभी उसके खजाने का बैलेंस नेगेटिव होने की सूचना दे रही है।

फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का ही होता है

फूड स्टोरेज से मजबूत होगी हमारी खाद्य सुरक्षा

सुनील कुमार महला

> एफसीआई भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग मंत्रालय के अधीन एक नोडल एजेंसी है। एफसीआई का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु अनाजों के स्टॉक की संग्रहण आवश्यकताओं को पूरा करना है। एफसीआई न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से खाद्यान्नों की खरीद करता है, बशर्ते वे अनाज, केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करते हों।

अनाज उत्पादन के मामले में भारत विश्व का एक आत्मनिर्भर देश है और आपको जानकर हैरानी होगी कि भारत के किसान अपनी जरूरत से कहीं अधिक अनाज पैदा करते हैं। आर्थिक समीक्षा 2022-23 के अनुसार वर्ष 2021-22 में भारत में कुल अनाज उत्पादन रिकॉर्ड 315.7 मिलियन टन हुआ। इसके अलावा जानकारी देना चाहूंगा कि प्रथम अग्रिम अनुमान 2022-23 (केवल खरीद) के अनुसार देश में कुल अनाज उत्पादन का अनुमान 149.9 मिलियन टन है जो पिछले पांच वर्षों (2016-17 से 2020-21) के औसत खरीद अनाज उत्पादन से बहुत अधिक है। दालों का उत्पादन भी पिछले पांच वर्षों के औसत 23.8 मिलियन टन से बहुत अधिक रहा है। एफएओ के अनुसार भारत दुनिया का दूसरा सबसे बड़ा खाद्य उत्पादक देश है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारत दूध और दालों का दुनिया का सबसे बड़ा उत्पादक है जबकि चावल, गेहूं, गन्ना, मूंगफली, सब्जियां, फल और मछली उत्पादन के मामले में नंबर दो पर है। यहां यह भी जानकारी देना चाहूंगा कि भारत में खाद्यान्नों की खरीद, संग्रहण, स्थानांतरण, सार्वजनिक वितरण तथा बफर स्टॉक के रख-रखाव की ज़िम्मेदारी भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) की है। एफसीआई भारत सरकार के उपभोक्ता मामले, खाद्य और सार्वजनिक वितरण विभाग मंत्रालय के अधीन एक नोडल एजेंसी है। एफसीआई का उद्देश्य सार्वजनिक वितरण प्रणाली तथा अन्य कल्याणकारी योजनाओं के कार्यान्वयन हेतु अनाजों के स्टॉक की संग्रहण आवश्यकताओं को पूरा करना है। एफसीआई न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) पर किसानों से खाद्यान्नों की खरीद करता है, बशर्ते वे अनाज, केंद्र सरकार द्वारा निर्धारित गुणवत्ता मानदंडों को पूरा करते हों। हमारे देश में एफसीआई के गोदाम अनाज को सुरक्षित रखते हैं, लेकिन आज हमारे देश में अनाज भंडारण की समस्या बहुत बड़ी समस्या है, वास्तव में फसलों की कटाई के बाद सबसे जरूरी काम अनाज भंडारण का ही होता है। हमारे यहां अनाज भंडारण व्यवस्थाओं हेतु इंफ्रास्ट्रक्चर की बेहद कमी है। वास्तव में, अनाज के सुरक्षित भंडारण के लिए वैज्ञानिक विधियां अपनाने की जरूरत होती है, जिससे अनाज को लंबे समय तक चूहे, कीटों, नमी, फफूंद आदि से बचाया जा सके। हर वर्ष भंडारण व्यवस्थाएं ठीक नहीं होने के कारण हमारे देश का बहुत सा अनाज बर्बाद हो जाता है। अनाज के मामले में आत्मनिर्भर होने के बावजूद भी यदि देश की बहुत बड़ी आबादी को पर्याप्त भोजन नहीं मिल पाता है तो इस बात पर चिंतन की आवश्यकता हो जाती है कि

आखिर इसके पीछे कारण क्या हैं? कारण दो ही हैं। एक सार्वजनिक वितरण प्रणाली और दूसरा अनाज का भंडारण। जानकारी देना चाहूंगा कि हमारे देश में सार्वजनिक वितरण प्रणाली यानी कि पीडीएस के जरिए गरीबों तक अनाज पहुंचता है। आज देखने में आता है कि सार्वजनिक वितरण प्रणाली में भ्रष्टाचार व्याप्त है, जिससे गरीबों को अनाज नहीं मिल पाता है, दूसरा है भंडारण व्यवस्थाएं ठीक नहीं होने से अनाज बर्बाद होता है और गरीबों को नहीं मिलता। यह विडंबना ही है कि आज तक हम अपनी अनाज भंडारण क्षमता को इतना दुरुस्त नहीं कर पाए हैं कि देश में अनाज की बर्बादी को रोका जा सके। यहां मसला सिर्फ अनाज के भंडारण का ही नहीं है। अनाज के अलावा भी जल्दी खराब होने वाले दूसरे खाद्य उत्पादों जैसे कि फल और सब्जियां इत्यादि के सुरक्षित भंडारण की उससे भी ज्यादा जरूरत पड़ती है। हमारे पास कोल्ड स्टोरेज की कमी है। कहीं पर गोदाम हैं तो उन पर छत नहीं है। अनाज को खुले में रखना पड़ता है। आज बहुत से अनाज को खुले आसमान के नीचे चबूतरों पर बोरों के कट्टे लगाकर और उन्हें तिरपाल या पॉलीथिन से ढक कर रखने की हमारी मजबूरी है। सच तो यह है कि हमारी खाद्य भंडारण व्यवस्था निर्धारित मानकों से बहुत निचले स्तर की है। यहां जानकारी देना चाहूंगा कि, ब्रिटेन की आबादी का पेट भरने के लिए जितने अनाज की जरूरत पड़ती है, उतना अनाज तो हमारे देश में बर्बाद चला जाता है। बहरहाल, बताना चाहूंगा कि वर्ष 2022-23 यानी कि वर्तमान कृषि वर्ष में 3235.54 लाख टन खाद्यान्न उत्पादन का अनुमान है, जो कि पिछले वर्ष 2021-22 की तुलना में 79.38 लाख टन अधिक है। जानकारी देना चाहूंगा कि देश में गेहूं का उत्पादन (रिकॉर्ड) 1121.82 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 44.40 लाख टन अधिक है। वर्ष 2022-23 के दौरान चावल का कुल उत्पादन (रिकॉर्ड) 1308.37 लाख टन अनुमानित है। यह पिछले वर्ष की तुलना में 13.65 लाख टन अधिक है। वर्ष 2022-23 के दौरान देश में मक्का का उत्पादन रिकॉर्ड 346.13 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के 337.30 लाख टन उत्पादन की तुलना में 8.83 लाख टन अधिक है। श्रीअन्न (पोषक-अनाज) का उत्पादन 527.26 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 16.25 लाख टन अधिक है। मूंग का उत्पादन 35.45 लाख टन के नए रिकार्ड पर अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 3.80 लाख टन अधिक है। वर्ष 2022-23 के दौरान कुल दलहन उत्पादन 278.10 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष के 273.02 लाख टन उत्पादन की तुलना में 5.08 लाख टन एवं विगत पांच वर्षों के औसत दलहन उत्पादन की तुलना में 31.54 लाख टन अधिक है। सोयाबीन तथा रेपसीड एवं सरसो का उत्पादन क्रमशः 139.75 लाख टन एवं 128.18 लाख टन अनुमानित है जो पिछले वर्ष 2021-22 के उत्पादन की तुलना में क्रमशः 9.89 लाख टन और 8.55 लाख टन अधिक है। वर्ष 2022-23 के दौरान देश में कुल तिलहन उत्पादन रिकॉर्ड 400.01 लाख टन अनुमानित है, जो पिछले वर्ष के तिलहन उत्पादन की तुलना में 20.38 लाख टन अधिक है। वर्ष 2022-23 के दौरान देश में गन्ने का उत्पादन रिकॉर्ड 4687.89 लाख टन अनुमानित है। 2022-23 के दौरान गन्ने का उत्पादन पिछले वर्ष के उत्पादन की तुलना में 293.65 लाख टन अधिक है। कपास का उत्पादन 337.23 लाख गांठें (प्रति गांठ 170 किग्रा) तथा पटसन एवं मेस्ता का उत्पादन 100.49 लाख गांठें (प्रति गांठ 180 किग्रा) अनुमानित है। बहरहाल, भारत अनाज उत्पादन के मामले में रिकार्ड स्थापित कर रहा है लेकिन यह विडंबना ही है कि आजादी के 75 साल गुजर जाने के बाद भी आज किसानों की फसलों के भंडारण के लिए उचित जगह नहीं है। किसानों की विभिन्न आज भी मंडियों में खुले में पड़ी रहती हैं। बहुत बार तो फसलें बरसात के कारण खराब भी हो जाती हैं। यह विडंबना ही है कि अनाज उत्पादन में आत्मनिर्भर होने के बावजूद हमारे यहां अनाज के भंडारण के लिए उचित शैड, गोदामों आदि की व्यवस्था नहीं है। सिर्फ भंडारण के कारण हजारों लाखों टन अनाज देश में बर्बाद हो जाता है लेकिन किसी गरीब को खाने को नहीं मिलता। उचित भंडारण व्यवस्थाएं न होने के कारण किसानों को बहुत बार ओने पौने दामों में अपनी फसलों को बेचना पड़ता है। आज अनाज के भंडारण के साथ ही अनाज के प्रबंधन की व्यवस्थाओं में काफी खामियां हैं, प्रबंधन की कमी की वजह से भंडारों में अनाज को उसके शेल्फ लाइफ से भी अधिक समय तक रखा जाता है।

समता, ममता और महिलाएं

> राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच नामक इस संगठन की सदस्या महिलाओं में विधवाएं, परित्यक्ताएं, तलाकशुदा महिलाएं व ऐसी अविवाहित महिलाएं शामिल हैं जो अपने परिवार और समाज से उपेक्षापूर्ण व्यवहार का दंश झेल रही हैं। इनमें से अधिकांश ग्रामीण पृष्ठभूमि की साधनहीन महिलाएं हैं जिनके पास अपनी कठिनाइयां बताने का कोई उपाय नहीं था। यह संगठन ऐसी महिलाओं के अधिकारों की वकालत ही नहीं करता बल्कि उन्हें अधिकारों के प्रति शिक्षित भी करता है। इससे भी बड़ी बात, यह सिर्फ ऐसी वंचिता महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के साथ-साथ उनके ससुराल पक्ष के परिवारों को काउंसलिंग के माध्यम से उनके बीच की गलतफहमियां दूर करके परिवारों को जोडऩे का प्रयत्न भी करता है। यानी राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच अधिकारों की वकालत करते हुए सिर्फ झगड़ा बढ़ाने का ही काम नहीं करता, बल्कि झगड़ा निपटाने का रचनात्मक प्रयत्न भी करता है।

देश में महिला अधिकारों के पक्षकार संगठनों की कमी नहीं है, पर हाल ही में मुझे एक और ऐसे संघ की सदस्याओं से मिलने का मौका मिला जिसने मुझे महिलाओं की एक और समस्या पर फिर से सोचने के लिए विवश किया। देश की राजधानी दिल्ली के लिए यह कोई नई बात नहीं है कि किसी संगठन के लोग विरोध प्रदर्शन के लिए आएं या मीडियाकर्मियों से मिलकर अपनी समस्याओं का बखान करें। महिलाओं के इस संगठन की प्रकृति और इसके उद्देश्य ने सचमुच मेरी आंखें खोली हैं। राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच नामक इस संगठन की सदस्या महिलाओं में विधवाएं, परित्यक्ताएं, तलाकशुदा महिलाएं व ऐसी अविवाहित महिलाएं शामिल हैं जो अपने परिवार और समाज से उपेक्षापूर्ण व्यवहार का दंश झेल रही हैं। इनमें से अधिकांश ग्रामीण पृष्ठभूमि की साधनहीन महिलाएं हैं जिनके पास अपनी कठिनाइयां बताने का कोई उपाय नहीं था। यह संगठन ऐसी महिलाओं के अधिकारों की वकालत ही नहीं करता बल्कि उन्हें अधिकारों के प्रति शिक्षित भी करता है। इससे भी बड़ी बात, यह सिर्फ ऐसी वंचिता महिलाओं के अधिकारों की वकालत करने के साथ-साथ उनके ससुराल पक्ष के परिवारों को काउंसलिंग के माध्यम से उनके बीच की गलतफहमियां दूर करके परिवारों को जोडऩे का प्रयत्न भी करता है। यानी राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच अधिकारों की वकालत करते हुए सिर्फ झगड़ा बढ़ाने का ही काम नहीं करता, बल्कि झगड़ा निपटाने का रचनात्मक प्रयत्न भी करता है। अपने ममतामयी दृष्टिकोण के लिए जानी जाने वाली महिलाएं विपरीत स्थितियों में खुद कितनी उपेक्षा का शिकार होती हैं, इसकी कहानी सचमुच अजीब है। पुरुष प्रधान समाज में अकेली महिलाओं की स्थिति अक्सर शोचनीय होती है और उन पर कई और नए बंधन लाद दिए जाते हैं। विधवा महिलाएं ससुराल में शेष सदस्यों के अधीन हो जाती हैं, परित्यक्ताएं और तलाकशुदा महिलाएं तो कई बार अपने मायके में भी दूसरे दर्जे की नागरिक बनकर रह जाती हैं। घर में सारा दिन काम करते रहने पर भी उन्हें कोई वेतन नहीं मिलता, स्वतंत्रता नहीं मिलती और अपेक्षित सम्मान नहीं मिलता। विधवाओं की कठिनाइयों के बारे में तो फिर गाहे-बगाहे बात होती रहती है, लेकिन परित्यक्ताओं, तलाकशुदा एकल महिलाओं, किसी भी विवशतावश अथवा अपनी इच्छा से अविवाहित रह गई महिलाओं की समस्याओं के बारे में हम शायद ज्यादा जागरूक नहीं हैं। एकल महिलाओं को हिंसा, शोषण, उपेक्षा, तिरस्कार, अवैतनिक कामकाज के अलावा यौन शोषण की समस्याओं का सामना करना पड़ता है। गांवों में उन्हें सहारा देने वाला कोई नहीं होता, समाज की रूढ़िवादिता और संस्कार उन्हें विरोध करने से रोकते हैं और वे असहाय पिसती रह जाती हैं। सन् 2011 की जनगणना के अनुसार ऐसी महिलाओं की संख्या पांच करोड़ साठ लाख के आसपास थी और इनमें से अधिकांश विधवाएं थीं। खेद का विषय है कि ऐसी महिलाओं की संख्या लगातार बढ़ती जा रही है। यही नहीं, जिन परिवारों में मर्द लोग कामकाज के सिलसिले में शहर से बाहर रहने को विवश हैं, वहां उनकी पत्नियां घर में अकेली पड़ जाती हैं और कई तरह की समस्याएं झेलती हैं, लेकिन जुबान नहीं खोल पातीं। घर से बाहर रह रहा मर्द अगर कठिनाइयां झेल कर पैसे कमाता है तो घर में अकेली पड़ गई उसकी पत्नी भी कई तरह से अपमान और उपेक्षा का शिकार हो रही हो सकती है। महिलाओं की शारीरिक बनावट के कारण उनकी समस्याएं अलग हैं। यही नहीं, उनकी भावनात्मक सोच भी पुरुषों से अलग होती है और अक्सर पुरुष उसे नहीं समझ पाते। इसके कारण भी कई बार महिलाओं को कई तरह की कठिनाइयां झेलनी पड़ती हैं। भौगोलिक दूरी के कारण अलग-अलग स्थानों पर रह रहे पति-पत्नी में पत्नी इसलिए मुरझा जाती है कि वह पति के संसर्ग और सहारे, दोनों से वंचित रह जाती है और कुछ बोल भी नहीं पाती। इससे भी ज्यादा बड़ी समस्या तब आती है जब रोजगार के सिलसिले में मर्द शहर से बाहर जाता है और वहीं पर दूसरा विवाह कर लेता है। ऐसे बहुत से पुरुष अपनी पहली पत्नी को अक्सर पूरी तरह से बिसरा देते हैं या फिर दोनों महिलाओं से झूठ बोलते रह सकते हैं। राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की सदस्याएं महिलाओं की इस व्यथा का बखान करते हुए कहती हैं कि आईटी सेक्टर के विकास के कारण एक नई समस्या बनी है। हिमाचल प्रदेश में इस सेक्टर में रोजगार की बहुलता न होने के कारण मर्दों का राज्य से बाहर प्रवास जितना आम है, नए शहर में बस कर आधुनिक महिलाओं अथवा महिला सहकर्मियों से दूसरी शादी भी कम आम नहीं है। हिमाचल प्रदेश जैसे कम आबादी वाले छोटे से राज्य से ही राष्ट्रीय एकल नारी अधिकार मंच की सदस्याओं की संख्या हजारों में है। इसी से अंदाजा लगाया जा सकता है कि कितनी बड़ी संख्या में महिलाएं शोषण और उपेक्षा का शिकार हो रही हैं। महिलाओं की एक अन्य समस्या को भी पुरुष अक्सर नहीं समझ पाते और अक्सर उसका परिणाम यह होता है कि पूरा परिवार बिखर जाता है। करियर के जाल में फंसा पुरुष वर्ग पत्नी और परिवार की उपेक्षा की गंभीरता को समझ ही नहीं पाता, कई बार तो तब तक जब परिवार टूट ही न जाए या टूटने के कगार पर ही न पहुंच जाए। तब भी पुरुष लोग यह नहीं समझ पाते कि वे कहां गलत थे। वे तो तब भी यही मान रहे होते हैं कि वे जो कुछ भी कर रहे थे वह परिवार की भलाई, खुशी और समृद्धि के ही लिए था। यहां पतियों और पत्नियों का नजरिया एकदम अलग-अलग नजर आता है। पत्नियां पैसा कम और पति का साथ ज्यादा चाहती हैं और पति यह मानते रह जाते हैं कि यदि उनके पास धन होगा तो वे पत्नी के लिए सारे सुख खरीद सकेंगे, बिना यह समझे कि उनकी पत्नी की भावनात्मक आवश्यकताएं भी हैं और उनकी पूर्ति के लिए उन्हें पति के पैसे की नहीं, बल्कि पति के संसर्ग और भावनात्मक सहयोग की आवश्यकता है। हमारा देश तेजी से विकास कर रहा है, हमारे जीवन स्तर में सुधार हो रहा है, लेकिन सोच बदलने में समय लग रहा है, खासकर ग्रामीण इलाकों में अभी भी रूढ़िवादिता का बोलबाला है। अब समय आ गया है कि हम पुरुष समाज को महिलाओं की आवश्यकताओं के बारे में शिक्षित करें और महिलाओं के प्रति ज्यादा सौहार्दपूर्ण रवैया अपनाएं ताकि समाज के दोनों अंगों का समान विकास संभव हो सके और समाज में संतुलन बना रहे।

देश दुनीया से

पर्यावरण की सुरक्षा को प्रकृति की पहल

> इस जलवायु को शुद्ध और साफ बनाए रखने की जिम्मेदारी केवल प्रकृति की ही नहीं है, बल्कि इनसान को अपने इस कत्र्तव्य के प्रति सजग रहने की जरूरत है। इनसान कई बार अपने छोटे-छोटे फायदे के लिए कुदरत की इस दरियादिली को नजरअंदाज करते हुए प्रकृति के साथ बहुत बेरहमी से पेश आता है। यही वजह है कि प्रकृति भी कई बार अपना रूप बदल कर इनसान को सोचने पर मजबूर कर देती है। पर्यावरण के संरक्षण का प्रकृति द्वारा दिया यह संदेश बहुत अहम है और इस संदेश को समझ कर इनसान को अपनी आदतों में सुधार करते हुए पर्यावरण के प्रति अपनी जिम्मेदारी को निभाना होगा।

देश और प्रदेश में मौसम के बदले हुए मिजाज की चर्चा आजकल हर जुबां पर है। इस वर्ष जब फरवरी महीने में गर्मी की तपिश ने अपना एहसास करवाया था तो ऐसा लगा था कि इस बार की गर्मियों से बचने के लिए कुछ अलग इंतजाम करने होंगे, लेकिन प्रकृति ने ऐसा रूप बदला कि गर्मियों के महीनों में सर्दियों से बचने के प्रयास करने पड़ रहे हैं। मार्च से लेकर अभी जून महीने तक गर्मियों में पारा उस स्तर तक नहीं पहुंच पाया जिस स्तर पर अमूमन इन महीनों के दौरान देखने को मिलता था। गर्मियों के इन महीनों में हो रही भारी बारिश ने न केवल पिछले कई वर्षों के बारिश के रिकॉर्ड तोड़े हैं बल्कि ठंड के नए रिकॉर्ड भी बना दिए हैं। जून महीने में पहाड़ों पर हो रही बर्फबारी और मैदानी इलाकों में हो रही झमाझम बरसात से लगता है कि प्रकृति इस बार कुछ अलग संदेश दे रही है और इस संदेश को समझना बहुत जरूरी है। इस बारिश ने जहां एक ओर किसानों की समस्याओं को दोगुना कर दिया है वहीं दूसरी ओर इनसान और पर्यावरण को कुछ लाभ भी पहुंचाए हैं। इस बेमौसमी बारिश से जहां पानी के प्राकृतिक स्रोतों पर दबाव कम हुआ है वहीं पर्यावरण में हरियाली आ जाने से नजारा बिल्कुल बदला हुआ सा महसूस हो रहा है। बारिश होने से वातावरण पूरी तरह से शुद्ध हो जाता है जिसके अनेक लाभ हमारे स्वास्थ्य को मिलते हैं। वर्तमान में हमारा पर्यावरण अनेक प्रकार की चुनौतियों से जूझ रहा है और इनमें से सबसे बड़ी चुनौती वायु प्रदूषण की है। वायु प्रदूषण एक ऐसी स्थिति है जिसमें वातावरण में इनसान और पर्यावरण को नुकसान पहुंचाने वाले तत्व ज्यादा मात्रा में जमा हो जाते हैं। इन तत्वों को विज्ञान पार्टिकुलर मैटर का नाम देता है। पार्टिकुलर मैटर हमारे वायुमंडल में उपस्थित बहुत छोटे छोटे कण होते हैं। अति सूक्ष्म होने के कारण ये कण हमारे शरीर में प्रवेश कर जाते हैं और बहुत सी जानलेवा बीमारियों का कारण बनते हैं। ये मैटर फेफड़ों और हृदय को सबसे ज्यादा नुकसान पहुंचाते हैं। भारत में पार्टिकुलर मैटर 2.5 का बढ़ता स्तर वायु प्रदूषण के हिसाब से सबसे गंभीर समस्या है। विश्व स्वास्थ्य संगठन द्वारा पार्टिकुलर मैटर 2.5 की औसत वार्षिक रीडिंग 40 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर निर्धारित की गई है, लेकिन भारत के ज्यादातर शहरों में ये स्तर 100 माइक्रोग्राम प्रति क्यूबिक मीटर बना रहता है जो कि देशवासियों के लिए एक खतरे की घंटी है। वायु प्रदूषण दुनिया के सबसे बड़े खतरों में से एक है और इस वजह से दुनिया में हर साल लगभग 70 लाख व्यक्तियों की मौत हो जाती है जिनमें से लगभग 6 लाख बच्चे होते हैं। वायु प्रदूषण के प्रमुख स्त्रोत परिवहन, भोजन पकाने के लिए बायोगैस का इस्तेमाल, उद्योग, जंगली आग और अपशिष्ट दहन हैं। यूं तो वायु प्रदूषण को रोकने के लिए अनेक प्रयत्न पिछले लंबे समय से विभिन्न सरकारों द्वारा किए गए हैं जिनमें सीएनजी और एलपीजी को गैसीय ईंधन के रूप में प्रयोग को बढ़ावा देना, पेट्रोल में इथेनॉल की मात्रा को बढ़ाना तथा बीएस-6 मानकों को लागू करना तथा राष्ट्रीय वायु गुणवत्ता सूचकांक को जारी करना प्रमुख है। लेकिन इन सभी प्रयत्नों से अभी तक के परिणाम उल्लेखनीय नहीं हैं। समय समय पर होने वाली बारिश पार्टिकुलर मैटर के स्तर को प्राकृतिक तौर पर कम करने में बहुत मददगार साबित होती है। इसलिए वायु प्रदूषण की समस्या से निपटने के लिए ये बारिशें इनसान को बहुत राहत प्रदान कर रही हैं। इसके अलावा इस बार की यह बेमौसमी बारिश प्रदेश के जंगलों के लिए भी वरदान सिद्ध हुई है। इनसान अपने छोटे से फायदे के लिए जंगलों को आग के हवाले कर देता है जिसमें हमारी अमूल्य वन संपदा राख में बदल जाती है। जंगल की आग से उठने वाले धुएं से वायु प्रदूषण के स्तर में भी भारी मात्रा में इजाफा होता है। पिछले दो वर्ष हमारे प्रदेश की वन संपदा के लिए बहुत ही नुकसानदेह साबित हुए हैं। इन वर्षों में वनों में आग लगने की घटनाओं में बहुत ज्यादा वृद्धि हुई थी।

नागरिक बोध

ड्रग्स सिंडिकेट का झाल एनसीबी ने तोड़ा,सबसे बड़ी बरामदगी

दिल्ली में एनसीबी ने देश भर में फैले ड्रग्स सिंडिकेट के नेटवर्क का भंडाफोड़ कर युवाओ का जीवन बर्बाद होने से पहले उनको बचा लिया। भारत का विकास और भारत युवाओ का देश है। जिसका दुनिया को पता है। युवाधन को बर्बाद करने की इस विश्व स्तरीय गुप्त योजना का पता होते हुए चूपी साधकर बैठना देशहित में नही है। एनकेंन प्रकारेण भारत को बर्बाद करने की नाना तरह की साजिश की जा रही है।ये देशद्रोही देश का नुकसान करने पर तुले हुए है। लेकिन बिल्ली के छींकने पर क्या होता है? भारत वो देश है जिसका लोहा दुनिया ने माना है। एक हजार वर्ष से आतताइयों द्वारा जुल्म ढहाया जा रहा है। लेकिन इन देशद्रोही प्रवृति वाले लोगो से भारत कभी कमजोर नही हुआ है।इनसे बलवंत होकर उभरा है। जिस तरह से ड्रग्स से युवाओ को भ्रमित किया जा रहा है। वो युवाओ के लिए खतरनाक है।बताया जा रहा है 20 साल में ड्रग्स की सबसे बड़ी उपलब्धि हाथ लगी है। सबसे बड़ी जब्ती से अधिकारी भी आश्चर्यचकित रह गए थे। नारकोटिक्स ने 15 हजार पैकेट जब्त किया है। एलसीडी का प्रभाव खतरनाक होता है। इस नशीले पदार्थ के सेवन करने पर आदमी समूह में भी कटा कटा सा रहता है। एनसीबी ने 2021-22 में पांच हजार पाउच बरामद किया। इस बार सबसे बड़ी भारी मात्रा में नशीले पदार्थ की हेराफेरी पर नारकोटिक्स का ग्रहण लग गया है।गिरफ्तार किये गए सप्लायरों के पास से लाखों रुपये बरामद किए है। डार्कनेट,क्रिप्टो करंसी और फ़ौरन पोस्ट ऑफिस के जरिये यह धंधा फलफूल रहा था। देश व्यापी कार्टेल का पर्दाफ़ाश बड़ी सफलता है। इस ड्रग्स को देश मे घुसाने में तस्कर सफल हो जाते तो हजारो युवाओ का जीवन नरकागार हो जाता था। एलएसडी गंधहीन और स्वादहीन होने के कारण डिटेक्ट करना बहुत मुश्किल है। डार्कनेट पर एलसीडी ट्रैफिकिंग का एक बड़ा नेटवर्क कार्यरत था।जिसको अमेरिका, नीदरलैंड और पोलैंड जैसे समृद्धिशाली देशो से मंगाया जाता था।यहा भारत मेदिल्ली,एनसीआर,राजस्थान, केरल ,महारास्ट्र, उत्तरप्रदेश आदि राज्यो में नेटवर्क कार्यरत है। देश को बर्बाद करने की कितनी भारी योजना इन लोगो के जेहन में है। भारत को खत्म करने के लिए अनेक तरह के षड़यंत्र किये जा रहे है। लेकिन हमारी जांबाज पुलिस ईमानदारी की प्रतिमूर्ति जान की बाजी लगाकर तस्करों के मुह से छीनकर युवाओ की जान बचा रहे है। यह कार्य मुश्किल भी है और जोखिम भरा ही है। फिर भी कर रहे है। जयपुर के एक शख्स ने कबूल किया है कि पूरे देश मे ड्रग्स सप्लाई का जिम्मा मेरा ही है। इसके पूर्व गुजरात और महारास्ट्र से करोड़ो रुपये का ड्रग्स पुलिस पकड़ चुकी है।

कनाडा के जंगलों की आग का धुआं अमेरिका पहुंचा:10 करोड़ लोगों के लिए प्रदूषण का अलर्ट जारी, बाइडेन ने आग बुझाने भेजे 600 फायरफाइटर्स

कनाडा।

कनाडा के जंगलों में लगी आग का धुआं अमेरिका पहुंच गया है। इसकी वजह से अमेरिका के ईस्ट कोस्ट पर सभी स्कूल ने स्टूडेंट्स के बाहर निकलने पर रोक लगा दी है। यहां आसमान में पीले रंग की धुंध छा गई है। धुएं की वजह से न्यूयॉर्क सहित अमेरिका के कई राज्यों में प्रदूषण को लेकर अलर्ट जारी किया गया है। रिपोर्ट्स के मुताबिक, शिकागो से लेकर एटलांटा तक करीब 10 करोड़ लोग प्रदूषण की जद में हैं।

अमेरिका के राष्ट्रपति जो बाइडेन ने गुरुवार को आग से निपटने के लिए 600 फायरफाइटर्स को कनाडा भेजा। हालात का जायजा लेने के लिए उन्होंने कनाडा के पीएम जस्टिन ट्रूडो से फोन पर बात की। उन्होंने कनाडा को हर संभव मदद का भरोसा दिया।

आग के चलते 1 लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों ने घर छोड़ा - दरअसल, कनाडा के जंगलों में अब तक की सबसे भयानक आग लगी है। यहां सभी 10 प्रांतों और शहरों में इसका असर देखा जा रहा है। अधिकारियों के मुताबिक, अगस्त तक स्थिति और खराब होने की आशंका है। अब तक करीब 38 हजार स्क्वायर किमी का क्षेत्र जल चुका है। ये पिछले 10 साल के औसत से 13 गुना ज्यादा और बेल्जियम के कुल क्षेत्रफल से भी बड़ा है। इसकी वजह से 1 लाख 20 हजार से ज्यादा लोगों को घर छोड़ना पड़ा है।

दिल्ली से भी ज्यादा बुरी हुई न्यूयॉर्क की एयर क्वालिटी- कनाडा के जंगलों में लगी आग का अमेरिका पर कितना असर हुआ इसका अंदाजा न्यूयॉर्क के एयर क्वालिटी इंडेक्स से लगाया जा सकता है। वहां बुधवार को एयर क्वालिटी सबसे ज्यादा बुरी हो गई। बुधवार दोपहर न्यूयॉर्क का एयर क्वालिटी इंडेक्स 342 पहुंच गया था। जो दिल्ली के एयर क्वालिटी इंडेक्स 164 और दुबई के एयर क्वालिटी इंडेक्स 168 से दोगुना है।

तेज हवाओं की वजह से अमेरिका तक पहुंच रहा धुआं- कनाडा का जो इलाका जंगलों की आग से सबसे ज्यादा प्रभावित है वो अमेरिका से 800 से 970 किलोमीटर की दूरी पर है। इसके बावजूद वहां का जहरीला धुआं अमेरिका तक पहुंचा है इसकी एक वजह तेज रफ्तार से चल रही हवाएं हैं।

कम दबाव के चलते हवाएं धुएं के कणों को दूर तक ले जा रही हैं। एक एयर क्वालिटी एक्सपर्ट के मुताबिक कनाडा के जंगल में लगी आग से निकले धूएं में कार्बन और जहरीले मेटल के कण हैं। जो फेफड़ों में अंदर तक जाकर नुकसान पहुंचाता है।

न्यूज ब्रीफ

भारतीय मूल के मंत्री लड़ेंगे सिंगापुर में राष्ट्रपति चुनाव, प्रधानमंत्री को पत्र लिखकर जताई इच्छा

सिंगापुर। सिंगापुर में एक भारतीय मूल के वरिष्ठ मंत्री थर्मन शनमुगरत्नम ने गुरुवार को 22 साल बाद सक्रिय राजनीति से अलग हटकर इस साल के अंत में राष्ट्रपति चुनाव में भाग लेने की घोषणा की है। साथ ही उन्होंने प्रधानमंत्री ली ह्सियन लूंग को राजनीति और अन्य सभी पदों से इस्तीफा देने के अपने फैसले की जानकारी पत्र लिखकर दी। थर्मन ने यह भी कहा कि वह सत्तारूढ़ पीपुल्स एक्शन पार्टी से इस्तीफा देना चाहते हैं, जो 1960 के दशक से समृद्ध सिंगापुर को चला रही है। उन्होंने प्रधानमंत्री ली ह्सियन लूंग को राजनीति से सेवानिवृत्त होने साथ सरकार में अपने सभी पदों से सेवानिवृत्त होने और राष्ट्रपति चुनाव में लड़ने के बारे में सूचित किया जो सितंबर तक होगा। एक स्थानीय रिपोर्ट के मुताबिक, थर्मन शनमुगरत्नम ने पत्र में लिखा कि मेरी योजना अब से एक महीने बाद 7 जुलाई, 2023 को ऐसा करने की है, ताकि मैं सिंगापुर में अपनी तत्काल आधिकारिक प्रतिबद्धताओं को पूरा कर सकूं। वह अन्य सभी भूमिकाओं और जिम्मेदारियों से भी हट जाएंगे जो वह मंत्री पद पर रहते हुए निभा रहे हैं। वहीं इसके बाद प्रधानमंत्री ने भी एक पत्र के माध्यम से थर्मन शनमुगरत्नम को बताया कि वह उनके राष्ट्रपति के पद की दौड़ के फैसले को समझते हैं। थर्मन सिंगापुर के मौद्रिक प्राधिकरण (एमएएस) के अध्यक्ष, जीआईसी के उपाध्यक्ष, आर्थिक विकास बोर्ड की अंतर्राष्ट्रीय सलाहकार परिषद के अध्यक्ष और अन्य जिम्मेदारियों से अपने पद छोड़ देंगे। थर्मन ने कहा कि वह हाल के महीनों में सिंगापुर के लोगों ने उनसे काफी अनुरोध किया था, लोग उनको राष्ट्रपति चुनाव में खड़ा देखना चाहते हैं। उन्होंने अपने पत्र में कहा कि यह एक कठिन निर्ण है। मैंने अपने परिवार से परामर्श किया है, और इस बात पर सावधानीपूर्वक विचार किया है कि मैं आने वाले वर्षों में देश की सर्वोत्तम सेवा कैसे कर सकता हूँ।

फ्रांस के अनेसी शहर में बच्चों पर चाकूबाज ने किया हमला, कई गंभीर रूप से घायल

अनेसी। फ्रांस के अनेसी शहर में एक पार्क में कुछ बच्चों पर चाकूबाज ने हमला कर दिया। बताया गया है कि घटना में पांच लोग जख्मी हुए हैं, इनमें चार बच्चे शामिल हैं। फ्रांस पुलिस की ओर से जारी बयान के मुताबिक, हमलावर को गिरफ्तार कर लिया गया है। एक अधिकारी ने बताया कि यह घटना अमानवीय है और इसकी जांच की जा रही है। इस बीच फ्रांस की प्रधानमंत्री एलिजाबेथ बोर्न भी घटनास्थल के लिए रवाना हो गईं। इससे पहले जनवरी में पेरिस के एक रेलवे स्टेशन पर हुई चाकूबाजी की घटना में कई लोग घायल हुए थे। इस दौरान पुलिस को फायरिंग भी करनी पड़ी थी, जिसमें हमलावर घायल हो गया था। पुलिस ने बताया था कि हमले में कई लोग घायल हुए थे। फ्रांस के आतंरिक मंत्री गेरार्ड डरमेनिन ने बताया था कि हमलावर को मार गिराया गया है।

ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में चीन की घुसपैठ, छह घंटे में घुसे 37 लड़ाकू विमान

ताइपे। ताइवान को लेकर चीन का जबर्दस्ती वाला रुख एक बार फिर सामने आया है। दोनों देशों के बीच चल रहे तनाव के बीच चीन ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ की है। छह घंटे के भीतर चीन के तीस से ज्यादा लड़ाकू विमानों ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में प्रवेश किया है। चीन और ताइवान के बीच तनाव कम होने का नाम नहीं ले रहा है। चीन का दावा है कि स्वशासित ताइवान उसका इलाका है और जरूरत पड़ने पर चीन वहां एक दिन में काबिज हो जाएगा। चीनी सेना की घुसपैठ भी तेजी से बढ़ रही है। चीन ने ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र के तौर पर चिह्नित इलाके में घुसपैठ तेज की है, जो पिछले कुछ वर्षों की तुलना में दोगुनी से अधिक हो चुकी है। गुरुवार को चीन ने एक साथ कई बार ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में घुसपैठ की। ताइवान के रक्षा मंत्री चिउ कुओ चेंग ने बताया कि छह घंटे के भीतर ताइवान के वायु रक्षा क्षेत्र में 37 चीनी लड़ाकू विमानों ने प्रवेश किया है। ताइवान के राष्ट्रीय रक्षा मंत्री के प्रवक्ता सन ली फांग ने गुरुवार को बताया कि स्थानीय समय के हिसाब से सुबह पांच बजे से 11 बजे के बीच चीन के 37 सैन्य विमान ताइवान के दक्षिण पश्चिमी सीमा में प्रवेश कर गए थे। उनमें से कुछ लंबी दूरी के टोही प्रशिक्षण के लिए पश्चिमी प्रशांत की ओर बढ़ गए और वहीं रहे। इससे पहले नौ अप्रैल को करीब 45 चीनी लड़ाकू विमानों ने ताइवानी क्षेत्र में प्रवेश किया था, किन्तु गुरुवार को हुई घुसपैठ बहुत जल्दी-जल्दी हुई। ताइवान की सेना इस पर पैनी निगाह बनाए हुए है।

अफगानिस्तान में फिदायीन हमला

तालिबान कमांडर समेत 16 की मौत डिप्टी गवर्नर को विदाई देने जुटे थे लोग

काबुल।

अफगानिस्तान के बदख्शान राज्य की राजधानी फैजाबाद में गुरुवार को एक फिदायीन हमले में 16 लोगों की मौत हो गई। हमला तब हुआ जब लोग यहां के डिप्टी गवर्नर को सुपुर्द-ए-खाक करने के लिए जुटे थे। लोकल हॉस्पिटल के इंचार्ज ने कहा- अब तक 16 डेडबॉडीज रिसीव कर चुके हैं।

मरने वालों का आंकड़ा काफी ज्यादा हो सकता है, क्योंकि वहां काफी लोग मौजूद थे। मारे गए लोगों में तालिबान का एक बड़ा कमांडर भी शामिल है। कुछ रिपोर्ट्स में कहा गया है कि यह हमला आतंकी संगठन इस्लामिक स्टेट के खोरासान ग्रुप (आईएसआईएस-के) ने अंजाम दिया है।

तालिबान ने कहा- जांच करेंगे - बदख्शान में मौजूद एक तालिबान नेता ने कहा- यह फिदायीन हमला बदख्शान की राजधानी फैजाबाद में गुरुवार दोपहर करीब 3 बजे हुआ। कुछ दिन पहले मौलवी निसार अहमद की एक हमले में मौत हो गई थी। वो बदख्शान राज्य के डिप्टी गवर्नर थे। उनकी अंतिम विदाई के लिए कई तालिबान लीडर्स फैजाबाद आए थे। हमें शक है कि भीड़ का फायदा उठाकर फिदायीन अंदर वाले हिस्से तक पहुंचा और उसने खुद को उड़ा लिया। इस मामले की जांच की जाएगी। पहली नजर में लगता है कि यह सिक्योरिटी में खामी का मामला है।

इस नेता ने आगे कहा- 50 से ज्यादा लोग गंभीर तौर पर जख्मी हैं। हो सकता है कि मरने वालों का आंकड़ा बढ़ जाए।

फिलहाल, पूरा फोकस घायलों को बेहतर इलाज देने पर है। इलाके में आवाजाही बंद कर दी गई है।

तालिबान कमांडर भी मारा गया- गुरुवार को फिदायीन हमले में मारे गए लोगों में एक तालिबान कमांडर भी शामिल है। इसका नाम मुल्ला सैफुल्ला शमीम बताया गया है। वो तालिबान हुकूमत में इस राज्य का पुलिस चीफ था। शमीम पर 6 जून को भी कातिलाना हमला हुआ था, उसमें वो बच गया था। कुछ खबरों में कहा गया है कि गुरुवार को फिदायीन हमला फातिहा के दौरान मस्जिद में हुआ।

पिछले महीने एक और ब्लास्ट में तालिबान के दो कमांडर मारे गए थे। ये दोनों अफगान सिक्योरिटी फोर्स के पूर्व सैनिक भी थे। बाद में इन्होंने नौकरी छोड़कर तालिबान फोर्स ज्वॉइन कर ली थी।

खोरासान ग्रुप पर शक- तालिबान के एक नेता ने कहा- गुरुवार का हमला भी इस्लामिक स्टेट के खोरासान ग्रुप ने कराया है। वो इसी तरह के मौकों पर हमले करने में यकीन करते हैं, क्योंकि उस वक्त वहां काफी लोग मौजूद रहते हैं।

क्या है आईएसआईएस-के -आईएसआईएस-के का नाम उत्तरपूर्वी ईरान, दक्षिणी तुर्कमेनिस्तान और उत्तरी अफगानिस्तान में आने वाले क्षेत्र के नाम पर रखा गया है। यह संगठन सबसे पहले 2014 में पूर्वी अफगानिस्तान में एक्टिव हुआ। यहां से इसने बेरहमी और क्रूरता की पहचान बनाई।

पाकिस्तान के सैकड़ों तालिबानी इस संगठन के साथ जुड़े और हमलों को अंजाम दिया। जब सेना की मदद से इन्हें निकाला गया तो ये अफगानिस्तान की सीमा पर आ गए और फिर यहीं से ऑपरेट करने लगे। ताकत इसलिए बढ़ती गई, क्योंकि तालिबान पश्चिमी देशों और सोच के प्रति नरम होता गया। ऐसे में तालिबान के नाराज आतंकी आईएसआईएस-के में शामिल होने लगे।

अमेरिकी इंटेलिजेंस रिपोर्ट्स के मुताबिक- आईएसआईएस-के में सीरिया और दूसरे विदेशी संगठनों के आतंकी भी शामिल हैं। अमेरिका ने अफगानिस्तान में इस समूह के 10 से 15 प्रमुख आतंकियों की पहचान की है। आईएसआईएस-के में अफगानियों समेत दूसरे आतंकी समूहों से पाकिस्तानी और उज्बेकिस्तान के आतंकी शामिल हैं।

इस गुट ने हाल के कुछ वर्षों में पूर्वी अफगानिस्तान में अपनी मौजूदगी दर्ज कराई है। खासतौर से अफगानिस्तान के नंगरहार और कुनार प्रांतों में इसकी अच्छी ग्रिप मानी जाती है। इस संगठन ने काबुल में भी कई हमले किए हैं। आईएसआईएस-के और तालिबान दोनों ही कट्टर सुन्नी इस्लामिक आतंकी हैं, फिर भी दोनों एक दूसरे का विरोध करते हैं। आईएसआईएस-के और तालिबान के बीच कई मुद्दों पर असहमति है। आईएसआईएस ने तालिबान पर आरोप लगाया है कि उसने जिहाद और युद्ध का मैदान छोड़कर दोहा और कतर के बड़े होटलों में बैठकर शांति के समझौते किए और अमेरिका को अफगानिस्तान से सुरक्षित निकलने का मौका दिया।

यूक्रेन में बांध टूटने से 2000 घर डूबे

30 कस्बे बाढ़ की चपेट में; जेलेंस्की का दावा- पानी में तैर रही डेड बॉडीज

कीव/मॉस्को

यूक्रेन का काखोवका बांध टूटने से खरसोन में 30 से ज्यादा गांव और कस्बे बाढ़ की चपेट में हैं। इनमें 20 यूक्रेन और 10 रूसी सेना के कब्जे में हैं। 2000 घर पूरी तरह से पानी में समा चुके हैं। 40 हजार लोगों की जिंदगी खतरे में है। इस बीच यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने बाढ़ प्रभावित इलाके का दौरा किया है। जेलेंस्की ने यहां लोगों से मुलाकात करने के बाद दावा किया है कि बाढ़ के चलते लोगों की डेड बॉडीज पानी में तैर रही हैं।

अभी तक पता नहीं चल पाया है कि बांध पर हमला किसने किया। रेस्क्यू ऑपरेशन के बीच रूस और यूक्रेन एक-दूसरे पर बांध तोड़ने का आरोप लगा रहे हैं। बाढ़ की वजह से अब तक 5 लोगों की मौत हो चुकी है।

बांध पर हमला उस समय हुआ है जब यूक्रेन खरसोन और डोनटेस्क में रूसी सेना पर बड़े हमले की ओर बढ़ रहा था। रिपोर्ट के मुताबिक रूस पर हमले के लिए बिछाई गई लैंड माइन अब बचाव कार्यों में रुकावट बन रही हैं। इलाके में पानी भर जाने के कारण उन्हें लोकेट करना मुश्किल हो रहा है।

रेड क्रॉस के एक अधिकारी के मुताबिक लैंड माइन की वजह से न सिर्फ खरसोन के लोगों को खतरा है, बल्कि ये उन लोगों के लिए भी बड़ी चुनौती है जो उन्हें बचाने के लिए आ रहे हैं। दुश्मन के लिए बिछाई गई लैंड माइन ज्यादा पानी आने की वजह से तैरने लगी हैं। अगर ये किसी चीज से टकराती हैं तो फट जाएंगी। अधिकारी ने कहा कि इलाके में पानी आने से पहले हमें पता था ये कहां हैं पर अब हमें कुछ जानकारी नहीं है।

इस बीच यूक्रेन ने रूस पर आरोप लगाया है कि वो बाढ़ में फंसे लोगों को बचाने वाली रेस्क्यू टीम पर हमला कर रहा है। जेलेंस्की ने कल शाम दिए अपने भाषण में कहा कि रूस ने लोगों को बाढ़ में फंसा हुआ छोड़ दिया। यूक्रेन ने अब तक 2 हजार लोगों को बचाया है। द वॉशिंटन पोस्ट को बाढ़ में फंसे एक यूक्रेनी ने बताया कि पूरी गली के लोग छतों पर बैठे हैं और मदद के इंतजार में हैं। लोगों के पास खाना का सामान नहीं है, पीने के लिए पानी नहीं है।

इमरान का राजनीतिक करियर खत्म करने की तैयारी, पीटीआई छोड़ने वाले नेता बनाएंगे नई पार्टी!

इस्लामाबाद।

पाकिस्तान की सत्ता पर सेना के प्रभाव के चलते वहां की राजनीति में कभी भी, कुछ भी हो सकता है। अब एक बार फिर कुछ ऐसी पटकथा लिखी जा रही है जो पाकिस्तान के पूर्व पीएम और पाकिस्तानी सेना के निशाने पर चल रहे इमरान खान के राजनीतिक करियर को पूरी तरह से खत्म कर सकती है। दरअसल हाल के समय में पीटीआई के कई बड़े नेताओं ने पार्टी छोड़ दी है। अब खबर आ रही है कि पीटीआई छोड़ने वाले नेता जल्द ही अपनी नई पार्टी का एलान कर सकते हैं।

एक समय इमरान खान के करीबी रहे जहांगीर खान तरीन, पीटीआई छोड़ने वाले नेताओं के समूह का नेतृत्व कर रहे हैं और माना जा रहा है कि नई पार्टी के एलान के बाद तरीन ही इसके नए अध्यक्ष बन सकते हैं। नई पार्टी का नाम इश्तेकाम-ए-पाकिस्तान पार्टी (आईपीपी) हो सकता है। बता दें कि जहांगीर तरीन भी उन नेताओं में शामिल हैं, जिन्होंने हाल ही में पीटीआई से इस्तीफा दिया है।

पीटीआई के 100 से ज्यादा नेताओं और विधायक-सांसदों ने बुधवार को जहांगीर खान तरीन के साथ हाथ मिला लिया। अक्तूबर में पाकिस्तान में होने वाले आम चुनाव में नई पार्टी मैदान में अपने उम्मीदवार उतार सकती है। अगर ऐसा होता है तो यह इमरान खान के बिना वाली नई पीटीआई होगी, जिसकी कमान इमरान खान के बजाय जहांगीर खान तरीन के हाथ में होगी। ऐसी खबरें आ रही हैं कि जहांगीर खान तरीन को सेना का समर्थन हासिल है और संभव है कि आगामी चुनाव में यह पार्टी सत्ता में हिस्सेदारी भी हासिल कर ले। पीटीआई की पूर्व नेता और अब आईपीपी का हिस्सा बन चुकीं वरिष्ठ राजनेता फिरदौस आशिक अवान ने कहा कि 'इस सब के लिए इमरान खान जिम्मेदार हैं। इमरान खान के सेना विरोधी एजेंडे के चलते 9 मई की हिंसा हुई। इमरान ने राजनीतिक विरोधियों को निशाने पर लेने के बजाय सेना पर निशाना साधा और अब उसकी कीमत चुका रहे हैं। अधिकतर नेता जहांगीर खान तरीन के साथ आ चुके हैं और अब कोई भी इमरान खान के साथ नहीं रहना चाहता।' अवान ने कहा कि पीटीआई अब बीती बात हो चुकी है।

इंदिरा गांधी की हत्या का खालिस्तानियों ने मनाया जश्न

ओंटारियो।

कनाडा में खालिस्तानियों की एक और शर्मनाक करतूत सामने आई है। दरअसल कनाडा के ब्रैम्पटन इलाके में एक झांकी निकाली गई। इस झांकी में एक झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या वाली घटना को भी शामिल किया गया था। झांकी में इसे बदला बताया गया था। इस झांकी का वीडियो सोशल मीडिया पर खूब वायरल हो रहा है और भारतीय यूजर्स इसकी जमकर आलोचना कर रहे हैं। कांग्रेस ने भी इसकी आलोचना की है।

कांग्रेस ने विदेश मंत्री से की ये मांग

कनाडा की झांकी में इंदिरा गांधी की हत्या की घटना को शामिल करने पर कांग्रेस ने कड़ी प्रतिक्रिया दी है। कांग्रेस ने भारतीय विदेश मंत्री एस जयशंकर से मांग की है वह इस मामले को कनाडा की सरकार के सामने मजबूती से उठाएं। विदेश मंत्री एस जयशंकर ने भी कनाडा सरकार की आलोचना की और कहा कि वहां अलगाववादियों, कट्टरपंथियों को संरक्षण दिया जा रहा है। कांग्रेस नेता मिलिंद देवड़ा ने ट्वीट करते हुए लिखा कि यह किसी का पक्ष लेने की बात नहीं है बल्कि यह देश के इतिहास के सम्मान और एक प्रधानमंत्री की हत्या से उपजे दर्द की बात है।

देवड़ा के ट्वीट को रिट्वीट करते हुए कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने भी विदेश मंत्री से इस मामले को कनाडा की सरकार के सामने मजबूती से उठाने की मांग की।

ऑपरेशन ब्लू स्टार के विरोध में की गई थी हत्या

बता दें कि देश की इंदिरा गांधी की 31 अक्टूबर 1984 में नई दिल्ली स्थित आवास पर गोलियां मारकर हत्या कर दी गई थी। अमृतसर में स्वर्ण मंदिर से आतंकियों को निकालने के लिए भारतीय सेना ने ऑपरेशन ब्लू स्टार चलाया था। इसी ऑपरेशन के विरोध में इंदिरा गांधी की उन्हीं के गार्ड्स द्वारा हत्या कर दी गई थी। अब कनाडा में खालिस्तानी उस घटना को बदले का नाम देकर सेलिब्रेट करते दिखाई दिए। वहीं खालिस्तानियों की इस करतूत पर भारत में कनाडा के उच्चायुक्त ने नाराजगी जाहिर की है। कनाडा के उच्चायुक्त कैमरून मैके ने ट्वीट करते हुए लिखा कि 'कनाडा में हुए एक इवेंट के दौरान भारत की पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की हत्या को सेलिब्रेट करने की घटना में से मैं हैरान-परेशान हूं। कनाडा में नफरत और नफरत का महिमामंडन के लिए कोई जगह नहीं है। मैं इस तरह की घटनाओं की निंदा करता हूं।'

यूरोप के 11 देशों में किए गए जनमत सर्वेक्षण में खुलासा

यूरोप का बहुमत तो नहीं चाहता चीन से युद्ध, 62 फीसदी यूरोपवासी तटस्थ रहने के पक्ष में

बर्लिन।

यूरोप में बहुमत की राय है कि अगर अमेरिका और चीन के बीच युद्ध होता है, तो उस हाल में यूरोप को तटस्थ रहना चाहिए। यह बात यूरोपियन काउंसिल ऑन फॉरेन रिलेशंस की तरफ से यूरोप के 11 देशों में किए गए जनमत सर्वेक्षण से सामने आई है। बर्लिन स्थित इस संस्था की शाखाएं लगभग सभी यूरोपीय देशों में हैं।

इसकी ताजा सर्वे रिपोर्ट के मुताबिक 62 फीसदी यूरोपवासियों ने ताइवान के मुद्दे पर अमेरिका और चीन के बीच युद्ध होने की स्थिति में यूरोप के तटस्थ रहने के पक्ष में अपनी राय जताई। जबकि 23 फीसदी लोगों ने कहा कि युद्ध में यूरोप को अमेरिका का साथ देना चाहिए।

इस सर्वे से सामने आया है कि अभी भी यूरोप में जनमत का एक बड़ा हिस्सा चीन को यूरोप का पार्टनर मानता है। ऐसी राय जताने वाले लोगों की संख्या 43 फीसदी रही। इससे संबंधित सवाल में सर्वे में शामिल लोगों के सामने कई विकल्प दिए गए थे। उनमें से सबसे ज्यादा लोगों ने चीन को ऐसे पार्टनर के रूप में देखना पसंद किया, जिसके साथ वे सहयोग करना चाहेंगे।

सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है- 'यूरोपीय नागरिक अमेरिका-चीन टकराव में तटस्थ रहना चाहते हैं और चीन से संबंध को डी-रिस्क करने (जोखिम घटाने) की नीति के प्रति वे अनिच्छुक हैं। हालांकि वे यह स्वीकार करते हैं कि यूरोप में चीनी अर्थव्यवस्था की मौजूदगी से कुछ जोखिम जुड़े हुए हैं।'

यह सर्वे रिपोर्ट उस समय जारी हुई है, जब यूरोप में इस मुद्दे पर तीखी बहस चल रही है कि यूरोपियन यूनियन को चीन के साथ कैसा रिश्ता रखना चाहिए। यूरोपियन यूनियन (ईयू) के अधिकारी इस समय अपने ब्रसेल्स स्थित मुख्यालय में एक नई आर्थिक सुरक्षा रणनीति तैयार करने में जुटे हुए हैं।

इस दस्तावेज को अगले 20 जून को जारी किया जाएगा। समझा जाता है कि इस दस्तावेज में उन क्षेत्रों में यूरोपीय अर्थव्यवस्था को चीन से अलग करने के उपाय सुझाए जाएंगे, जिनमें यूरोप चीन पर अधिक अधिक निर्भर होता जा रहा है। इस बीच उन चीनी कंपनियों पर प्रतिबंध लगाने की तैयारी भी की जा रही है, जिन पर यूरोप में निर्मित उच्च तकनीक वाले उत्पादों को रूसी सेना को बेचने का आरोप है।

खबर है कि चीन से संबंध के मुद्दे पर यूरोपीय नेताओं में मतभेद गहराते जा रहे हैं। फ्रांस के राष्ट्रपति इमैनुएल मैक्रों और यूरोपीय कमीशन की अध्यक्ष उरसुला वॉन डेर लियेन इस मसले पर आमने-सामने हैं। सबसे पहले वॉन डेर लियन ने ही चीन से संबंधों में डी-रिस्किंग की रणनीति अपनाने की वकालत की थी, जिसे बाद में अमेरिका ने भी स्वीकार कर लिया।

समझा जाता है कि अब जारी हुई सर्वे रिपोर्ट से मैक्रों जैसी राय रखने वाले नेताओं का पक्ष मजबूत होगा, जो चीन से संबंध के मामले में अमेरिका पिछलग्गू ना बनने की दलील दे रहे हैं। फ्रांस में 53 फीसदी लोगों ने तटस्थ रहने के पक्ष में राय जताई। माना जा रहा है कि इसे देखते हुए अपनी दलील को आगे बढ़ाने के लिए मैक्रों का मनोबल बढ़ सकता है।

पोलैंड जैसे घोर रूस विरोधी देश में चीन के मामले में तटस्थ रहने की राय 51 फीसदी लोगों ने जताई। सर्वे रिपोर्ट में कहा गया है- 'सर्वे के निष्कर्ष बताते हैं कि कई रूपों में यूरोप के नागरिक टीम वॉन डेर लियेन की तुलना में टीम के मैक्रों साथ ज्यादा हैं।'

डोटासरा के बयान पर प्रदेशाध्यक्ष जोशी का पलटवार

वो जो भाषा बोलते हैं वह स्तर नहीं है मेरा

चित्तौड़गढ़(हिंस)। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष और चित्तौड़गढ़ सांसद सीपी जोशी ने गुरुवार को चित्तौड़गढ़ में पत्रकार वार्ता में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंद सिंह डोटासरा के बयान पर पलटवार किया है। सांसद सीपी जोशी ने जवाब देते हुए कहा कि कांग्रेस पार्टी के लोग जिस स्तर का काम करते हैं, मुझे बेशक उस तरह से लोग नहीं जानते हैं। मुझे लोग जानते हैं तो शहर के विकास काम के लिए। शहर के सुधार के लिए। उन्हें अपनी चिंता करनी चाहिए कि उनके पार्टी के लोग उनके लिए किस तरह की बात करते हैं। वह जिस तरह की भाषा बोलते हैं, मैं उनकी बात का जवाब दू, यह मेरा स्तर नहीं है। चित्तौड़गढ़ की जनता मुझे जानती है, मुझे उसका अभिमान है। प्रदेशाध्यक्ष डोटासरा को राजस्थान और लक्ष्मणगढ़ की जनता किस तरह से देखती है, उनको अपना आईना देखना चाहिए और खुद मन में चिंतन करना चाहिए। गौरतलब है कि गत 4 जून को चित्तौड़गढ़ में कांग्रेस प्रदेशाध्यक्ष गोविंदसिंह डोटासरा ने चित्तौड़गढ़ दौरे में कहा था कि सांसद सीपी जोशी को

चित्तौड़गढ़ के लोग जानते हैं, प्रदेश के नहीं। चित्तौड़गढ़ की जनता ही सिर्फ सांसद सीपी जोशी को जानती है क्योंकि वह यहां के सांसद है। बाकी प्रदेश में उन्हें कोई नहीं जानता। सीपी जोशी का नाम आते ही सब कांग्रेस पार्टी से नाथद्वारा विधायक और स्पीकर सीपी जोशी को ही जानते हैं। डोटासरा के इसी बयान पर जोशी ने पलटवार किया। पत्रकार वार्ता में भाजपा प्रदेशाध्यक्ष सांसद सीपी जोशी ने महा जनसंपर्क अभियान के बारे में जानकारी देते हुए कहा कि एक महीने तक यह अभियान लोकसभा स्तर, जिला स्तर या विधानसभा स्तर पर चलेगा। 25 से 30 के बीच में सभी कार्यकर्ता घर-घर जाकर लोगों से जनसंपर्क करेंगे। हर परिवार तक पहुंचना हमारा लक्ष्य है। इसी दौरान हर विधानसभा में संयुक्त सम्मेलन, व्यापारिक सम्मेलन, वरिष्ठ सम्मेलन, विशेष संपर्क सम्मेलन और सोशल मीडिया के साथ इनफ्लुएंस के साथ सम्मेलन किया जाएगा। इस दौरान 21 तारीख को योग दिवस मनाया जाएगा। 23 तारीख को डॉक्टर श्यामा प्रसाद मुखर्जी की पुण्यतिथि पर बूथ कार्यकर्ताओं से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी खुद संपर्क करेंगे। 25 तारीख को मन की बात होगी और साथ ही आपातकाल की बरसी भी मनाई जाएगी। प्रदेशाध्यक्ष सीपी जोशी ने कहा कि बीजेपी की सरकार ने कभी कोई योजना बंद नहीं की है। यह काम हमारा नहीं है बल्कि कांग्रेस वालों का है। भामाशाह के नाम से उन्हें इतनी नफरत क्यों थी, जो बंद कर दिया। अन्नपूर्णा देवी के नाम से शुरू की गई योजना भी बंद कर दी। उसकी जगह हो वह इंदिरा गांधी के नाम से योजना ले आए। इंदिरा गांधी जी के हम और देश सम्मान करते हैं लेकिन अन्नपूर्णा देवी से उन्हें क्या प्रॉब्लम हो सकती है। भाजपा ने हमेशा योजना बंद नहीं बल्कि बढ़ाने का काम किया है। उन्होंने कहा कि पहले हमारा देश अर्थव्यवस्था में बॉटम 5 में आया करता था। हमें जिसने गुलाम बनाया था, आज हम उसको पछाड़ कर टॉप 5 में पहुंच चुके हैं। यह सिर्फ प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के विजन की वजह से हुआ। उनकी मेहनत से हुआ। आज अंतर्राष्ट्रीय संस्था का भी मानना है कि आगामी तीन सालों में इकोनॉमिक स्तर पर हम टॉप 3 में पहुंच जाएंगे। यह हमारी सबसे बड़ी उपलब्धि है।

कांग्रेस व भाजपा ने देश को लूटने में कोई कसर नहीं छोड़ी : अरविंद केजरीवाल

जींद(हिंस)। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल ने कहा कि अब तक मजबूरी थी कि कांग्रेस से नाराज होकर भाजपा को वोट दे दिए और भाजपा से नाराज होकर कांग्रेस को वोट दे दिए। अब तीसरा विकल्प आम आदमी पार्टी के रूप में लोगों के सामने आ गया है। हरियाणा की जनता एक बार उन्हें मौका देकर देखें। उन्होंने कांग्रेस तथा भाजपा को को भ्रष्ट बताते हुए आगामी चुनाव में झाड़ू से साफ करने का आह्वान करते हुए कहा कि हरियाणा उनकी जन्मभूमि है, जबकि दिल्ली उनकी कर्मभूमि है। दिल्ली के मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल तथा पंजाब के मुख्यमंत्री भगवंत मान गुरुवार को जींद में आयोजित तिरंगा यात्रा में पहुंचे थे। केजरीवाल ने कहा कि दिल्ली उनकी कर्मभूमि है तो हरियाणा जन्मभूमि है। उन्होंने दिल्ली में तीन लाख बच्चों को नौकरी देने का काम किया है। पंजाब में भी भगवंत मान ने 30 हजार सरकारी नौकरियां दे दी हैं तो तीन लाख प्राइवेट नौकरी देने का इंतजाम कर रहे हैं। अगर जनता उन्हें एक मौका दे देगी तो बच्चों को अच्छी शिक्षा देने का काम करेंगे। प्राइवेट स्कूलों की गुंडागर्दी खत्म कर देंगे। केजरीवाल ने कहा कि पिछले दिनों एक जनसभा में एक व्यक्ति ने हरियाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल से कहा था कि उन्हें केवल आठ घंटे ही बिजली मिल पा रही है, इसका समय बढ़ाया जाए। जिस पर सीएम मनोहर लाल ने स्पष्ट रूप से मना कर दिया था लेकिन वह ऐलान करते हैं कि जिस दिन उनकी आम आदमी पार्टी की सरकार बन गई, अगले दिन से ही 24 घंटे बिजली मिलेगी। पंजाब के सीएम भगवंत मान ने कहा कि जब पंजाब में नौकरी दी जा सकती है तो हरियाणा में भी नौकरियां दी जा सकती हैं। मान ने कहा कि चाहे पंचायती चुनाव हों या निकाय, विधानसभा चुनाव हों या फिर लोकसभा चुनाव हों, हर चुनाव में जनता को एक ही निशान याद रखना हैए वो है झाड़ू का। इसलिए हरियाणा में एक नए बदलाव की शुरूआत करते हुए आम आदमी पार्टी को मौका देकर प्रदेश को भ्रष्टाचार मुक्त बनाने का काम करें। हरियाणा की धरती से पैदा हुआ अरविंद केजरीवाल, जिसने पूरे देश की राजनीति की दशा और दिशा बदल कर रख दी। बड़े-बड़े भ्रष्टाचारियों को अरविंद केजरीवाल का नाम बता दो वह कांपने लगते हैं। जींद का इलाका उनके लिए कोई बेगाना नहीं है। बहुत समय पहले जींद रियासत की राजधानी थी संगरूर, इस कारण पंजाब का रिश्ता जींद के साथ जुड़ा हुआ है और उनकी आपस में रिश्तेदारी और दोस्ती है। भगवंत मान ने कहा कि जब पंजाब में बिजली मुफ्त हो सकती है तो हरियाणा में भी बिजली मुफ्त हो सकती है। इस मौके पर आम आदमी पार्टी के राष्ट्रीय संगठन महामंत्री डॉ. संदीप पाठक, पार्टी के प्रदेशाध्यक्ष डॉ. सुशील गुप्ता, प्रदेश प्रचार समिति के अध्यक्ष डॉ. अशोक तंवर, सीनियर वाइस प्रेसिडेंट अनुराग ढांडा, पूर्व मंत्री निर्मल सिंह और प्रदेश उपाध्यक्ष चित्रा सरवारा सहित अन्य वरिष्ठ नेता मौजूद रहे।

राजस्थान में 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले

जयपुर(हिंस)। राजस्थान के पुलिस बेड़े में बड़ा बदलाव हुआ है। बुधवार मध्य रात्रि 20 आईपीएस अधिकारियों के तबादले किए गए है। इनमें 15 आईपीएस को हाल ही में नवगठित जिलों में विशेषाधिकारी पुलिस के तौर पर लगाया गया हैं। मुख्यमंत्री अशोक गहलोत ने बुधवार को पुलिस मुख्यालय पर प्रदेश की कानून-व्यवस्था को लेकर उच्च स्तरीय बैठक ली थी। इस बैठक के बाद ही पुलिस बेड़े में बदलाव कर दिया गया। कार्मिक विभाग ने मध्य रात्रि दो तबादला सूची जारी कर 20 आईपीएस अधिकारियों को बदल दिया, जिनमें एडीजी साइबर क्राइम, एडीजी ट्रैफिक और भरतपुर आईजी के नाम शामिल हैं। इसके साथ 15 नवगठित जिलों में पुलिस विशेषाधिकारी नियुक्त किए गए हैं। कार्मिक विभाग की ओर जारी आदेश के अनुसार हवा सिंह घुमरिया को एडीजी ट्रैफिक, विजय कुमार सिंह को एडीजी साइबर क्राइम एवं तकनीकी सेवा, रुपिंदर सिंह को भरतपुर रेंज आईजी, राहुल प्रकाश को अति. पुलिस आयुक्त ट्रैफिक एवं प्रशासन जयपुर आयुक्तालय और रामेश्वर सिंह को उप महानिरीक्षक पुलिस सतर्कता पुलिस मुख्यालय लगाया गया है। कार्मिक विभाग ने राजेंद्र कुमार को विशेषाधिकारी दूदू, राजकुमार गुप्ता को विशेषाधिकारी केकड़ी, अरशद अली को विशेषाधिकारी सलूंबर, आलोक श्रीवास्तव को विशेषाधिकारी शाहपुरा, पूजा अवाना को विशेषाधिकारी अनूपगढ़, विनीत कुमार बंसल को विशेषाधिकारी फलौदी, सुरेंद्र सिंह को विशेषाधिकारी खैरथल, नरेंद्र सिंह को विशेषाधिकारी ब्यावर, अनिल कुमार को विशेषाधिकारी नीमकाथाना, शैलेंद्र सिंह इंदौरिया को विशेषाधिकारी सांचौर, सुशील कुमार को विशेषाधिकारी गंगापुर सिटी, बृजेश ज्योति उपाध्याय को विशेषाधिकारी डीग, रंजीता शर्मा को विशेषाधिकारी (पुलिस), कोटपूतली-बहरोड़, हरि शंकर को विशेषाधिकारी बालोतरा, प्रवीण नायक नूनावत को विशेषाधिकारी पुलिस डीडवाना-कुचामन लगाया गया है।

लुधियाना कोर्ट परिसर में कूड़े की आग में कांच की बोतल फटने से धमाका

चण्डीगढ़ (हिंस)। लुधियाना कोर्ट परिसर में गुरुवार सुबह उस समय हड़कंप मच गया, जब यहां के माल गोदाम में धमाका हुआ। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर जांच की तो माल गोदाम की इमारत के शीशे टूटे मिले। लुधियाना कोर्ट में पहले भी बम धमाका हो चुका है। गुरुवार को हुई घटना के बाद जब जांच की गई तो पता चला कि धमाका कांच की बोतल फटने से हुआ, जिसके टुकड़े सफाई कर्मचारी के पांव में लगे। आज कोर्ट कॉम्प्लेक्स परिसर में बने सदर थाना के माल गोदाम की सफाई की जा रही है। इंस्पेक्टर नीरज चौधरी ने बताया कि सफाई कर्मी अक्सर कूड़े को आग लगा देते हैं। ऐसा ही आज किया गया। जब कूड़े को आग लगाई गई तो उसमें कांच की बोतल थी, जो तापमान ज्यादा होने के कारण फट गई और धमाका हो गया। कांच के टुकड़े खिड़कियों में लगने से शीशे टूटे। फिर भी सर्च ऑपरेशन चलाया गया, लेकिन कुछ नहीं मिला।

मंत्रालयिक कर्मचारियों ने आरटीडीसी चेयरमैन का किया घेराव

जयपुर(हिंस)। पिछले दो माह से राजधानी जयपुर में महापड़ाव डाल बैठे मंत्रालयिक कर्मचारियों की मांगों पर महापड़ाव और आमरण अनशन के बाद भी सरकार की ओर से कोई निर्णय नहीं होने से नाराजगी बढ़ गई है। मंत्रालयिक कर्मचारियों ने गहलोत सरकार के मंत्रियों को घेरना शुरू कर दिया है। इसी कड़ी में गुरुवार सुबह ही महापड़ाव से रवाना होकर बड़ी संख्या में कर्मचारी पहले तो जलदाय मंत्री महेश जोशी के बंगले पहुंचे। जोशी के नहीं मिलने पर आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के फ्लैट पर पहुंच घेराव किया। हालांकि, करीब 2 घंटे तक राठौड़ के फ्लैट पर धरना देने के बाद भी कोई समाधान नहीं निकला। ऐसे में अब कर्मचारी महासंघ ने शुक्रवार से जल समाधि का एलान किया है। समान काम-समान वेतन की मांग को लेकर जयपुर में महापड़ाव कर रहे कर्मचारी गुरुवार को आरटीडीसी के चेयरमैन धर्मेंद्र राठौड़ के फ्लैट पर पहुंचे। करीब 2 घंटे तक धर्मेंद्र राठौड़ और कर्मचारियों के बीच बातचीत हुई लेकिन इस बातचीत में कोई समाधान नहीं निकला। राठौड़ ने कर्मचारियों से कहा कि सरकार उनकी मांगों को लेकर संवेदनशील है। जो वित्तीय मांग है, उनके लिए कमेटी बना दी जाएगी और गैर वित्तीय मांग के लिए तो मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के स्तर पर

बात करेंगे। कर्मचारी इस पर सहमत नहीं हुए। उन्होंने कहा कि आश्वासन बहुत हो गया, अब फैसला चाहिए। कर्मचारियों ने धर्मेंद्र राठौड़ के रवाना होने के साथ ही एलान कर दिया कि अब सरकार से मांग मनवाने के लिए वे उग्र आंदोलन करेंगे। कर्मचारी नेता मुकेश मुद्गल ने बताया कि धर्मेंद्र राठौड़ ने आश्वस्त किया है कि वह कर्मचारियों की मांगों को लेकर मुख्यमंत्री से बात करेंगे, लेकिन हमें अब आश्वासन नहीं चाहिए। 60 दिन से कर्मचारी राजधानी जयपुर में महापड़ाव डाले हुए हैं, लेकिन सरकार कर्मचारियों की मांगों पर कोई निर्णय नहीं कर रही है। उन्होंने कहा कि कर्मचारी की प्रमुख मांग ग्रेड पे में जो संशोधन गहलोत सरकार में हुआ था, उसे बीजेपी सरकार के वक्त वापस ले लिया गया उसे वापस बहाल किया जाए। इसके अलावा सचिवालय कर्मचारियों के समकक्ष कर्मचारियों को वेतन दिया जाए और जो कर्मचारियों की वेतन कटौती हो रही है उसे वापस लिया जाए, यह प्रमुख मांग है जिसे सरकार को पूरा करना है। इनमें से वेतन कटौती को वापस लेने की बात कांग्रेस ने सत्ता में आने से पहले अपने घोषणापत्र में भी की थी। कर्मचारी नेता नीलम यादव ने कहा कि सरकार संवेदनशीलता की बात करती है, लेकिन अनशन पर बैठे कर्मचारी हॉस्पिटल में भर्ती हैं। महापड़ाव में शामिल कर्मचारियों की मौत हो गई फिर किस लिहाज से सरकार को संवेदनशील कहा जा सकता है। कर्मचारी 7 दिन से महापड़ाव डाले हुए हैं। महिलाएं बच्चों के साथ में महापड़ाव में शामिल है, किस तरह से सरकार को संवेदनशील कहा जाए। उन्होंने कहा कि सरकार को अगर कर्मचारियों को लेकर संवेदनशीलता होती तो आश्वासन देना बंद करें और जो वाजिब मांगे हैं उन्हें पूरा करें। सुबह मंत्रालयिक कर्मचारी पहले जलदाय मंत्री महेश जोशी का घेराव करने के लिए उनके बंगले की ओर जा रहे थे, लेकिन सिविल लाइन स्थित राम मंदिर के पास में तैनात पुलिस ने कर्मचारियों को रोक लिया। इस दौरान मंत्रालयिक कर्मचारियों ने नारेबाजी की। कर्मचारियों की बढ़ती नाराजगी को देखते हुए पुलिस ने 100 से ज्यादा कर्मचारियों को हिरासत में लिया।

अब मानसा में होगी *सरकार आपके द्वार* कैबिनेट की बैठक

चंडीगढ़ (डहिंस)। पंजाब सरकार द्वारा शुरू किए गए *सरकार आपके द्वार* कार्यक्रम के तहत मान मंत्रिमंडल की अगली बैठक 10 जून को मानसा में होगी। मुख्यमंत्री भगवंत मान ने गुरुवार को ट्वीट करके इस बारे में जानकारी दी। मुख्यमंत्री ने कहा कि वादे के अनुसार, *सरकार तुहाडे द्वार* की कड़ी में पंजाब सरकार की कैबिनेट की अहम मीटिंग 10 जून की दोपहर 12 बजे शुरू होगी। बैठक में कई अहम फैसलों के बारे में चर्चा की जाएगी। साथ ही इस संबंध में अन्य जानकारियां भी जल्द देने की बात कही। इससे पहले *सरकार तुहाडे द्वार* कड़ी की शुरुआत 17 मई को जालंधर के सर्किट हाउस की कैबिनेट मीटिंग से हुई थी।

सीवरेज ओवरफ्लो व पानी की समस्या पर विधायक ने लगाई अफसरों की क्लास

फरीदाबाद(हिंस)। फरीदाबाद विधानसभा क्षेत्र से भाजपा विधायक नरेंद्र गुप्ता एक्शन मोड में नजर आ रहे हैं। हाल ही में डिस्पोजल्स के औचक निरीक्षण तथा अधिकारियों को कड़ी फटकार लगाए जाने के बाद विधायक नरेंद्र गुप्ता ने गुरुवार विधानसभा क्षेत्र में पानी, सड़क, सीवरेज समस्या सहित अन्य समस्याओं व विकास कार्यों को लेकर नगर निगम अधिकारियों के साथ बैठक की। इस दौरान नगर निगम के एक्सईएन सहित संबंधित अधिकारी मौजूद रहे। इस दौरान विधायक नरेंद्र गुप्ता ने समस्याओं के समाधान में अधिकारियों की सुस्ती पर उनकी जमकर क्लास लगाई और उन्हें 15 दिन का अल्टीमेटम देते हुए कहा कि यदि निर्धारित समय सीमा में समस्याओं का समाधान नहीं किया

गया तो लापरवाही बरतने वाले अधिकारी व कर्मचारी कार्रवाई के लिए तैयार रहें। दरअसल, विधायक नरेंद्र गुप्ता के पास लगातार कई क्षेत्रों में पीने के पानी में सीवरेज का पानी मिक्स होकर आपूर्ति आने की शिकायतें उनके पास आ रही हैं। वहीं कई जगह लोग सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से जूझ रहे हैं। इसके अलावा ओल्ड फरीदाबाद के कई क्षेत्रों में पानी की समस्या से लोग परेशान हैं। ऐसे में विधायक नरेंद्र गुप्ता ने अधिकारियों को सख्त निर्देश दिए कि सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या को दूर करने के लिए अधिकारी संबंधित क्षेत्रों में सीवरेज की सफाई करवाएं। इसके अलावा जहां पीने के पानी के साथ सीवरेज का पानी आ रहा है, वहां लाइन चैक करें और यदि कहीं कोई लाइन मिक्स हो रही है तो उसे ठीक किया जाए। इसके अलावा विकास कार्यों के जो टेंडर किए गए हैं, उनकी समीक्षा की गई तथा जिन कार्यों के टेंडर हो गए हैं, उनको शीघ्र शुरू करने के निर्देश दिए। गुप्ता ने कहा कि बरसात से पूर्व सभी सीवरेज की सफाई करवाई जाए ताकि लोगों को जल भराव व सीवरेज ओवरफ्लो की समस्या से न जूझना पड़े। यदि 15 दिन के अंदर कार्य पूरे नहीं किए गए तो आवश्यक कार्रवाई अमल में लाई जाएगी।

भाजपा एवं जजपा का गठबंधन मजबूत : डॉ. बनवारी लाल

रोहतक (हिंस)। हरियाणा के सहकारिता मंत्री डॉ. बनवारी लाल ने कहा कि प्रदेश में भाजपा एवं जजपा का गठबंधन मजबूत है और प्रदेश निरंतर उन्नति के पथ पर अग्रसर है। साथ ही उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी हर समय चुनाव के लिए तैयार रहती है। पार्टी के कार्यकर्ता निरंतर लोगों के बीच में रहकर पार्टी की नीतियों का प्रचार-प्रसार कर रहे है। सहकारिता मंत्री वीरवार को गुरू नानकपुरा में 45 करोड़ 27 लाख रुपए की लागत वाले पांच विकास कार्यों के शिलान्यास करने के बाद पत्रकारों से बातचीत कर रहे थे। उन्होंने कहा कि मुख्यमंत्री की यह सोच है कि धन के अभाव में किसी गरीब व्यक्ति को अपनी जान न गंवानी पड़े। इसीलिए उन्हें स्वास्थ्य बीमा का लाभ दिया गया है। सरकार द्वारा कल्याणकारी योजनाओं व सेवाओं को ऑनलाइन करके व्यवस्था परिवर्तन की दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है। अब लोगों को सरकारी योजनाओं का लाभ लेने के लिए कार्यालयों के चक्कर नहीं काटने पड़ते।

मोदी सरकार ने कोरोना महामारी में 80 करोड़ लोगों को दिया राशन : कृष्णपाल गुर्जर

फरीदाबाद (हिंस)। केंद्रीय मंत्री कृष्णपाल गुर्जर ने कहा कि फरीदाबाद में हर माह फ्री में लगभग 25000 क्विंटल गेहूं व 1300 क्विंटल चीनी बीपीएल परिवारों के लाभार्थियों में वितरित किया जा रहा है। गुर्जर ने कहा कि देश में बीपीएल परिवारों के 80, 000 करोड़ लोगों को कोरोना महामारी के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मुफ्त में राशन देने का काम किया है। वहीं हर बीपीएल परिवार के व्यक्ति को प्रतिमाह 2 किलो गेहूं तथा 3 किलो चावल दिया जा रहा है। वे गुरुवार को बल्लभगढ़ की अग्रवाल धर्मशाला में आयोजित लाभार्थी उत्सव में बोल रहे थे। उन्होंने वहां 10 गरीब परिवारों को बीपीएल कार्ड वितरित किए। केंद्रीय मंत्री ने बताया कि वर्तमान में जिला फरीदाबाद में कुल 185718 राशन कार्ड बनाए गए हैं, जिनमें 743033 सदस्य हैं। इनमें से 178859 बीपीएल राशन कार्ड व 6859 ए ए वाई श्रेणी के राशन कार्ड बनाए गए हैं, जो कि परिवार पहचान पत्र (पीपीपी) प्रणाली से सत्यापित डाटा के आधार पर लाभार्थी परिवारों को घर बैठे प्राप्त हुए हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा जारी हिदायतों के अनुसार आजादी के अमृत महोत्सव की श्रृंखला में इन सभी लाभार्थियों को जनवरी 2023 से राशन वितरण प्रारंभ कर दिया गया है। वर्तमान में बीपीएल कार्ड धारकों को एनएफएसए के तहत 5 किलोग्राम गेहूं प्रति व्यक्ति व एएवाई कार्ड धारकों को 35 किलोग्राम गेहूं प्रति राशन कार्ड फ्री में और 1 किलोग्राम चीनी ऑनलाइन पीओएस मशीन द्वारा वितरित की जा रही है।

मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल पर वरिष्ठ नागरिकों की बैठक

उधमपुर(हिंस)। उधमपुर स्थित डॉल्फिन होटल में मोदी सरकार के 9 साल बेमिसाल के तहत वीरवार को वरिष्ठ नागरिकों की एक बैठक आयोजित की गई। बैठक की अध्यक्षता जिला अध्यक्ष अरुण गुप्ता द्वारा की गई, जिसमें मुख्य रूप से संगठन मंत्री अशोक कौल के अलावा पूर्व विधायक व मंत्री पवन कुमार गुप्ता, प्रदेश उपाध्यक्ष पवन खजूरिया, संगठन महामंत्री विपिन शर्मा, उधमपुर सह प्रभारी सुशील मगोत्रा, सोमराज खजूरिया, राकेश गुप्ता उपस्थित रहे। कार्यक्रम में आगामी कार्यक्रमों को लेकर और 12 तारीख की रैली को लेकर विचार-विमर्श किया गया और साथ ही वरिष्ठ नागरिकों के साथ उनके पुराने कार्यों को लेकर भी चर्चा की गई। संगठन मंत्री अशोक कौल ने कार्यकर्ताओं से कहा कि उनके नि:स्वार्थ भाव से किए कार्यों से ही आज संभव हो पाया है की पूरे भारत वर्ष में भाजपा की सरकार है और हमारे माननीय प्रधानमंत्री नरेंद्र भाई मोदी जी के आज 9 साल के कार्यों में भारत एक नई दिशा की ओर आगे बढ़ रहा है। आज और 9 साल पहले के भारत में आपने आप में किए कार्यों को दर्शाता है। उन्होंने वरिष्ठ नागरिकों से बात करते हुए कहा कि वह लोग भाजपा की नींव हैं और उन्हीं की नींब के कारण आज भाजपा की विशाल इमारत खड़ी हुई है। पूर्व विधायक व मंत्री पवन कुमार गुप्ता ने भी मोदी जी के 9 साल बेमिसाल के पर अपने विचार रखते हुए कहा कि आज भारत पूरी तेज गति से आगे बढ़ रहा है। उन्होंने सभी से आगामी प्रोग्राम को लेकर और 12 तारीख की रैली को लेकर भी बात की। प्रदेश उपाध्यक्ष पवन खजूरिया ने भाजपा सरकार और मोदी जी के 9 साल बेमिसाल के बारे में बताते हुए कहा कि आज हमारा देश बाकी देशों की तुलना में सबसे आगे है। चाहे वह रोड की बात हो, बिजली, पानी की बात हो। जिस तरह मोदी सरकार ने एक बड़ी महामारी जो पुरे विश्व में आई लेकिन मोदी सरकार ने किसी को भी इस महामारी में भूखा नहीं सोने दिया और इस महामारी का डट के मुकाबला किया और पुरे भारतवर्ष मे मुफ्त इलाज और वैक्सीन दी गई। वहीं सह प्रभारी शील मगोत्रा जी ने भी सभी से कार्यों की चर्चा कर उन्हें आगामी कार्यक्रमों में बढ़-चढ़कर हिस्सा लेने को कहा। अंत में जिला अध्यक्ष अरुण गुप्ता ने सभी का आभार प्रकट किया कि वह सभी इस बैठक में आए और अपने-अपने विचार पार्टी को आगे बढ़ाने के लिए दिए।

बीएसएफ ने पाकिस्तानी ड्रोन गिराया, भारी मात्रा में हेरोइन बरामद

चंडीगढ़ (हिंस)। बीएसएफ के जवानों ने भारत-पाकिस्तान सीमा पर पाकिस्तानी ड्रोन को मार गिराकर भारी मात्रा में हेरोइन बरामद की है। इसके बाद जवानों ने एरिया में रात के समय ही सर्च शुरू कर दी है। सीमा पर तैनात जवानों को मध्य रात्रि भारतीय सरहद पर ड्रोन के आने की आवाज सुनाई दी। इस पर जवानों ने फायरिंग शुरू कर दी। कुछ समय बाद ही ड्रोन की आवाज आना भी बंद हो गई। जवानों ने एरिया में रात के समय ही सर्च शुरू कर दी। इस दौरान अमृतसर में अजनाला के अंतर्गत गांव भिंडीसैदा में जवानों ने ड्रोन जब्त कर लिया। जल्द ही ड्रोन को जांच के लिए फोरेंसिक लैब में भेजा जाएगा। इसी दौरान बीएसएफ ने तरनतारन के गांव वान में ड्रोन की आवाज सुनी। फायरिंग करने पर ड्रोन तो वापस चला गया, लेकिन जवानों ने पंजाब पुलिस की सहायता से रात के समय ही एरिया को सील कर सर्च अभियान शुरू कर दिया। पुलिस व जवानों की हरकत देख खेप को उठाने आया तस्कर अपना मोटरसाइकिल वहीं छोड़ भाग गया। पुलिस ने मोटरसाइकिल को जब्त करके जब जांच की, तो लिफाफे में हेरोइन बंधी मिली। पुलिस ने पैकेट से ढाई किलो हेरोइन बरामद की है, जिसकी अंतर्राष्ट्रीय बाजार में तकरीबन 17.5 करोड़ रुपए आंकी जा रही है। पुलिस ने मामला दर्ज करके अगली कार्रवाई शुरू कर दी है।

जैसलमेर में शादी की नीयत से अपहरण करने वाले मुख्य आरोपी सहित चार गिरफ्तार

जैसलमेर (हिंस)। जैसलमेर में शादी की नीयत से बालिका का अपहरण कर भगा कर ले जाने वाले मुख्य आरोपी सहित चार को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस अधीक्षक ने प्रेस वार्ता आयोजित कर जानकारी दी कि एक जून को परिवादी ने पुलिस को बताया कि सुबह उसकी बहन व पत्नी जो घर से सौ मीटर दूरी पर स्थित टांके पर पानी भरने के लिए गए तब विक्रमसिंह, अभयसिंह, पुष्पेन्द्रसिंह, पूनमनगर निवासी व एक अन्य फोरच्युनर गाडी में अपहरण कर ले गए है। परिवादी के अनुसार वे लोग उसकी बहन की शादी जबरदस्ती पुष्पेन्द्रसिंह निवासी पूनमनगर के साथ करना चाहते हैं। प्रकरण की वारदात की गंभीरता को देखते हुए जिला पुलिस अधीक्षक विकास सांगवान के निर्देशों की पालना में अलग अलग पुलिस टीमों का गठन कर टीमों द्वारा डीसीआरबी

के सहयोग व सूचना के आधार पर अपहर्ता बालिका को दस्तयाब कर उसके परिजनों को सुपुर्द किया गया। अपहरण करने वाले मुख्य आरोपी पुष्पेन्द्रसिंह पुनमनगर को तीन जून को गिरफ्तार कर न्यायिक अभिरक्षा में भिजवाया गया। प्रकरण के शेष आरोपितों, विक्रमसिंह, अभयसिह व त्रिलोकसिंह को बुधवार को गिरफ्तार किया गया। प्रकरण की वारदात में प्रयुक्त वाहन को भी जब्त किया गया। प्रकरण में पूछताछ व विस्तृत अनुसंधान जारी हैं। गौरतलब है कि विगत कुछ दिनों से राष्ट्रीय मीडिया में यह प्रकरण काफी सुर्खियों में रहा। बदमाश बॉलीवुड फिल्मों की स्टोरी की तर्ज पर युवती को गाडी में उठाकर ले कर गए और इनमें से एक आरोपी ने घास जलाई और लड़की को गोद में उठाकर फेरे ले लिए। जिसका सोशल मीडिया पर वीडियो भी वायरल हुआ था। यह सारा मामला जैसलमेर के मोहनगढ़ थाना क्षेत्र के सांखला गांव का था। परिजनों की शिकायत पर पुलिस ने लड़की को उसी दिन छुड़ा लिया था और आरोपी को अरेस्ट कर कोर्ट में पेश किया जहां से उसे जेल भेज दिया गया। परिजनों ने सोमवार को कलेक्टर ऑफिस के बाहर प्रदर्शन कर सभी आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की थी।

हरियाणा में पांच घंटे का होगा चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का कार्य-समय

चंडीगढ़ (हिंस)। स्कूल शिक्षा मंत्री कंवर पाल की अध्यक्षता में बैठक का आयोजन किया गया जिसमें चतुर्थ श्रेणी यूनियन की मांग पर विभाग के अंशकालीन चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का कार्य समय पांच घंटे करने निर्णय लिया गया ताकि यह कर्मचारी निगम वेज अनुसार मानदेय लेने के पात्र बन जाएं। बैठक में अवगत करवाया गया कि राज्य के सरकारी स्कूलों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी के कर्मचारियों को स्कूल अनुसार अलग-अलग घंटे कार्य करने की अनुमति दी हुई है जिसके कारण उन्हें अलग अलग वेतन दिया जा रहा है। चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों का सभी स्कूलों में कार्य समय बढ़ाये जाने और इनकी वेजीज कौशल निगम के तहत लाने का निर्णय लिया गया है। स्कूल शिक्षा मंत्री ने कहा कि राजकीय प्राथमिक विद्यालय राजकीय माध्यमिक विद्यालय, राजकीय उच्च विधालय, राजकीय वरिष्ठ माध्यमिक विधालय तथा खंड शिक्षा अधिकारी कार्यालयों में कार्यरत चतुर्थ श्रेणी कर्मचारियों के कार्य के समय को बढ़ाया जाने तथा वेतन निगम वेज के अनुसार दिए जाने से सभी जिलों में इन वर्कर की वेतन विसंगति दूर हो जाएगी सभी पार्ट टाइम कर्मचारियों को एक समान वेतन मिलेगा। उन्होंने कहा कि यह सभी औपचारिकताएं जून मास में पूरी कर ली जाए। बैठक में अतिरिक्त मुख्य सचिव राजेश खुल्लर, स्कूल शिक्षा निदेशक अशंज सिंह सहित कई वरिष्ठ अधिकारी मौजूद रहे।

मेटा ने भारत में शुरू किया वेरिफाइड प्रोग्राम : 699 रुपए में फेसबुक और इंस्टाग्राम पर ब्लू टिक मिलेगा, पहले से वेरिफाइड यूजर्स का टिक नहीं हटेगा

नई दिल्ली।

सोशल मीडिया कंपनी मेटा ने भारत में मेटा वेरिफाइड प्रोग्राम को शुरू कर दिया है। कंपनी के सीईओ मार्क जुकरबर्ग ने इसकी घोषणा की। उन्होंने इंस्टाग्राम पर लिखा, मेटा वेरिफाइड अब भारत, यूके और कनाडा में अवेलेबल है और ब्राजील में जल्द आ रहा है। भारत के लिए मेटा ने आईओएस और एंड्रॉयड डिवाइस यूजर्स के लिए 699 रुपए मंथली सब्सक्रिप्शन प्लान रखा है। कंपनी ने बताया है कि अगले कुछ महीनों में वेब यूजर्स 599 रुपए हर महीने देकर सब्सक्रिप्शन प्लान ले सकेंगे। इस सब्सक्रिप्शन प्लान के जरिए फेसबुक और इंस्टाग्राम में ब्लू टिक मिलेगा।

पहले से वेरिफाइड अकाउंट का नहीं हटेगा ब्लू टिक – मार्क जुकरबर्ग ने कहा कि जो फेसबुक और इंस्टाग्राम अकाउंट पहले से वेरिफाइड हैं, उन्हें ब्लू टिक सब्सक्रिप्शन प्लान नहीं लेना होगा। पहले से वेरिफाइड यूजर्स का ब्लू टिक नहीं हटेगा।

टेस्टिंग के दौरान पॉजिटिव रिजल्ट मिले – मेटा ने ब्लाग पोस्ट के जरिए कहा कि दुनिया के कई देशों में टेस्टिंग के दौरान पॉजिटिव रिजल्ट देखने को मिले हैं, जिसके बाद भारत में इस सर्विस को शुरू किया जा रहा है।

वेरिफाइड यूजर्स को मिलेंगे खास फीचर्स – ट्विटर ब्लू सब्सक्रिप्शन की तरह ही मेटा वेरिफाइड यूजर्स को भी कुछ खास फीचर्स मिलेंगे। जुकरबर्ग ने कहा, मेटा वेरिफाइड हमारी सर्विस, ऑथेंटिसिटी और सेफ्टी फीचर्स को बढ़ाने के लिए है। कंपनी का दावा है कि मंथली सब्सक्रिप्शन लेने वाले यूजर्स की कंटेंट विजिबिलिटी और रीच बढ़ेगी। इसके साथ ही फेसबुक और इंस्टाग्राम पर स्टोरीज और रील्स के लिए एक्सक्लूसिव स्टीकर्स मिलेंगे।

एक्ट्रा इंपर्सोनेशन प्रोटेक्शन मिलेगा, यानी कोई और आपकी फेक आईडी नहीं बना सकेगा। क्रिएटर्स को सपोर्ट करने के लिए फेसबुक पर हर महीने 100 स्टार मिलेंगे।

कंपनी ने बताया कि जिन यूजर्स को मेटा वेरिफाइड सब्सक्रिप्शन प्लान लेना है, उनकी उम्र कम से कम 18 साल होनी चाहिए। इसके साथ अकाउंट पर मिनिमम एक्टिविटी होनी जरूरी है। साथ ही, यूजर्स को एक गवर्मेंट आईडी अपलोड करनी होगी, जिसके अनुसार अकाउंट का नाम और फोटो मैच होना चाहिए। मैक्रोइकोनॉमिक डाउनटर्न, कॉम्पिटिशन और कम विज्ञापन के कारण रेवेन्यू में गिरावट आई है। कंपनी को पूंजी कुशल बनाने के लिए जुकरबर्ग नए मॉडल से रेवेन्यू बढ़ाना चाहते हैं। जुकरबर्ग ने मेटावर्स के लिए बड़ा इन्वेस्टमेंट किया है। वो इसकी भरपाई करना चाहते हैं।

न्यूज ब्रीफ

मैकडॉवेल नंबर वन दुनिया में सबसे बड़ा विस्की ब्रांड, भारतीय कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स का ब्रांड

नई दिल्ली । शराब के शौकीनों के लिए अच्छी खबर है। भारतीय कंपनी यूनाइटेड स्पिरिट्स का ब्रांड मैकडॉवेल नंबर वन दुनिया में सबसे बड़ा विस्की ब्रांड बना हुआ है। पिछले कैलेंडर वर्ष में इसकी बिक्री में महज 2.3 फीसदी की तेजी आई। लेकिन इसके बावजूद इसने दुनिया में अपनी बादशाहत बरकरार रखी है। पिछले साल यानी 2022 में इसके तीन करोड़ आठ लाख केस बिके। एक केस में 750 मिली की 12 बोतलें होती हैं। इस तरह एक केस में कुल नौ लीटर शराब होती है। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में सबसे अधिक बिकने वाली तीन विस्की ब्रांड भारत के ही हैं। इसमें फ्रेंच कंपनी पर्नो रिका के दो ब्रांड रॉयल स्टैग और इम्पीरियल ब्लू भी शामिल हैं। रिपोर्ट के मुताबिक दुनिया में पिछले साल सबसे ज्यादा बिक्री कोरिया की सोनजू कैटगरी के ब्रांड जिनरो की रही। इसकी बिक्री में 2022 में 6.8 फीसदी की उछाल आई। पिछले साल दुनियाभर के लोग 10.1 करोड़ केस इस शराब को गटक गए। कोरिया की कंपनी हिटजिनरो इस ब्रांड की शराब बनाती है। दूसरे नंबर पर सबसे ज्यादा बिकने वाली शराब सेन मुगलाई रही। जिन कैटगरी का यह ब्रांड फिलीपींस की मल्टीनेशनल कंपनी सेन मुगलाई बनाती है। पिछले साल इसके 3.8 करोड़ केस बिके जो 2021 के मुकाबले 3.3 फीसदी अधिक है। मैकडॉवेल नंबर वन दुनिया में तीसरी सबसे ज्यादा बिकने वाली शराब है। लेकिन विस्की ब्रांड में यह पहले नंबर पर है। चौथा स्थान डियाजियो के वोदका ब्रांड सिमरनऑफ का है। पिछले साल दुनियाभर में इसके 2.8 करोड़ केस बिके। जहां तक रम कैटगरी का सवाल है, तब टॉप 10 में भारत का कोई ब्रांड नहीं है। एलटी ग्रुप का ब्रांड टेडुए पहले नंबर पर है। यह दुनिया में पांचवां सबसे ज्यादा बिकने वाला शराब का ब्रांड है। पिछले साल इसकी बिक्री 2.7 करोड़ केस रही जो 2021 के मुकाबले 16 फीसदी ज्यादा है। अगर सबसे ज्यादा ग्रोथ की बात करें, तब इसमें इंडियन विस्की ब्रांड रॉयल स्टैग नंबर वन पर है। 2022 में इसकी बिक्री में 21 फीसदी बढ़ोतरी हुई।

10 नए विमान और 1000 कर्मचारी, विस्तारा के सीईओ ने बताया एयरलाइन का ये प्लान

नई दिल्ली । फुल सर्विस कैरियर विस्तारा चालू वित्त वर्ष में 10 विमान बढ़ाने और 1000 कर्मचारियों को हायर करने की योजना बना रहा है। कंपनी के एक शीर्ष अधिकारी ने अनुसार एयरलाइन ने पहले की योजना के अनुसार अमेरिका के लिए उड़ान नहीं भरने का फैसला किया है। वर्तमान में विस्तारा के पास 61 विमानों का बेड़ा है और कर्मचारियों की संख्या 5,200 से अधिक है। विस्तारा के मुख्य कार्यकारी अधिकारी विनोद कन्नन ने इस सप्ताह यहां बातचीत के दौरान कहा था कि गो फर्स्ट के बंद से प्रतिभाओं, खासकर पायलटों और चालक दल के सदस्यों का एक पूल तैयार हो गया है। उन्होंने कहा, एयर इंडिया और इंडिगो की तरह हमने भी उनकी भर्ती की है। हम यह सुनिश्चित करना चाहते थे कि हम सही नंबर और सही लोग। हम सामान्य प्रक्रिया से गुजरे जो हर एयरलाइन करेगी। फिर, केबिन क्रू के लिए पूरा नौकरी बाजार है जहां फ्रेशर्स आ रहे हैं। हम अब भी अच्छी प्रतिभाओं को आकर्षित करते हैं।

केंद्रीय मंत्री सिंधिया बोले- इस्पात उद्योग ने आयात घटाकर नौ साल में बचाई 34800 करोड़ की विदेशी मुद्रा

नई दिल्ली । सरकार की नीतियों की वजह से इस्पात उद्योग ने आयात में कमी लाकर देश की 34,800 करोड़ रुपये मूल्य की विदेशी मुद्रा बचाईहै ।साथही, करीब 6 करोड़ टन कच्चे इस्पात की क्षमता भी जोड़ी है। केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया ने 'इस्पात क्षेत्र में सरकार की सेवा, सुशासन व गरीब कल्याण के नौ वर्ष' कार्यक्रम में कहा, इस्पात उत्पादन में भारत ने जापान को पीछे छोड़ते हुए दूसरा स्थान हासिल कर लिया है। उन्होंने कहा कि भारतीय इस्पात क्षमता 2014-15 के 10.98 करोड़ टन से 46 फीसदी बढ़कर 2022-23 में 16.03 करोड़ टन पहुंच गई ।इस दौरान कुल इस्पात उत्पादन भी 8.89 करोड़ टन से बढ़कर 12.62 करोड़ टन पर पहुंच गया ।9 साल की इस अवधि में इस्पात की प्रति व्यक्ति खपत भी 60.8 किलोग्राम से 43 फीसदी बढ़कर 86.7 किलोग्राम पहुंच गई। राष्टीय इस्पात नीति 2017 के अनुसार, देश का लक्ष्य 2030-31 तक क्षमता बढ़ाकर 30 करोड़ टन और इस्पात उत्पादन 25 करोड़ टन करने का है।

प्रधानमंत्री मोदी से मिले ओपन एआई के सीईओ

सैम ऑल्टमैन बोले– प्रधानमंत्री से भारत में एआई के अवसरों और उसके रेगुलेशन के बारे में बात हुई

नई दिल्ली।

ओपन एआई के सीईओ सैम ऑल्टमैन ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की। आईआईटी दिल्ली में डिजिटल इंडिया डायलॉग्स इवेंट में सैम ऑल्टमैन ने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के साथ मीटिंग काफी अच्छी रही, वे आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर काफी उत्साहित थे।

ऑल्टमैन ने बताया कि मैंने प्रधानमंत्री से पूछा कि भारत ने चैटजीपीटी को इतनी जल्दी और इतना ज्यादा क्यों अपना लिया। प्रधानमंत्री के पास इसके बारे में शानदार जवाब थे। ऑल्टमैन ने कहा कि हमने भारत में एआई के अवसरों और उसके रेगुलेशन के बारे में भी बात की।

प्रधानमंत्री और चैटजीपीटी बनाने वाले सैम ऑल्टमैन के बीच यह मीटिंग ऐसे समय हुई है, जब भारत सरकार एआई बेस्ड चैटबॉट को रेगुलेट करना चाहती है। हालांकि, एआई को रेगुलेट करने के लिए भारत का दृष्टिकोण और ऑल्टमैन का दृष्टिकोण अलग-अलग हो सकता है।

एआई को रेगुलेट करना किसी एक देश का मुद्दा नहीं

हाल ही में इंडिया में केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा था जब चैटजीपीटी और बार्ड जैसे प्लेटफॉर्म की बात आती है तो कॉपीराइट और एल्गोरिथम को लेकर चिंताएं सामने आती हैं। पूरी दुनिया देख रही है कि एआई के लिए रेगुलेटरी सेटअप और फ्रेमवर्क क्या होना चाहिए जी7 देशों के डिजिटल मंत्री गंभीर रूप से चिंतित हैं कि इसके लिए फ्रेमवर्क क्या होना चाहिए इसलिए यह किसी एक देश का मुद्दा नहीं है। यह वैश्विक मुद्दा है, जिसे अंतरराष्ट्रीय नजरिए से देखा जाना चाहिए। एआई प्लेटफॉर्म के बढ़ते प्रभाव को विभिन्न देश देख रहे हैं। भारत में एआई से रिलेटेड कानून अन्य समान विचारधारा वाले देशों के साथ मिलकर तैयार किया जाएगा।

ओपन एआई पॉपुलर एआई चैटबॉट चैटजीपीटी की पेरेंट कंपनी

ओपन एआई ने नवंबर 2022 में दुनिया के लिए चैटजीपीटी अनवील किया था। इस एआई टूल ने तेजी से लोकप्रियता हासिल की है। म्यूजिक और पोएट्री लिखने से लेकर निबंध लिखने तक, चैटजीपीटी बहुत सारे काम कर सकता है। यह एक कन्वर्सेशनल एआई है। एक ऐसा आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस जो आपको इंसानों की तरह जवाब देता है।

चैटजीपीटी पर आप किस तरह के सवाल पूछ सकते हैं

इससे आप कोई भी सवाल पूछ सकते हैं। यानी ईमेल लिखने से लेकर सीवी तक आप इससे बनवा सकते हैं। रील या अपनी वीडियो कैसे वायरल करना है, इसका भी जवाब चैटजीपीटी देता है। वाइफ को क्या गिफ्ट दें, इस पर भी चैटजीपीटी आपको सुझाव देता है।

चैटजीपीटी लंबे जवाब की बजाय छोटे और सटीक शब्दों पूरी जानकारी देता है। किसी स्टूडेंट को डेमोक्रेसी पर एसे यानी निबंध लिखना है तो वह तुरंत चैटजीपीटी पर टाइप करेगा इसके बाद आपके सामने पूरा एसे लिखा हुआ आ जाएगा।

चैटजीपीटी की सीमाएं क्या हैं

चैटजीपीटी भले ही सभी तरह के सवालों का जवाब आसानी से देता हो, लेकिन इसकी कुछ सीमाएं भी हैं। ऐसे ही 4 सीमाओं के बारे में यहां जानते हैं।

सवालों के जवाब देने में कॉमन सेंस की कमी। सवाल के जवाब देते समय रेफरेंस नहीं बताता है। इमोशनल सिचुएशन को एनालिसिस करने में सफल नहीं है। इसके लिए किसी चीज के कॉन्टेक्स्ट को समझना मुश्किल होता है।

एनपीएस पर भी जल्द मिलेगा गारंटी रिटर्न, न्यूनतम सुनिश्चित रिटर्न योजना पेश करने की तैयारी में पीएफआरडीए

नई दिल्ली ।

पेंशन फंड रेगुलेटरी एंड डेवलपमेंट अथॉरिटी (पीएफआरडीए) एनपीएस के तहत न्यूनतम सुनिश्चित रिटर्न योजना को लॉन्च करेगा। पीएफआरडीए चेयरमैन दीपक मोहंती ने बताया, हम इस पर काम कर रहे हैं। नेशनल पेंशन सिस्टम (एनपीएस) के सदस्यों के लिए यह योजना होगी। इसे निकट भविष्य में शुरू किया जा सकता है। हालांकि, इस वजह से इसके सदस्यों के लिए लागत भी बढ़ जाएगी। न्यूनतम रिटर्न वाली गारंटी जोड़ने से अगर लागत बढ़ती है, तो इसका कुछ विपरीत असर दिख सकता है। अभी एनपीएस के तहत अगर एसेट अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 10 हजार करोड़ रुपये से कम हो तो पेंशन फंड मैनेजर एसेट के 0.09 फीसदी तक मैनेजमेंट शुल्क ले सकता है। एयूएम 10 हजार करोड़ से 50 हजार करोड़ रुपये तक होने पर मैनेजमेंट शुल्क अधिकतम 0.06 फीसदी हो सकता है। एयूएम 50 हजार करोड़ से 1.50 लाख करोड़ तक हुआ तो 0.05प्रतिशत शुल्क लगेगा। 1.5 लाख करोड़ रुपये से ज्यादा होने पर अधिकतम शुल्क की सीमा 0.03 फीसदी होगी। पीएफआरडीए चेयरमैन दीपक मोहंती ने कहा कि कम लागत वाले पेंशन फंडों के पास पूंजी नहीं है। गारंटी जोड़ने पर अतिरिक्त पूंजी आएगी। रिटर्न को आकर्षक रखना होगा ताकि वे सदस्यों को खींच सकें।

एलआईसी ने टेक महिंद्रा में हिस्सा बढ़ाया

भारतीय जीवन बीमा निगम (एलआईसी) ने टेक महिंद्रा लि. में अपनी हिस्सेदारी करीब 2 फीसदी बढ़ाकर 8.8 फीसदी कर ली है ।एलआईसी ने टेक महिंद्रा के 1.9 करोड़ शेयर औसतन 1,050.77 रुपये के भाव पर खरीदा है।

चालू वर्ष में 2.7 फीसदी रह सकती है वैश्विक वृद्धि दर

महंगाई और बढ़ती ब्याज दरों से वैश्विक अर्थव्यवस्था के लिए यह साल और अगला वर्ष अनिश्चितताओं वाला रहेगा। आर्थिक सहयोग एवं विकास संगठन (ओईसीडी) ने इसके साथ ही चालू वर्ष में वैश्विक वृद्धि दर के अनुमान को बढ़ाकर 2.7 फीसदी कर दिया है, जो नवंबर में 2.2 फीसदी था।

सोना सस्ता, चांदी की चमक भी फीकी

नई दिल्ली ।

कारोबारी सप्ताह के चौथे दिन सराफा बाजार में सोना और चांदी सस्ते भाव के साथ खुले। सराफा बाजार में सोने-चांदी की नई कीमतें जारी की गईं। सोना 24 कैरेट 430 रुपए प्रति 10 ग्राम सस्ती कीमत पर और चांदी 100 रुपए प्रति किलोग्राम सस्ती कीमत पर खुले। 22 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 55,350 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 55,200 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 55,200 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 56,650 रुपए पर कारोबार कर रही है। 24 कैरेट सोने की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में 10 ग्राम सोने की कीमत 60,370 रुपए, मुंबई सराफा बाजार में 60,220 रुपए, कोलकाता सराफा बाजार में 60,220 रुपए और चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 60,710 रुपए पर कारोबार कर रहा है। चांदी की कीमत की बात करें तो दिल्ली सराफा बाजार में एक किलोग्राम चांदी की कीमत 73,400 रुपए है, मुंबई सराफा बाजार और कोलकाता सराफा बाजार में भी चांदी की कीमत 73,400 रुपए है जबकि चेन्नई सराफा बाजार में कीमत 77,700 रुपए है।

जोमैटो ने अपना कचरा विज्ञापन वापस लिया, सोशल मीडिया पर क्यों हुई कंपनी की फजीहत

नई दिल्ली । रेस्तरां एग्रीगेटर जोमैटो ने लगान फिल्म में कचरा का किरदार निभाने वाले अभिनेता को रिसायकल्ड कचरे से बनी वस्तुओं के रूप में चित्रित करने पर हुई आलोचनाओं के बाद अनजाने में भावनाओं को आहत करने के लिए माफी मांगते हुए गुरुवार को अपना विज्ञापन वापस ले लिया। विश्व पर्यावरण दिवस के मौके पर पांच जून को एक विज्ञापन प्रसारित किया गया था, जिसमें कचरे के लिए हिंदी शब्द कचरा के साथ कचरा के चरित्र के बीच एक कड़ी दिखाई गई थी।

मदर डेयरी ने घटाए खाद्य तेल के दाम, धारा ब्रांड में 10 रुपये की कटौती

नई दिल्ली।

प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता कंपनी में से एक मदर डेयरी ने आम जनता को बड़ी राहत देते हुए अपने खाद्य तेल ब्रांड धारा के दामों में कटौती करने का फैसला लिया है। मदर डेयरी दिल्ली-एनसीआर में प्रमुख दूध आपूर्तिकर्ता है। कंपनी ने धारा खाद्य तेलों के मैक्सिमम रिटेल प्राइस (एमआरपी) में 10 रुपये प्रति लीटर की कटौती की है। कंपनी ने कहा कि ये नई दर बाजार में अगले हफ्ते से उपलब्ध हो जाएगी।

इस वजह से कम हुए दाम

कंपनी ने कहा कि एमआरपी में कमी वैश्विक बाजार में खाद्य तेलों की कीमतों में गिरावट के अनुरूप की गई है। धारा कंपनी के प्रवक्ता ने कहा कि अंतरराष्ट्रीय स्तर पर खाद्य तेल की कीमतों में लगातार गिरावट और सरसों जैसी घरेलू फसलों की बेहतर उपलब्धता की वजह से धारा खाद्य तेलों के सभी प्रकारों के एमआरपी में 10 रुपये प्रति लीटर की कमी की गई है। कंपनी ने दामों में कटौती के बाद खाद्य तेल के दामों को अपडेट कर दिया है जो अगले हफ्ते से बाजार में आ जाएंगे। धारा रिफाइंड सोयाबीन तेल की नई दर 140 रुपये प्रति लीटर होगी। धारा रिफाइंड राइसब्रान ऑयल के एमआरपी को घटाकर 160 रुपये प्रति लीटर कर दिया गया है। धारा रिफाइंड वेजिटेबल ऑयल की नई एमआरपी अब 200 रुपये प्रति लीटर होगी। धारा कच्ची घानी सरसों का तेल 160 रुपये प्रति लीटर जबकि धारा सरसों तेल 158 रुपए प्रति लीटर मिलेगा। धारा रिफाइंड सूरजमुखी तेल की एमआरपी अब 150 रुपये प्रति लीटर होगी। धारा मूंगफली का तेल 230 रुपये प्रति लीटर एमआरपी पर बेचा जाएगा। देश के सबसे पुराने खाद्य तेल ब्रांडों में से एक धारा को 25 साल पहले लॉन्च किया गया था। 2003 तक धारा का वितरण गुजरात कोऑपरेटिव मिल्क मार्केटिंग फेडरेशन द्वारा किया जा रहा था, जिसके पास देश का सबसे बड़ा डेयरी ब्रांड अमूल है।

2003 में ही मदर डेयरी के मालिकों, राष्ट्रीय डेयरी विकास बोर्ड ने जीसीएमएमएफ के साथ अपने अनुबंध को समाप्त कर दिया और खाद्य तेल ब्रांड धारा को मदर डेयरी में शामिल किया गया।

दुनिया के दूसरे सबसे सफल निवेशक थे राकेश झुनझुनवाला

निधन के 10 महीने बाद खुलासा, सालाना 65प्रतिशत रिटर्न के साथ 5 हजार रु. से कमाए 50 हजार करोड़

मुंबई।

देश के दिग्गज शेयर निवेशक राकेश झुनझुनवाला को निधन के 10 महीने बाद दुनिया का दूसरा सबसे सफल निवेशक बताया गया है। एक रिपोर्ट के मुताबिक, 37 साल के करिअर में उन्होंने सालाना औसतन 65प्रतिशत रिटर्न के साथ अपनी संपत्ति करीब 50 हजार करोड़ तक पहुंचा दी। झुनझुनवाला ने 1985 में सिर्फ 5,000 रुपए से निवेश शुरू किया था। झुनझुनवाला निधन पिछले साल 14 अगस्त 2022 को कार्डियक अरेस्ट से हुआ था।

टॉप पर अमेरिका की कंपनी जिम सिमंस

रिपोर्ट में विश्लेषकों ने कहा है कि 1985 से लेकर 14 अगस्त 2022 को अपने निधन तक झुनझुनवाला ने जो औसत रिटर्न हासिल किया वो सिर्फ जिम सिमंस से कम है। अमेरिकी कैपिटल मार्केट कंपनी रेनेसां टेक्नोलॉजीज के सिमंस 1988 से लेकर 2018 के बीच सालाना औसतन 66प्रतिशत रिटर्न के साथ दुनिया के सबसे सफल निवेशक बताए जाते हैं। झुनझुनवाला का रिटर्न इनसे सिर्फ 1प्रतिशत कम है। इसके मुकाबले दुनियाभर के अन्य दिग्गज निवेशकों जॉर्ज सोरोस, स्टेनली ड्रुकेंमिलर और वॉरेन बफे का सालाना रिटर्न सिर्फ 20प्रतिशत है।

झुनझुनवाला ने छोटी सी टीम से बनाया बड़ा मुनाफा

रिपोर्ट में विश्लेषकों ने कहा है कि 60-65प्रतिशत छोड़िए, लंबे समय तक सालाना 30प्रतिशत औसत रिटर्न पाने वाले निवेशक भी शायद ही मिलेंगे। रिसर्च एनालिस्ट ने आंका है कि झुनझुनवाला की सफलता सिमंस के मुकाबले बड़ी है, क्योंकि 66प्रतिशत रिटर्न हासिल करने के लिए सिमंस ने अलग-अलग सब्जेक्ट में सैकड़ों पीएचडी प्रोफेशनल्स को काम पर लगाया था। उनका काम भारी उतार-चढ़ाव वाले शेयरों और तुलनात्मक रूप से स्थिर शेयरों के पैटर्न का अध्ययन करना था। झुनझुनवाला ने ऐसा कुछ नहीं किया था। उनकी छोटी सी टीम थी।

रॉबर्ट विल्सन ने भी कमाया 30प्रतिशत रिटर्न

झुनझुनवाला की तरह ही एक अन्य निवेशक रॉबर्ट विल्सन ने अपने दम पर शेयर बाजार में निवेश से जोरदार कमाई थी। 1958 में उन्होंने अपनी मां से 15,000 डॉलर (अभी के हिसाब से करीब 12.40 लाख रुपए) लेकर निवेश शुरू किया था। साल 2000 तक उनकी संपत्ति बढ़कर 80 करोड़ डॉलर (अभी के हिसाब से करीब 6,600 करोड़ रुपए) हो गई थी। उन्होंने सालाना औसतन 30प्रतिशत रिटर्न हासिल किया था।

झुनझुनवाला के पास थे 32 कंपनियों शेयर

एक्सचेंजों पर उपलब्ध जानकारी के अनुसार जून एफवाय23 क्वार्टर में राकेश झुनझुनवाला के पास 32 कंपनियों शेयर थे। इन 32 कंपनियों में अनंत राज, टाटा मोटर्स, टाइटन, फेडरल बैंक, नजारा, स्टार हेल्थ जैसी कंपनियां शामिल थीं।

झुनझुनवाला की सफलता का राजः मुनाफे वाले शेयर नहीं बेचे, निवेश बढ़ाया

रिपोर्ट में कहा गया है कि असल में झुनझुनवाला ने कम्पाउंडिंग की ताकत अच्छी तरह समझ ली थी। उदाहरण के लिए उन्होंने टाइटन कंपनी का शेयर 2003 से तब खरीदना शुरू किया था, जब उसकी कीमत सिर्फ 3.87 रुपए थी। 12 अगस्त 2022 को इस शेयर की कीमत 2,472 रुपए तक पहुंच गई थी।

रुपया सात पैसे गिरकर 82.59 डॉलर पर

मुंबई । भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की मौद्रिक नीति की घोषणा से पहले गुरुवार को शुरुआती कारोबार में अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपया सात पैसे गिरकर 82.59 प्रति डॉलर के स्तर पर आ गया। अंतरबैंक विदेशी मुद्रा विनिमय बाजार में रुपया पिछले बंद भाव के मुकाबले सात पैसे की गिरावट के साथ 82.59 पर खुला। रुपया डॉलर के मुकाबले 82.52 पर बंद हुआ था। विदेशी मुद्रा कारोबारियों ने कहा कि रुपया एक सीमित दायरे में कारोबार कर रहा था और बाजार को आरबीआई की मौद्रिक नीति का इंतजार था। इस बीच छह प्रमुख मुद्राओं के मुकाबले अमेरिकी डॉलर की स्थिति को दर्शाने वाला डॉलर सूचकांक 0.09 प्रतिशत गिरकर 104 पर था।

'आदिपुरुष' का फाइनल ट्रेलर भव्य इवेंट में जारी

-लाखों लोगों की भीड़, भगवा झंडे, जय श्री राम के नारे

मुंबई (ईएमएस)। बीते दिनों ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष का फाइनल ट्रेलर भव्य इवेंट में जारी किया गया। फिल्म के लीड एक्टर्स प्रभास और कृति सेनन इस इवेंट का मुख्य आकर्षण थे। लाखों लोगों की भीड़, भगवा झंडे, जय श्री राम के नारे कुछ ऐसा ही नजारा ट्रेलर लांच के अवसर पर तिरुपति में देखने को मिला फिल्म का बजट 700 करोड़ रुपये बताया जा रहा है। फिल्म के राइट्स पहले ही 400 करोड़ से ज्यादा के बिक चुके हैं। फिल्म के गाने भी बेहद पसंद किए जा रहा हैं। दोनों कलाकारों ने इस मौके पर फिल्म से जुड़े अनुभव साझा किए। साथ ही प्रभास ने जहां अपना मैरिज प्लान बताया। वहीं, कृति ने प्रभास के व्यक्तित्व से जुड़ी कुछ बातों पर से पर्दा उठाया। प्रभास, कृति और सैफ अली खान की मुख्य भूमिका वाली फिल्म आदिपुरुष 16 जून को रिलीज हो रही है। ओम राउत की फिल्म आदिपुरुष का जब से फाइनल ट्रेलर आया है, तब ही से मूवी को लेकर और क्रेज नजर आ रहा है। फिल्म का ट्रेलर सोशल मीडिय पर टॉकिंग पॉइंट बना हुआ है। तिरुपति में हुए भव्य इवेंट के दौरान प्रभास और कृति ने अपने मन की बातें शेयर कीं। प्रभास ने शुरूआत फिल्म के एक डायलॉग के साथ की और फिल्म को लेकर अपना अनुभव साझा किया। इसी दौरान प्रभास ने अपनी पर्सनल लाइफ को लेकर भी एक बात कही। मस्ती के मूड में नजर आए प्रभास अपने फैंस से कहा मैं तिरुपति में ही शादी करूंगा। ये बात सुनकर सभी एक्साइटेड हो गए और हूटिंग करने लगे। बता दें कि प्रभास का नाम अनुष्का शेट्टी और कृति से जुड़ चुका है। इवेंट के दौरान कृति सेनन ने प्रभास की जमकर तारीफ की। कृति का का कहना था कि राम का किरदार प्रभास से बेहतर कोई नहीं कर सकता था। उन्होंने किरदार में रमने के लिए काफी मेहनत की है। प्रभास के व्यक्तित्व को लेकर कृति का कहना था, ये गलत धारणा है कि प्रभास कम बोलते हैं, वे सेट पर खूब बातें किया करते थे। वे स्वीट और हार्ड वर्किंग हैं। साथ ही वे खाने के भी बेहद शौकीन हैं। इवेंट में कृति और प्रभास का हग करना सोशल मीडिया पर चर्चा का विषय बना हुआ है। कृति साउथ के कई प्रोजेक्ट कर चुकी हैं लेकिन इतने बड़े स्तर पर यह उनकी पहली फिल्म है, जो पैन इंडिया रिलीज हो रही है।

मैं अटल हूं लेकर दर्शकों के सामने आ रहे पंकज त्रिपाठी

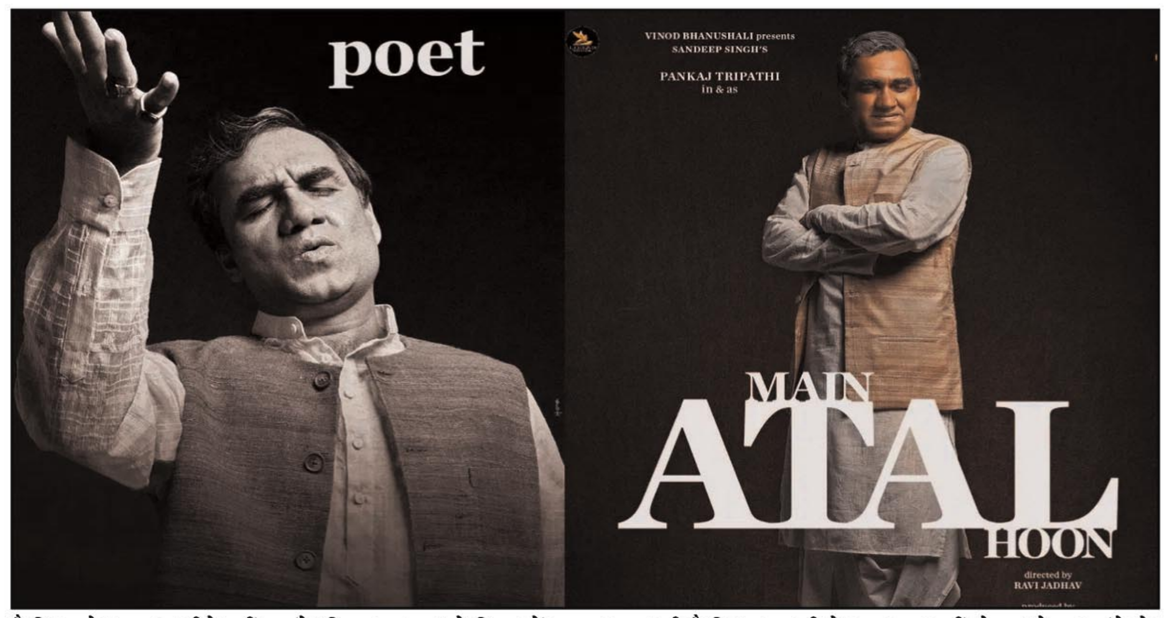

मुंबई (ईएमएस)। बॉलीवुड इंडस्ट्री में बायोपिक का दौर चल पड़ा है। सामाजिक कार्यो में अपना अहम योगदान देने वालीं कई शख्सियत पर अब तक फिल्में बन चुकी हैं। इसी कड़ी में एक और फिल्म जल्द ही थिएटर में ऑडियंस के सामने होगी। फिल्म निमार्ता विनोद भानुशाली जल्द ही अपनी फिल्म मैं अटल हूं के साथ रेडी हैं, जिस पर हाल ही में उन्होंने बताया कि फिल्म की शूटिंग कब शुरू होगी और कितने के बजट में ये फिल्म बनेगी। अपने अभिनय से दर्शकों को सीट से न उठने पर मजबूर करने वाले पंकज त्रिपाठी जल्द ही पूर्व प्रधानमंत्री अटल बिहारी वाजपेयी के किरदार को अदा करते हुए नजर आएंगे। फिल्म के निमार्ता भानुशाली ने फिल्म के बारे में कहा, इस फिल्म में अटल जी के बचपन से लेकर तीनों बार प्रधानमंत्री बनने तक का सफर दिखाया जाएगा। इस फिल्म को देखकर लोगों को पता चलेगा कि उन्होंने भारत के लोगों और भविष्य के लिए क्या-क्या किया। इस फिल्म को मुंबई, लखनऊ, कानपुर और दिल्ली में शूट किया जाएगा। भानुशाली ने कहा, 7 जून से लखनऊ में पहले शेड्यूल की शूटिंग शुरू होगी। इससे पहले 20-22 दिन की शूटिंग हम कर चुके हैं। हमारी योजना करीब 60-65 दिनों में इस फिल्म की शूटिंग पूरी कर लेने की है। फिल्म मैं अटल हूं के बजट को लेकर खबरें आई थी कि इसे 30 करोड़ के बजट में बनाया जा रहा है। इस पर निमार्ता ने कहा, हमने इस फिल्म को लेकर कोई एक निश्चित बजट ध्यान में नहीं रखा है कि इसके ऊपर या नीचे नहीं जाएंगे। फिल्म को जो भी चाहिए, वह हर चीज हम दे रहे हैं। भानुशाली ने बताया कि मैं अटल हूं में पंकज त्रिपाठी अभिनेता हैं ही, लेकिन वह इस फिल्म को प्रोड्यूस भी कर रहे हैं। उन्होंने कहा, पंकज त्रिपाठी ने फिल्म का भार अपने कंधों पर ले लिया है कि यह फिल्म अच्छी बननी चाहिए। हम यह नहीं कह रहे हैं कि इस पर हम जरूरत से ज्यादा खर्च करने वाले हैं। हमारी टीम इस बात को दिमाग में रखकर चल रही है कि इस फिल्म पर कितना भार डालना चाहिए और उसी के हिसाब से इसकी रिलीज की योजना तैयार करने वाले हैं। जब भानुशाली से पूछा गया कि पूर्व पीएम अटल बिहारी वाजपेयी की भूमिका के लिए पंकज त्रिपाठी को ही क्यों चुना ? इसके जबाव में निमार्ता ने कहा, जब हम इस फिल्म की कास्टिंग पर बैठे, तब हमने पंकज जी को ध्यान में रखकर एक पोस्टर बनाया था। पंकज जी के पास हम वहीं पोस्टर लेकर पहुंचे थे। जब हमने उन्हें दिखाया, तब उन्होंने कहा कि अरे वाह, अटल जी बहुत अच्छे लग रहे हैं। फिर हमने कहा कि सर ये अटल जी नहीं, उनके रूप में आप हो। यह सुनकर वह भी चौंक गए। पंकज जी के बोलना का तरीका, शारीरिक हाव-भाव और हिंदी भाषा पर अच्छी पकड़ सब कुछ उन्हें इस भूमिका के लिए सबसे उपयुक्त अभिनेता बनाती है।

बिपाशा बसु की बेटी का पेट नेम है मिष्टी

-क्यूट वीडियो शेयर कर एक्ट्रेस ने किया खुलासा

मुबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर ने नवंबर में एक प्यारी सी बेटी को जन्म दिया, जिसका नाम उन्होंने देवी रखा है। हाल ही में बिपासा बसु ने देवी के डाक नाम यानी पेट नेम का खुलासा किया है। एक्ट्रेस ने एक वीडियो शेयर किया है। वीडियो में देखा जा सकता है कि ब्लैक टॉप, सनग्लासेज और चेहरे पर बड़ी सी स्माइल लिए बिपाशा बसु, देवी के साथ खेल रही हैं। बिपाशा बसु ने अपने इंस्टाग्राम पर एक वीडियो शेयर किया है, जिसमें एक्ट्रेस अपनी बेटी को बाहों में लिए पोज दे रही हैं। इसमें दोनों मां-बेटी एक दूजे को देखते हुए मुस्कुराते हुए पोज दे रही हैं। पूरे वीडियो में एक गाना बज रहा है, जिसमें देवी का डाक नाम रिवील किया गया है। यह मनमोहक वीडियो शेयर करते हुए बिपाशा ने कैप्शन में लिखा, देवी का डाक नाम मिष्टी है। उसका नाम उसकी पसंदीदा मूमू मां ने रखा है। उसे पूरी तरह से सूट करता है, बोंग गर्ल को उसका डाक नाम मिल गया है। फैंस को देवी का पेट नाम खूब पसंद आ रहा है और वे इस वीडियो पर कमेंट कर अपनी प्रतिक्रिया भी दे रहे हैं। बता दें, बिपाशा बसु और करण सिंह ग्रोवर फिल्म अलोन की शूटिंग के दौरान एक-दूसरे के प्यार में पड़ गए थे और साल 2016 में कपल ने शादी रचा ली।

मिजार्पुर 3 में आ रही ईशा तलवार

एक्ट्रेस ईशा तलवार फिलहाल मिजार्पुर 3 का इंतजार कर रही हैं। अपनी भूमिका के बारे में बात करते हुए उन्होंने कहा कि जब कोई एक महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है, तो दिलचस्प ड्रामे के अलावा किसी और चीज की उम्मीद न करें। एक्ट्रेस माधुरी यादव की भूमिका में हैं। सीजन 3 में वह मुन्ना भैया की पत्नी के रूप में नजर आएंगी और अपने पति की मौत का बदला लेने के लिए गुड्डू पंडित (अली फजल) और गोलू गुप्ता (श्वेता त्रिपाठी शर्मा) से मुकाबला करेंगी। ईशा ने कहा कि माधुरी यादव, जैसा कि हमने पहले ही मिजार्पुर सीजन 2 में देखा था, कालीन भैया से सत्ता लगभग छीन ली थी, जिसका किरदार पंकज त्रिपाठी ने निभाया था। जब आप शो में इस तरह के एक महत्वपूर्ण किरदार को देखते हैं, तो ड्रामा के अलावा कुछ भी उम्मीद न करें। यह अगला भाग शो की एक और कहानी के लिए छोड़ा जा सकता है क्योंकि मुन्ना की मौत के बारे में दर्शक अभी भी भ्रमित हैं, मैं इसे व्यक्तिगत अनुभव से जानती हूं।

कंगना और सलमान के वीडियो ने मचाई हलचल

-फैंस बोले- यार इनकी शादी करा दो

मुंबई (ईएमएस)। बालीवुड एक्ट्रेस कंगना रनौत ने सोशल मीडिया पर सलमान खान संग अपना एक थ्रो बैक वीडियो शेयर किया है। एक्ट्रेस कंगना ने वीडियो शेयर करते हुए सलमान खान से हैरान कर देने वाला सवाल भी पूछा है। जब से सलमान और कंगना का यह वीडियो सामने आया है, तब से सोशल मीडिया पर हलचल मच गई है। दोनों के फैंस वीडियो पर तरह-तरह के कमेंट कर रहे हैं। अब सवाल यह उठता है कि आखिर इस वीडियो में ऐसा क्या है जिसकी वजह से दोनों के फैंस चौंक गए हैं बता दें, इस वीडियो को शेयर करते हुए कंगना ने लिखा, ओएमजी!!! हम इतने जवान क्यों दिख रहे हैं? क्या इसका मतलब ये है कि अब हम नहीं हैं? इतना ही नहीं, उन्होंने वीडियो पर सलमान खान को टैग भी किया है। सलमान खान ने अभी तक इस वीडियो का जवाब नहीं दिया है। हालांकि, उनके फैंस कमेंट कर तरह-तरह के सवाल जरूर पूछ रहे हैं। फैंस द्वारा शेयर किए गए वीडियो पर एक यूजर ने कमेंट करते हुए लिखा, क्या आप दोनों साथ काम करने वाले हैं? दूसरे यूजर ने लिखा, सलमान कंगना के पीछे कंगना सलमान के पीछे टू मच फन। तीसरे यूजर ने लिखा, हाय! प्लीज कोई इनकी शादी करवा दो। चौथे यूजर ने लिखा, हमें #सांगू को अब एक करने की कोशिश करनी चाहिए। मालूम हो कि कंगना रनौत द्वारा शेयर किया गया वीडियो सलमान खान के लोकप्रिय टीवी शो दस का दम का है। इस वीडियो में कंगना रनौत घाघरा चोली पहनकर माधुरी दीक्षित और अनिल कपूर के पॉपुलर गाने धक धक करने लगा पर डांस करती नजर आ रही हैं। वहीं सलमान खान उनके डांस का आंनद लेते दिखाई दे रहे हैं।

क्लो कार्दशियन ने बोल्ड लुक में फैंस को किया इम्प्रेस

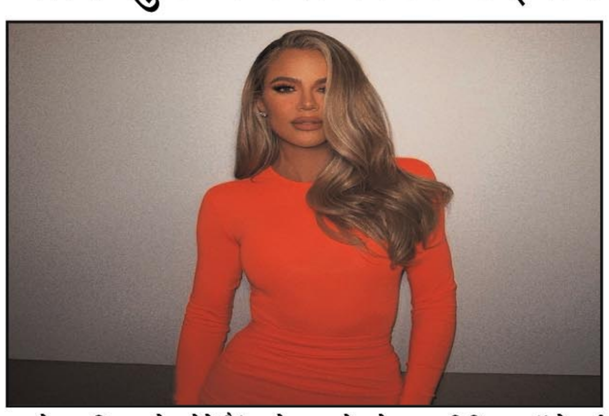

हॉलीवुड एक्ट्रेस क्लो कार्दशियन ने बोल्ड लुक में अपनी तस्वीरें शेयर करके फैंस को इंप्रेस करने की कोशिश की है। हालांकि क्लो काम से ज्यादा अपने हॉट लुक्स के कारण सुर्खियों में रहती हैं। वह अक्सर फैंस के साथ अपनी खूबसूरत तस्वीरें शेयर करती रहती हैं। हाल ही में एक बार फिर उन्होंने अपने नए लुक की फोटोज शेयर की हैं, जो इंटरनेट पर खूब वायरल हो रही हैं। उनके हॉट लुक की बात करें तो इन तस्वीरों में क्लो रेड कलर की बॉडीकोन ड्रेस में काफी बोल्ड लग रही हैं। इसके साथ उन्होंने न्यूड शेड लिपस्टिक लगाई है और कैजुअल मेकअप के साथ बालों को खुले रखा है। कैमरे के सामने वह किलर पोज देते फैंस को इम्प्रेस कर रही हैं। बता दें क्लो कार्दिशियन हॉलीवुड इंडस्ट्री की एक जानी मानी एक्ट्रेस हैं। इंस्टाग्राम पर एक्ट्रेस के 307 मिलियन फॉलोअर्स हैं। वह अपने काम के अलावा सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती है।

भारतीय सिनेमा के पायनियर बन चुके हैं सिद्धार्थ आनंद

सिद्धार्थ आनंद एक विजिनरी बॉलीवुड डायरेक्टर के रुप में जाने जाते हैं। अपने हर एक डायरेक्टोरियल प्रोजेक्ट्स से वह इंडियन सिनेमा के पायनियर बन चुके हैं। आनंद की ब्लॉकब्स्टर्स ने हिंदी सिनेमा को अनमोल रत्नों के रूप में ऐसी यादगार कहानियां दी हैं, जो हमेशा फैंस के जहन में रहती है। बचना ऐ हसीनो, अंजाना अंजानी और बैंग बैंग जैसी फिल्म्स ने थिएटर में ऑडियंस को जबरदस्त कहानियां और शानदार परफॉरमेंस देकर उनके पसंदीदा डायरेक्टर्स की श्रेणी में शामिल हो गए हैं। क्रिटिक्स और सिनेमाप्रेमी दोनों ही दर्शकों को एक शानदार सिनेमैटिक एक्सपीरियंस देने की आनंद की प्रतिभा से बहुत प्रभावित हैं। आनंद की फिल्मोग्राफी उनकी स्टोरीटेलिंग की कला और प्रतिभा का प्रतीक है। सिद्धार्थ की डायरेक्टोरियल डेब्यू फिल्म सलाम नमस्ते 2005 में रिलीज हुई थी, जिससे इंडस्ट्री में उनका कैरियर शुरू हुआ। फिल्म खासी हिट हुई थी और इसी फिल्म से सिद्धार्थ की बॉक्स-ऑफिस पर सुपरहिट फिल्मों का सिलसिला शुरू हुआ।

रितेश पांडेय और चांदनी सिंह का धमाकेदार गाना 'बल्ब कबो बरे बुत्ते' हुआ रिलीज

भोजपुरी सुपर स्टार रितेश पांडेय और चांदनी सिंह का धमाकेदार गाना बल्ब कबो बरे बुत्ते रिलीज हो गया है। इस गाने को पटना के गार्गी ग्रैंड होटल में धूमधाम से आदिशक्ति फिल्म्स के ऑफिशियल यू-ट्यूब से रिलीज किया गया है। इस गाने को रितेश पांडे के फैंस और भोजपुरी म्यूजिक लवर्स खूब इंजॉय कर रहे हैं। इससे गदगद रितेश पांडे ने कहा है कि यह उन्हें और अच्छा गाना गाने के लिए प्रेरित भी करते हैं। गाना बल्ब कबो बरे बुत्ते को लेकर रितेश पांडेय ने बताया कि यह एक कमर्शियल गाना है, जो लोगों को पसंद आ रहा है। मेरा हर गाना भोजपुरी और भोजपुरी से जुड़े लोगों को समर्पित रहा है। इसलिए मैं आशा करता हूं कि मेरे इस गाने को भी भोजपुरी को चाहने वाले बड़ा बनाएंगे। उन्होंने कहा कि इस गाने में मस्ती, रोमांस और आकर्षण है। समय-समय पर एक से बढ़कर एक गाना लेकर दर्शकों के दरवाजे पर दस्तक देना मुझे अच्छा लगता है। भोजपुरी के दर्शकों ने मुझे इतना प्यार दिया है कि जीवन भर उसके लिए मैं आभारी रहूंगा। चांदनी सिंह ने कहा कि गाना बल्ब कबो बरे बुत्ते से मैं एक बार फिर आदिशक्ति फिल्म्स के बैनर पर वापसी कर रही हूं। यह बेहद उत्साहित करने वाला है। आदिशक्ति फिल्म्स मेरे लिए हमेशा से लकी रहा है, इसलिए मैं इस बैनर से अपना जुड़ाव महसूस करती हूं। रही बात इस गाने की तो यह अब आपके बीच है इसे खूब सुने और बहुत सारा प्यार और आशीर्वाद दें। उन्होंने कहा कि रितेश पांडे के साथ काम करके खूब मजा आया। हमारी केमिस्ट्री इस गाने में लोगों को भी पसंद आने वाली है। उन्होंने कहा कि इस गाने में उनके लिए अपार संभावनाएं थी, जिसे उन्होंने स्क्रीन पर जीने का काम किया है। ऐसे में उन्हें दर्शकों से गाने को हिट कराने की काफी उम्मीद है।

शाहिद कपूर ने बताया ऐश्वर्या राय के साथ 'ताल' की शूटिंग का किस्सा

शाहिद कपूर इन दिनों अपनी अपकमिंग फिल्म ब्लडी डैडी को लेकर सुर्खियों में हैं। इस फिल्म में शाहिद सामान्य से अधिक असामान्य भूमिका निभाएंगे। फिलहाल वह "ब्लडी डैडी" के प्रमोशन में बिजी हैं और इसके लिए शाहिद कई इवेंट्स अटेंड कर रहे हैं। हाल ही में एक इंटरव्यू के दौरान शाहिद ने ऐश्वर्या राय के साथ फिल्म ताल की शूटिंग के अपने अनुभव के बारे में बात की। शाहिद कपूर ने 2003 में फिल्म इश्क विश्क से डेब्यू किया था, लेकिन एक जमाने में शाहिद बॉलीवुड में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर काम करते थे। शाहिद ने ऐश्वर्या के साथ कहीं आग लगेगी जावे गाने पर डांस किया। अभिनेता ने ऐश्वर्या के साथ काम करने के अनुभव के बारे में खुलकर बात की। शाहिद ने कहा, एक गाने की शूटिंग के लिए जाते समय मेरा एक्सीडेंट हो गया था। यह किसी को पता नहीं की मेरा एक्सीडेंट हो गया है। जब मैं सेट पर पहुंचा तो मेरी स्थिति बहुत खराब थी, लेकिन जब अच्छे शॉट हुए तो मैं बहुत खुश हुआ। मुझे आज भी याद है, गाने की शूटिंग डेट्स वाले दिन मैं बाइक चलाते हुए नीचे गिर गया था और फिर जब मैं सेट पर पहुंचा तो मैं बहुत डर गया था। शाहिद ने आगे कहा, जब मैं बाइक से गिरा तो मुझे समझ नहीं आया कि आखिर हुआ क्या है? वह दिन हमेशा मेरे जीवन के सबसे बुरे दिनों में से एक के रूप में याद किया जाएगा। ताल से पहले शाहिद ने शाहरुख खान और माधुरी दीक्षित की दिल तो पागल है में बैकग्राउंड डांसर के तौर पर भी काम किया था। इस बीच, शाहिद की आने वाली फिल्म ब्लडी डैडी 9 जून को ओटीटी प्लेटफॉर्म जियो सिनेमाज पर रिलीज होने वाली है। इस फिल्म में शाहिद के साथ रोनित रॉय, संजय कपूर, राजीव खंडेलवाल, डायना पेंटी मुख्य भूमिका में नजर आएंगे।

शादी के तीन महीने बाद ही स्वरा ने दी गुड न्यूज

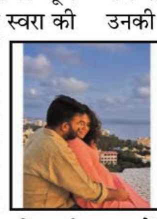

अभिनेत्री स्वरा भास्कर ने शादी के कुछ दिनों बाद ही प्रेग्नेंट होने की न्यूज दे दी है। हालांकि अभी तो स्वरा की शादी के चर्चे भी खत्म नहीं हुए थे कि उन्होंने फैंस को एक और झटका दे दिया है। शादी के तीन महीने बाद ही उन्होंने प्रेग्नेंसी की अनाउंसमेंट कर दी है। जाहिर है इस मुद्दे पर फैंस की चर्चा ना हो ऐसा तो हो नहीं हो सकता। गौरतलब है कि तीन महीने पहकि ही स्वरा ने समाजवादी पार्टी के नेता फहद अहमद संग अचानक निकाह कर सभी को हैरान कर डाला था। उनकी शादी बहस का विषय बन गईं थी। इसके बाद से ही खबरें आने लगी थी कि वह मां बनने वाली है, इसके चलते ही उन्होंने आनन-फानन में शादी करने का फैसला लिया। अब स्वरा ने खुद इन खबरों पर मुहर लगा दी है। उन्होंने इंस्टाग्राम पर अपनी एक तस्वीर शेयर की है, जिसमें वह बेबी बंप दिखाती नजर आ रही है।

सूडोकु नवताल- 6456

★☆☆☆☆ सरल

7	8				2	6		3
			4					
1	3	5		8				
	2			1			7	8
6	7			9			2	
				6		5	9	2
					3			
2		8	5				6	1

- प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.
- प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.
- पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते.
- पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -6455 का हल

4	3	2	9	5	6	1	7	8
6	8	5	7	1	4	9	2	3
9	1	7	3	8	2	4	5	6
3	4	8	6	2	7	5	1	9
5	6	1	8	4	9	2	3	7
2	7	9	5	3	1	6	8	4
1	9	3	4	7	5	8	6	2
8	2	4	1	6	3	7	9	5
7	5	6	2	9	8	3	4	1

Jagrutidaur.com, Bangalore

शब्दजाल - 7203

शब्दजाल में दस 'ग्रहों' के नाम ढूंढिए. दिए गए नाम उपर से नीचे व तिरछे हो सकते हैं.

शनि,बुध,गुरु,शुक्र,चंद्र,मंगल,राहू, केतु, हर्षल,प्लूटो

ता	ल	र	बु	दा	प	र	तू	ग	झ	न
ज	अ	ल	ध	आ	प्लू	टो	ब	त	शा	र
अं	इ	नु	दि	ल	दा	ल	ढ	र	ला	ई
श	म	अ	प	बे	र	क	फ	ह	र्ष	ल
स	नि	श	र	व	के	तु	इ	ग	वी	ट
री	रं	ल	च	व	लि	र्त	रा	ती	प	गु
जो	गा	ल	प	गा	प	म	हू	कौ	या	रु
चं	बा	शु	क्र	त	क	छ	प्रे	ग	श	थ
द्र	स	मि	व	व	न	ज	न	शा	जू	द
द	र	ल	म	ह	र	औ	के	स	प	ना
थो	औ	प	ग	र	मं	ग	ल	दु	र	क

शब्दजाल - 7202 का हल

आ	हु	मे	रि	द	इ	शी	श	म	ट	र्जी
को	म	क	ची	ड़	जी	ने	शि	दे	ड़	अ
ब	पी	जा	ह	र	ग	बा	द	व	प	शो
ला	ग	ए	ई	जा	भ	ब	ल	दा	लि	क
सा	ग	वा	न	जी	ह	ला	कि	र	प	म
पी	इ	वि	मो	ग	ब	र	ग	द	गी	स
न	प	ल	रा	व	मा	जो	न	व	प	त
क	रि	ल	र	य	र	प	नी	म	वि	रे
र	या	बा	बे	ह	न	ज	जी	शा	जू	ड्डी
र	ग	ल	नो	ला	व	गु	ल	मो	ह	र
बां	स	सा	ए	न	स	मे	व	क		ल

Jagrutidaur.com, Bangalore

अष्टयोग-6156

	1			2		3
5	33	3	35		27	
4		7	5	6	1	
	29		45		33	
	3		7		2	4
2	29	1	33	4	30	5
		5			6	1

प्रस्तुत खेल सुडोकू व जोड़ की पद्धति का मिश्रण है.खड़ी व आड़ी पंक्तियों में 1से 7 तक के अंक लिखने अनिवार्य हैं.गहरे काले वर्ग में लिखी संख्या चारों और के 8 वर्गों की संख्या का कुल योग होगी.सीधी अथवा आड़ी पंक्तियों में 1 से 7 तक के अंक होना अनिवार्य है.

अष्टयोग 6155 का हल

7	4	5	2	3	6	1
5	38	3	32	1	27	7
4	3	7	5	6	1	2
3	29	2	45	7	33	6
1	3	6	7	5	2	4
2	24	1	36	4	30	5
6	1	4	7	2	5	3

Jagrutidaur.com, Bangalore

एडम मिल्ने ने पांच साल बाद न्यूजीलैंड अनुबंध सूची में वापसी की

ऑकलैंड।

तेज गेंदबाज एडम मिल्ने को पांच साल में पहली बार न्यूजीलैंड क्रिकेट (एनजेडसी) के केंद्रीय अनुबंध की पेशकश की गई है। सूची में मिल्ने का उत्थान उनके सबसे अधिक उत्पादक अंतरराष्ट्रीय सीजन के कारण हुआ, जिसमें उन्होंने ब्लैक कैप्स (11 टी20 और पांच वनडे) के लिए 16 मैच खेले, जिसमें 24 के औसत से 24 विकेट लिए और इसमें करियर का सर्वश्रेष्ठ 5-26 शामिल है। श्रीलंका के खिलाफ दूसरे टी20 में, एक न्यूजीलैंडर द्वारा तीसरा सर्वश्रेष्ठ टी20 आंकड़ा है।

31 वर्षीय, जिन्होंने 2010 में अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में पदार्पण किया था, ब्लैक कैप्स के पिछले दो टी20 विश्व कप अभियानों का हिस्सा थे।

न्यूजीलैंड क्रिकेट ने अपनी वेबसाइट पर एक रिपोर्ट में कहा कि कोच गैरी स्टेड ने कहा कि केंद्रीय अनुबंध की मिल्ने को पेशकश पूरी तरह से योग्य थी और न्यूजीलैंड के लिए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट खेलने के लिए उनकी मजबूत और चल रही प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

स्टीड ने कहा, एडम ने असाधारण रूप से कड़ी मेहनत की है और पिछले कुछ वर्षों में इस अनुबंध की पेशकश को अर्जित करने की स्थिति में रहने के लिए अच्छा प्रदर्शन दिखाया है। वह हमेशा एक शीर्ष श्रेणी के गेंदबाज रहे हैं और हम हाल के घरेलू समर और पाकिस्तान के दौरे में उनके लगातार योगदान से प्रभावित हुए हैं।

फिन एलेन, मार्क चैपमैन, और ब्लेयर टिकनर को पिछले साल की मिड-सीजन सूची में शामिल होने के बाद बरकरार रखा गया है, ट्रेंट बोल्ट, कॉलिन डी ग्रैंडहोम और मार्टिन गुप्टिल की जगह - जिनमें से सभी ने अनुरोध किया और उन्हें रिलीज कर दिया गया।

स्पिनर एजाज पटेल, जो पिछले साल सूची में शामिल थे, लेकिन इस अवधि के दौरान सिर्फ दो टेस्ट खेले, उन्हें केंद्रीय अनुबंध की पेशकश नहीं की गई है।

बौल्ट ने फिर से एक केंद्रीय अनुबंध को अस्वीकार करते हुए, खेल कार्यक्रम में भाग लेने के लिए ब्लैक कैप्स के लिए उपलब्ध होने को प्रतिबद्ध किया है और उस आधार पर, एक आकस्मिक खेल समझौते की पेशकश की गई है।

मास्टर समझौते की शर्तों के तहत, खिलाड़ियों के पास अनुबंध प्रस्तावों को स्वीकार या अस्वीकार करने के लिए 12 जून तक का समय है।

खिलाड़ियों ने 2023/24 के लिए केंद्रीय अनुबंध की पेशकश की: फिन एलन, टॉम ब्लंडेल, माइकल ब्रेसवेल, मार्क चैपमैन, डेवोन कान्वे , लॉकी फर्ग्यूसन, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, टॉम लाथम, एडम मिल्ने, डेरिल मिशेल, हेनरी निकोल्स, ग्लेन फिलिप्स, मिशेल सेंटनर , ईश सोढ़ी, टिम साउदी , ब्लेयर टिकनर, नील वैगनर, केन विलियमसन, विल यंग।

न्यूज ब्रीफ

जामिया के लुकमान अली ने खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में जीता कांस्य पदक

नई दिल्ली। जामिया मिलिया इस्लामिया के मास्टर ऑफ सोशल वर्क के कार्यक्रम के प्रथम वर्ष के छात्र मो. लुकमान अली ने कुश्ती में खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में कांस्य पदक जीता है। खेलो इंडिया यूनिवर्सिटी गेम्स में 200 से अधिक विश्वविद्यालयों ने भाग लिया, जो भारत सरकार की खेलो इंडिया पहल का एक हिस्सा है। इसका उद्देश्य जमीनी स्तर पर खेलों को बढ़ावा देना और देश भर से युवा प्रतिभाओं की पहचान करना है। लुकमान ने जामिया की कुलपति प्रो. नजमा अख्तर (पद्मश्री) से उनके कार्यालय में प्रो. वसीम अहमद खान, निदेशक (खेल) और अन्य अधिकारियों के साथ मुलाकात की कुलपति ने लुकमान को इस महान उपलब्धि के लिए बधाई दी और उन्हें अपनी तरफ से 10,000 रुपये का नकद पुरस्कार दिया। जेएमआई के खेल निदेशक प्रो वसीम अहमद खान ने कहा कि लुकमान को विश्वविद्यालय की खेल समिति में शामिल करने एवं नकद पुरस्कार के साथ सम्मानित करने के लिए सिफारिश की जाएगी। लुकमान इससे पहले भी कई पुरस्कार जीत कर जामिया का नाम रौशन कर चुके हैं। उन्होंने मध्य प्रदेश में राष्ट्रीय जू जित्सु चैंपियनशिप-2023 में स्वर्ण पदक, ऑल इंडिया इंटर-यूनिवर्सिटी ग्रेपलिंग चैंपियनशिप में दो कांस्य पदक, भारतीय कुश्ती महासंघ द्वारा नंदनी नगर, उत्तर प्रदेश में आयोजित राष्ट्रीय कुश्ती चैंपियनशिपमें रजत पदक जीता है।

फ्रेंच ओपन...ओलिंपिक चैंपियन ज्वेरेव लगातार तीसरी बार सेमीफाइनल में: पिछले साल इसी टूर्नामेंट में चोटिल हुए थे, बैसाखियों के सहारे छोड़ा था कोर्ट

पेरिस। जर्मनी के ओलिंपिक चैंपियन एलेक्जेंडर ज्वेरेव ने फ्रेंच ओपन 2023 के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया है। उन्होंने क्वार्टर फाइनल में अर्जेंटीना के 22वीं सीड टॉमस मार्टिन एचेवेरी को 6-4, 3-6, 6-3, 6-4 से हराया। वे लगातार तीसरी बार टूर्नामेंट के सेमीफाइनल में प्रवेश कर गए हैं। ज्वेरेव का यह छठा ग्रैंड स्लैम सेमीफाइनल है। ज्वेरेव पिछले साल फ्रेंच ओपन के सेमीफाइनल में राफेल नडाल के खिलाफ चोटिल होकर टूर्नामेंट से बाहर हो गए थे। सेमीफाइनल में ओलिंपिक चैंपियन ज्वेरेव का सामना नॉर्वे के कैस्पर रूड से होगा। पिछले साल सेमीफाइनल मुकाबले के दूसरे सेट के 12वें गेम में नडाल के शॉट पर ज्वेरेव रिटर्न करते समय गिर पड़े थे। जहां उन्हें काफी ज्यादा चोट आई थी, बाद में उन्हें बैसाखी के सहारे कोर्ट से बाहर जाना पड़ा था। ज्वेरेव कोर्ट छोड़ते वक्त भावुक भी हो गए थे, उनकी आंखों में आंसू थे। ज्वेरेव उस चोट के बाद इस साल जनवरी में ऑस्ट्रेलियाई ओपन से वापसी किए थे, जहां उन्हें दूसरे दौर में हार मिली थी। सर्बिया के खिलाड़ी नोवाक जोकोविच ने क्वार्टर फाइनल मुकाबले में रूस के करेन खाचानोव को हराया। इस जीत के साथ जोकोविच अपने करियर के 45वें सेमीफाइनल में पहुंच गए हैं। जोकोविच को करेन ने बराबर की टक्कर दी। मैच के पहले सेट को करेन ने 6-4 से जीत लिया।

पूर्व बैडमिंटन दिग्गज पुलेला गोपीचंद ने इंडियन पैडल फेडरेशन से मिलाया हाथ, सूप्रिया देवगन बनी बोर्ड सदस्य

नई दिल्ली। इंडियन पैडल फेडरेशन (आईपीएफ) ने पूर्व महान बैडमिंटन खिलाड़ी पुलेला गोपीचंद को अपने सलाहकार के रूप में नियुक्त किया है। गोपीचंद को भारत सरकार की ओर से पद्म भूषण, द्रोणाचार्य और अर्जुन पुरस्कार से नवाजा गया है। आईपीएफ ने एक प्रेस रिलीज में कहा कि बैडमिंटन की दुनिया में अपनी विशेषता और अनुभव को लेकर गोपीचंद आईपीएफ में शामिल हो रहे हैं। गोपीचंद ने आईपीएफ के साथ अपनी साझेदारी के बारे में बात करते हुए कहा कि मैं एक सलाहकार के रूप में काफी खुश हूं और भारत में पैडल की वृद्धि और विकास में अपना योगदान देने के लिए उत्साहित हूं। पैडल एक जोरदार क्षमता वाला रोमांचक खेल है और मै इसे नई ऊंचाइयों तक ले जाने के लिए अपने अनुभव का उपयोग करूंगा। गोपीचंद ने आगे कहा कि इस पार्टनरशिप के माध्यम से मैं युवाओं की प्रतिभा से पैडल खिलाड़ियों की एक नई पीढ़ी को प्रेरित करने की कोशिश करूंगा। आईपीएफ के साथ मिलकर हम पैडल को एक मुख्य खेल के रूप में स्थापित करने की दिशा में काम करेंगे। पैडल काफी रोमांचक खेल है, जिस पर पूरे विश्व में बड़ी मात्रा में व्यापार निवेश किया जाता है। इस एक चीज ने 2017 बीडब्ल्यूएफ वर्ल्ड सीनियर बैडमिंटन चैंपियनशिप में ब्रॉन्ज मेडल विजेता और बैडमिंटन गुरुकुल की संस्थापक और प्रबंध निदेशक सुप्रिया देवगन का ध्यान आकर्षित किया।

नाबालिग पहलवान के बयान बदलने पर विनेश ने चुप्पी तोड़ी

बोली- डर-भय के माहौल में क्या बेटियों को इंसाफ मिलेगा ; 11 को बृजभूषण की रैली

पानीपत।

भारतीय कुश्ती संघ के पूर्व अध्यक्ष बृजभूषण सिंह के खिलाफ नाबालिग पहलवान के बयान बदलने पर विनेश फोगाट ने चुप्पी तोड़ी है। विनेश फोगाट ने कहा- डर और भय के माहौल में क्या बेटियों को इंसाफ मिल पाएगा ये बेटियाँ एक-एक करके हिम्मत ना हार जाएं इंसाफ की इस लड़ाई में हो रही देरी के कारण परमात्मा सबको हिम्मत दे। नाबालिग पहलवान ने बृजभूषण पर लगाए यौन शोषण के आरोप वापस ले लिए हैं। अब सिर्फ भेदभाव की शिकायत रखी है। इससे बृजभूषण की गिरफ्तारी की मांग कर रहे बजरंग पूनिया, साक्षी मलिक और विनेश फोगाट को झटका लगा है। नाबालिग पहलवान के बयान बदलने से बृजभूषण के ऊपर लगा पोकसो एक्ट हट जाएगा। ऐसे में अब कानूनन बृजभूषण की तुरंत गिरफ्तारी अनिवार्य नहीं होगी। बृजभूषण पर अब बालिग महिला पहलवानों के छेड़छाड़ के आरोप रह गए हैं, जिनमें कानूनी तौर पर तुरंत गिरफ्तारी की जरूरत नहीं है। वहीं केंद्रीय खेल मंत्री अनुराग ठाकुर से मीटिंग के बाद पहलवान 15 जून तक का इंतजार कर रहे हैं। ठाकुर ने भरोसा दिया कि 15 जून तक दिल्ली पुलिस इस केस की चार्जशीट कोर्ट में पेश कर देगी। पहलवान भले ही बृजभूषण की गिरफ्तारी पर अड़े हों लेकिन ये अब दिल्ली पुलिस की चार्जशीट पर निर्भर करेगा। उधर, अयोध्या में जनचेतना रैली के रद्द होने के बाद अब बृजभूषण 11 जून को कैसरगंज में एक बड़ी जनसभा करेंगे। मोदी सरकार के नौ साल पूरे होने के अवसर पर बृजभूषण शरण सिंह ये विशाल रैली कर रहे हैं। जिसमें 11 लाख लोगों की भीड़ जुटने की उम्मीद लगाई जा रहा है नाबालिग पहलवान के पहले और अब के बयान

पहले कहा- जबरन बाहों में जकड़ा, संबंध बनाने की कोशिश की - दिल्ली पुलिस के पास दर्ज एफआईआर में नाबालिग पहलवान व उनके पिता ने कहा- 16 साल की उम्र में झारखंड के रांची में नेशनल गेम्स में जूनियर रेसलिंग चैंपियनशिप में गोल्ड जीता। यहीं पर फोटो लेने के बहाने बृजभूषण ने जबरन बेटी को अपने करीब खींचा। उसे बाहों में इतना कसकर जकड़ लिया कि वह खुद को छुड़ाने के लिए हिल तक नहीं पाई। बृजभूषण हाथ उसके कंधे से नीचे ले गया। बृजभूषण ने उनकी बेटी से कहा कि तुम मुझे सपोर्ट करो और मैं तुम्हें सपोर्ट करूंगा। पहलवान बोली कि मैं अपने बलबूते यहां तक आई हूं और मेहनत करके आगे तक जाऊंगी। बृजभूषण ने कहा कि एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल जल्द होने वाले हैं। कोऑपरेट नहीं किया तो खमियाजा ट्रायल्स में भुगतना पड़ेगा। बृजभूषण ने नाबालिग पहलवान को कमरे में बुलाया। नाबालिग पहलवान प्रेशर में थी कि उसका करियर बृजभूषण बर्बाद न कर दे इसलिए वह मिलने चली गई।

वहां पहुंचते ही बृजभूषण ने उसे अपनी तरफ खींचा और जबरदस्ती शारीरिक संबध बनाने की कोशिश की। नाबालिग पहलवान इससे पूरी तरह सहम गई। उसने किसी तरह खुद को छुड़ाया और कमरे से बाहर भाग निकली।

अब कहा- ट्रायल में भेदभाव किया गया - 2022 के मई महीने में एशियन चैंपियनशिप के ट्रायल हुए बृजभूषण के कहने पर नाबालिग पहलवान के साथ भेदभाव किया। इसी ट्रायल में एक और बात हुई। ट्रायल में एथलीट के स्टेट से ही रेफरी और मैट चेयरमैन, दोनों नहीं हो सकते। नाबालिग पहलवान के ट्रायल के दौरान उसे दिल्ली के पहलवान के साथ लड़ाया गया जिसमें रेफरी और मैट चेयरमैन दोनों दिल्ली से थे। यह नियमों का उल्लंघन था। नाबालिग पहलवान ने वहीं पर इसका विरोध किया तो उससे दो-टूक कहा गया कि उसे खेलना होगा, वरना दूसरे एथलीट को वॉकओवर यानी विजेता घोषित कर दिया जाएगा। नाबालिग पहलवान के मैच के वक्त रिकॉर्डिंग को स्विच ऑफ और ऑन किया जाता रहा ताकि वीडियो में गड़बड़ी कर सकें।

नाबालिग का अंतिम बयान कौन सा, स्ट्र पर निर्भर - नाबालिग पहलवान व उसके पिता ने पहले दिल्ली पुलिस को बयान दिए। फिर सुप्रीम कोर्ट में जाकर बयान बदल दिए। हालांकि पहले यौन शोषण और अब भेदभाव में से कौन सा बयान अंतिम रहेगा, यह सुप्रीम कोर्ट पर निर्भर है। अगर सुप्रीम कोर्ट ने यौन शोषण के बयान सही माने तो फिर बृजभूषण की मुश्किलें बढ़ सकती है।

खेलमंत्री अनुराग ठाकुर से हुई थी 6 घंटे मीटिंग - इससे पहले रेसलर बजरंग पूनिया और साक्षी मलिक की दिल्ली में खेल मंत्री अनुराग ठाकुर के साथ 6 घंटे की मैराथन मीटिंग हुई। जिसमें पहलवानों ने केंद्र को कार्रवाई के लिए 15 जून तक का टाइम दिया। खेल मंत्री अनुराग ठाकुर ने कहा- अच्छे माहौल में संवेदनशील मुद्दे पर सकारात्मक बातचीत हुई। मीटिंग में आरोपों की जांच कर 15 जून तक चार्जशीट दायर करने, चुनाव 30 जून तक करने, महिला अध्यक्ष की अगुआई में इंटरनल कंप्लेंट कमेटी बनाने, चुनाव होने तक एडहॉक कमेटी पर 2 कोच का नाम प्रस्तावित करने और फेडरेशन के चुनाव में खिलाड़ियों से रायशुमारी पर सहमति बनी।

श्रीकांत की हार के साथ सिंगापुर ओपन में भारत की चुनौती समाप्त

कल्लांग (सिंगापुर)।

सिंगापुर ओपन सुपर 750 बैडमिंटन टूर्नामेंट में भारत का अभियान यहां किदाम्बी श्रीकांत के चीनी ताइपे के चिया हाओ ली के खिलाफ पुरुष एकल के राउंड ऑफ 16 में हारने के साथ समाप्त हो गया। दुनिया के 23वें नंबर के श्रीकांत, जिन्होंने पहले दौर में थाईलैंड के कांटाफॉन वांगचारोएन को हराया था, को दुनिया के 42वें नंबर के ताइपे शटलर के हाथों सीधे गेम में 15-21, 19-21 से हार का सामना करना पड़ा, जो इस जोड़ी की पहली भिड़ंत थी। इससे पहले दिन में, युवा एकल खिलाड़ी प्रियांशु राजावत और एमआर अर्जुन और ध्रुव कपिला की युगल जोड़ी अपने-अपने दूसरे दौर में हारकर बाहर हो गई।

सिंगापुर इंडोर स्टेडियम 1 में जापान के विश्व नंबर 15 कांता सुनेयामा को हराकर राजावत ने बड़ा उलटफेर किया था लेकिन वह दूसरे जापानी खिलाड़ी कोडाई नारोका से सीधे गेम में हार गए।

21 वर्षीय भारतीय को 47 मिनट तक चले मुकाबले में नारोका से 17-21, 16-21 से हार का सामना करना पड़ा।

अर्जुन और ध्रुव की जोड़ी को इंग्लैंड के अनुभवी बेन लेन और सीन वेंडी ने 21-15, 21-19 से हराकर बाहर कर दिया।

इससे पहले, भारत की शीर्ष एकल खिलाड़ी, दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पी.वी. सिंधु, मलेशिया मास्टर्स विजेता एच.एस. प्रणय, विश्व चैम्पियनशिप के पूर्व कांस्य पदक विजेता लक्ष्य सेन और लंदन ओलंपिक की कांस्य पदक विजेता साइना नेहवाल पहले दौर में ही बाहर हो गए थे। शीर्ष युगल जोड़ी, सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी, नवीनतम सूची में दुनिया में 11वें स्थान पर और राष्ट्रमंडल खेल महिला युगल कांस्य पदक विजेता, तृषा जॉली और गायत्री गोपीचंद पहले दौर में बाहर हो गई।

सात्विक और चिराग को जापान के अकीरा कोगा और ताइची सैटो से तीन गेम में 18-21, 21-14, 18-21 से हार का सामना करना पड़ा।

तृषा और गायत्री ने भी कड़ी टक्कर दी लेकिन हांगकांग की टिंग युंग नगा और लाम युंग पुई से 66 मिनट तक चले मुकाबले में 14-21, 21-18, 19-21 से उन्हें हार का सामना करना पड़ा।

भारत अंडर-20 एथलेटिक्स में तीसरे स्थान पर, लक्षिता और महिला रिले टीम ने जीता स्वर्ण

नई दिल्ली।

महिलाओं की 4 गुणा 400 मीटर रिले टीम और 1500 मीटर में लक्षिता विनोद संडिला के स्वर्ण से भारत एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप में तीसरे स्थान पर रहा। भारत ने छह स्वर्ण, सात रजत और छह कांस्य पदक के साथ तीसरा स्थान हासिल किया। जापान (14 स्वर्ण, 4 रजत और पांच कांस्य) और चीन (11 स्वर्ण, पांच रजत और तीन कांस्य) के साथ क्रमशः पहले और दूसरे स्थान पर रहे।

लक्षिता ने किया दो सेकंड का सुधार

भारत की लक्षिता विनोद संडीला ने एशियाई अंडर-20 एथलेटिक्स चैंपियनशिप के अंतिम दिन यहां महिलाओं की 1500 मीटर दौड़ में चार मिनट 24.23 सेकंड के व्यक्तिगत सर्वश्रेष्ठ समय के साथ स्वर्ण पदक जीता। संडीला का इससे पहले सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन चार मिनट 26.48 सेकंड था जिसमें उन्होंने लगभग दो सेकंड के अंतर से सुधार करके भारत को चैंपियनशिप में पांचवां स्वर्ण पदक दिलाया। बाद में रेजोना मलिक हीना की अगुवाई में महिला चौकड़ी ने 3: 40.49 के साथ स्वर्ण जीता। कजाखस्तान (3 : 46.19) ने रजत और कोरिया (3 : 47.46) के साथ कांस्य पदक जीता। पुरुषों की रिले टीम ने 3: 08.78 के साथ रजत पदक हासिल किया।

मेहदी हसन ने पुरुषों की 1500 मीटर दौड़ तीन मिनट 56.01 सेकंड में पूरी करके कांस्य पदक जीता। शिवाजी परशु मदप्पागौद्रा ने पुरुषों की 5000 मीटर दौड़ में 14 मिनट 49.05 सेकंड के समय के साथ रजत पदक जीता। प्रतियोगिता के पहले दिन रेजोआना मल्लिक हीना और भरतप्रीत सिंह ने क्रमशः महिलाओं की 400 मीटर और पुरुषों की चक्का फेंक में स्वर्ण पदक जीता था। गोला फेंक के एथलीट सिद्धार्थ चौधरी ने स्वर्ण पदक जीता जबकि सुनील कुमार ने डेकाथलॉन में सोने का तमगा हासिल किया था। भारत की 45 सदस्यीय टीम ने चार दिवसीय प्रतियोगिता में हिस्सा लिया जिसमें 19 महिला खिलाड़ी शामिल थीं।

एसएसी को उम्मीद, मेजर लीग के सफल आयोजन से उसकी क्षमताएं साबित होंगी

बेंगलुरू ।

अमरीका क्रिकेट (यूएसएसी) ने कहा है कि देश में मेजर लीग क्रिकेट (एमएलसी) के सफल आयोजन से उसकी क्षमताओं को लेकर सभी संदेह दूर हो जाएंगे। यूएसएसी को उम्मीद है कि बुनियादी ढांचे की कमी के नाम पर उससे टी20 विश्व कप 2024 की मेजबानी वापस नहीं ली जाएगी। वहीं कहा जा रहा था कि अमेरिका में क्रिकेट के बुनियादी ढांच की कमी को देखते हुए अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) इस शीर्ष टूर्नामेंट को वेस्टइंडीज और अमेरिका की संयुक्त मेजबानी की जगह अगले साल इंग्लैंड में स्थानांतरित कर सकता है।

दूसरी ओर यूएसएसी के एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें विश्व क्रिकेट की शीर्ष संस्था (आईसीसी) से स्थल स्थानांतरित करने को लेकर कोई सूचना नहीं मिली है। अमेरिका क्रिकेट के एक प्रशासक ने कहा, 'इस संबंध में हमारी आईसीसी के साथ कोई चर्चा नहीं हुई है। एक साल बाद होने वाले टी20 विश्व कप के लिए जरूरी बुनियादी ढांचा तैयार करने के लिए हम अपना पूरा प्रयास कर रहे हैं।

इस अधिकारी ने कहा, 'अस्थाई आयोजन स्थल आदि को लेकर चिंता स्वाभाविक है क्योंकि अमरीका नियमित रूप से क्रिकेट प्रतियोगिताओं की मेजबानी नहीं करता पर हम मेजर लीग क्रिकेट का आयोजन करने वाले हैं और इस टी20 टूर्नामेंट की सफल मेजबानी काफी चिंताओं को दूर कर देगी। वहीं आईसीसी ने भी वेस्टइंडीज और अमेरिका से टी20 विश्व कप को स्थानांतरित करने की खबरों पर ध्यान नहीं देने को कहा है। आईसीसी बोर्ड के एक सदस्य ने कहा, 'टी20 विश्व कप 2024 को वेस्टइंडीज और अमेरिका से स्थानांतरित करने को लेकर आईसीसी के किसी भी मंच पर कोई चर्चा नहीं हुई। इस अधिकारी ने कहा, 'इसका (टूर्नामेंट) पूर्व निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार आयोजन होगा और जल्द ही आयोजन स्थलों को लेकर घोषणा की जाएगी।

पहला एमएलसी टी20 टूर्नामेंट 13 से 30 जुलाई तक खेला जाएगा। इस टूर्नामेंट में छह टीम हिस्सा लेंगी और इसके मुकाबले टेक्सास के ग्रैंड प्रेरी स्टेडियम में होंगे। इंग्लैंड के जेसन रॉय, ऑस्ट्रेलिया के एडम जंपा, मैथ्यू वेड, मार्कस स्टोइनिस और मोइजेस हेनरिक्स सहित दुनिया भर के कई बड़े क्रिकेटरों ने एमएलसी टी20 से करार किया है।

रोनाल्डो और बेंजेमा के बाद मेसी ने भी यूरोप छोड़ा, बार्सिलोना में शामिल नहीं होने की वजह भी बताई

नई दिल्ली ।

फुटबॉल स्टार लियोनल मेसी अब मेजर लीग सॉकर में इंटर मियामी के लिए खेलते नजर आएंगे। मेसी फ्री एजेंट के रूप में इस टीम के साथ जुड़े हैं। पीएसजी के साथ उनका अनुबंध खत्म होने के साथ ही मेसी ने साफ कर दिया था कि वह अब इस क्लब के लिए नहीं खेलेंगे। इसके बाद कयास लगाए जा रहे थे कि मेसी भी रोनाल्डो की तरह सऊदी अरब लीग में खेल सकते हैं। वह अल हिलाल क्लब के साथ जुड़ सकते हैं और सबसे ज्यादा सैलरी वाले फुटबॉल खिलाड़ी भी बन सकते हैं, लेकिन ऐसा नहीं हुआ है।

मेसी ने अमेरिकी लीग में खेलने का फैसला किया है। उन्होंने अपने इस फैसले पर कहा कि पैसे के लिए वह ऐसा नहीं कर रहे हैं। यूरोपीय लीग में वह बार्सिलोना के लिए खेलना चाहते थे, लेकिन ऐसा नहीं हो पाया। इसके बाद उन्होंने मेजर लीग सॉकर में खेलने का और नए नजरिए के साथ खेल का मजा लेने का फैसला किया है।

क्या कभी बार्सिलोना लौटेंगे मेसी - इंटर मियामी के साथ जुड़ने के बाद मेसी ने कहा कि वह बार्सिलोना के फैन हैं और अपना जीवन वहीं गुजारेंगे। वह बार्सिलोना में आना चाहते थे, लेकिन यह इतना आसान नहीं था। उन्हें क्लब की तरफ से कोई आधिकारिक ऑफर भी नहीं मिला था। अगर वह इस क्लब के साथ जुड़ते तो क्लब के अन्य लोगों को अपनी सैलरी कम करनी पड़ती। वहीं, कुछ खिलाड़ियों को क्लब से अलग भी किया जाता। इससे वह थक चुके हैं। उन्होंने यह भी कहा कि कुछ लोगों को लगता है कि उनके आने से बार्सिलोना को नुकसान होगा। इसलिए वह नहीं चाहते हैं कि क्लब में मेसी की वापसी हो। इसी वजह से वह इस क्लब के साथ नहीं जुड़ रहे हैं। अपनी सैलरी से जुड़े सवाल पर मेसी ने कहा कि पैसे के लिए वह मियामी के साथ नहीं जुड़े हैं। अगर पैसे की बात होती तो वह सऊदी लीग में खेलते। यूरोप में उनके पास और भी कई टीमों से ऑफर थे, लेकिन वह इस लीग में बार्सिलोना के अलावा किसी और क्लब के लिए नहीं खेलना चाहते थे। उनके साथ दो साल पहले जो हुआ था, उसके बाद वह बार्सिलोना के लिए इंतजार नहीं कर सकते थे। उन्हें अपने और परिवार के भविष्य का भी ध्यान रखना है और हर बार वह अपना करियर दूसरे के हाथ में नहीं छोड़ सकते।

मेसी छह महीने में यूरोप छोड़ने वाले तीसरे दिग्गज - पिछले छह महीने में तीन बैलन डीओर जीतने वाले खिलाड़ी यूरोप छोड़ चुके हैं। इसकी शुरुआत पुर्तगाल के स्टार क्रिस्टियानो रोनाल्डो ने की थी। वह सऊदी लीग में अल नस्त्र के साथ जुड़े और सबसे ज्यादा सैलरी पाने वाले खिलाड़ी बने। रोनाल्डो के बाद करीम बेंजेमा ने भी इस लीग से दूरी बनाई और सऊदी लीग की टीम अल इत्तिहाद के साथ जुड़े। अब मेसी भी पीएसजी छोड़कर मेजर सॉकर लीग में इंटर मियामी के लिए खेलते दिखेंगे। इन दिग्गजों के जाने से यूरोपीय क्लब फुटबॉल की लोकप्रियता में कमी आना तय है।

यूरोप में मेसी का रिकॉर्ड - मेसी ने साल 2004 में यूरोपीय लीग में अपने क्लब करियर की शुरुआत की थी। यहां 853 मुकाबलों में उन्होंने 704 गोल किए और 300 गोल करने में अपने साथी खिलाड़ियों की मदद की। इस दौरान उन्होंने 12 लीग खिताब और चार बार चैंपियंस लीग भी जीती। इसके अलावा भी उन्होंने 22 अन्य ट्रॉफी अपने नाम की। मेसी ने कुल 38 ट्रॉफी जीती हैं।

एंडरसन को आगे खेलते हुए देखना चाहते हैं रुट

लंदन । इंग्लैंड क्रिकेट टीम के पूर्व टेस्ट कप्तान जो रूट ने अपनी टीम के तेज गेंदबाज जेम्स एंडरसन की जमकर प्रशंसा करते हुए कहा है कि 41 साल की उम्र में भी वह लगातार अच्छा प्रदर्शन कर हैं। रुट ने कहा है कि मैं उसे आगे भी खेलते हुए देखना चाहता हूं। एंडरसन 700 टेस्ट विकेट के बेहद करीब हैं और उन्हें केवल 15 विकेट और चाहिये हैं। अब वह 16 जून से बर्मिंघम में ऑस्ट्रलिया के खिलाफ शुरू हो रही एशेज सीरीज में यह उपलब्धि हासिल कर सकते हैं। इंग्लैंड का लक्ष्य एशेज जीतना रहेगा क्योंकि पिछली बार टीम को ऑस्ट्रेलिया के हाथों हार का सामना करना पड़ा था। साल 2021 के ऑस्ट्रेलिया दौरे पर टीम के कप्तान रहे रूट ने एंडरसन की पांच तस्वीरों भी जारी की है। जिसमें 2000 के दशक में इंग्लैंड के साथ उनके शुरुआती वर्षों की तस्वीर से लेकर वर्तमान समय की तस्वीर भी है। रूट ने ट्वीट किया, ''वह लगातार बेहतर होता जा रहा है। अब और इंतजार नहीं कर सकता एंडरसन। रूट इंग्लैंड की टीम के अहम बल्लेबाज हैं। उनकी टीम कप्तान बेन स्टोक्स और कोच ब्रेंडन मैकुलम के नेतृत्व में ऑस्ट्रेलिया से एशेज जीतना चाहती है।

नहीं आएगा बुढ़ापा, सदा रहेगी जवानी

संग रहने के लिए शोध में 30 जीन मिले, बीकैट-1 ज्यादा प्रभावशाली

बुढ़ापा सबको बुरा लगता है और हर कोई जवान और खूबसूरत दिखना चाहता है। जवान रहने के फॉर्मूले पर रिसर्च कर रहे वैज्ञानिकों ने तीन प्रजातियों के जंतुओं में 40 हजार गुणसूत्रों का विश्लेषण करने के बाद उन 30 प्रमुख जीन की पहचान कर ली है, जिनमें मामूली बदलाव कर लंबी उम्र और अधिक समय तक जवान रहा जा सकता है। इनमें से एक जीन विशेष रूप से प्रभावशाली बीकैट-1 जीन है।

लंदन में स्विस फैडरल रिसर्च इंस्टीट्यूट ऑफ टैक्नॉलजी के एनर्जी मेटाबॉलिज्म विभाग के प्रोफेसर मिसेल रिसटोव के अनुसार जब हम इन जीनों के प्रभाव को रोक देते हैं, तो इससे निमैटोड के जीवनकाल में कम से कम 25 फीसदी की बढ़ौतरी हो जाती है। रिसटोव को इस बात में कोई संदेह नहीं है कि इसी तरह से मनुष्य में भी बुढ़ापा पैदा करने वाले जीनों को निष्क्रिय किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि वह केवल उन जीनों को पहचानने में सक्षम हो पाए हैं, जो विकास की प्रक्रिया के दौरान मानव समेत सभी सजीवों में विकिसत हुए हैं और बुढ़ापा पैदा करते हैं।

अभी जारी है रिसर्च

बताया जा रहा है कि अभी इस पर शोध कार्य जारी है कि कहीं इन जीनों को निष्क्रिय करने से कोई दूसरा दुष्प्रभाव तो सामने नहीं आ जाएगा। क्योंकि इन जीनों के किसी सकारात्क प्रभाव की संभावना से इनकार नहीं किया जा सकता और अगर इन्हें निष्क्रिय कर दिया गया तो उसका दुष्प्रभाव भी हो लोगों पर हो सकता सकता है।

बीमारियों से लड़ने में मिलेगी मदद

शोधकर्ताओं का कहना है कि उनका जोर मनुष्यों के जीवनकाल को बढ़ाने पर नहीं, बल्कि उन्हें लंबे समय तक स्वस्थ रखने पर है और वे इसी दिशा में शोध कर रहे हैं। इस शोध के माध्यम से बुढ़ापे में होने वाली बीमारियां जैसे मधुमेह और हाई ब्लड प्रेशर आदि को रोकने का तरीका ढूंढा जा रहा है।

अब यूट्यूब पर भी कर सकेंगे चैट

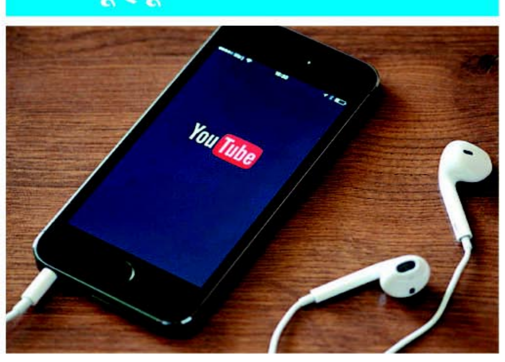

ग्लोबल वीडियो शेयरिंग यूट्यूब ने वीडियोस को ओर भी दिलचस्प बनाने के लिए पिछ्ले कुछ समय के दौरान कई नए फीचर्स और टूल्स को जारी किया है। हाल ही में इस की तरफ से एक ओर नया चैट फीचर एड किया गया है। इसको नेटिव शेयरिंग का नाम दिया गया है, जिस के साथ यूजर्स यूट्यूब मोबाइल एप्प में टेक्स्ट, फोटोस और लिनक्स द्वारा दूसरों के साथ कन्वर्सेशन कर सकते हैं। कैलिफोर्निया की कंपनी की तरफ से यूजर्स के द्वारा यूट्यूब एप्प में वीडियो शेयरिंग को बढ़ाने के लिए इसमें यह फीचर को एड किया गया है। यूजर्स अब साइट में दी गई वीडियो पर व्यू, रेट, शेयर और कमैंट अपलोड कर सकते हैं और इसलिए वैब्बएम का प्रयोग किया जाता है।

बढ़ जाएगी डिवाइस की बैटरी लाइफ...

ओपेरा ने अपने ब्राऊजर के लिए पावर सेविंग मोड पेश किया है जिससे आपके लैपटॉप की बैटरी लाइफ 50 प्रतिशत तक बढ़ जाएगी। ओपेरा के मुताबिक बहुत सी टैब्स ओपन करने से बैटरी जल्द खत्म होती है और लैपटॉप की परफार्मैंस भी कम होती है। इसलिए डिवैल्पर स्ट्रीम के लिए ओपेरा 39 को लांच किया गया है। नया पावर सेविंग मोड लैपटॉप की बैटरी को 50 प्रतिशत तक बढ़ा देगा। ओपेरा के पावर सेविंग मोड को इस्तेमाल करते समय यूजर को बैटरी अकाऊंट पर क्लिक करना होगा और ब्राऊजर को फिल करना होगा। ओपेरा ब्राऊजर बैटरी कम होने पर डिटैक्ट कर लेगा और पावर सेविंग मोड के बारे में आपको बताएगा।

इन दिनों गर्मी और उमस बढ़ने के साथ ही पसीने की चिप-चिप और इसकी दुर्गंध हमें परेशान करती है। इससे बचने के लिए हम परफ्यूम का इस्तेमाल करते हैं लेकिन इसके इस्तेमाल से पहले मौसम का और अन्य जरूरी बातों का ध्यान नहीं रखते। सर्दी के मौसम में जहां तेज गंध वाले परफ्यूम इस्तेमाल किए जाते हैं, वहीं गर्मियों के मौसम में भीनी और हल्की खुशबू वाले परफ्यूम बेहतर होते हैं। इसलिए आप जब भी परफ्यूम का चुनाव करें तो मौसम, ऑकेजन और स्किन टाइप का ध्यान जरूर रखें। परफ्यूम एप्लाई करने का भी सलीका है। यदि आप सही तरीके या सही जगह परफ्यूम नहीं लगते हैं तो उसका कोई फायदा नहीं होता।

सीखें परफ्यूम एटीकेट्स...

परफ्यूम लगाना हर किसी को पसंद होता है, चाहे वो लड़की हो या लड़का। आप किसी से भी मिलते हैं तो उसे आपके बारे में जानने के लिए केवल 10 सेकेंड ही चाहिए होते हैं। अगर आप यह सोच रहे हैं कैसे तो हम बता दें जब आप किसी से मिलते हैं तो आप उसके सामने कैसे खड़े होते हैं, कैसे कपड़े पहन कर जाते हैं, किस तरह से बात करते हैं ये सब चीजें उसे आपके व्यक्तित्व को बारे में समझने में मदद करती हैं। साथ ही उससे भी ज्यादा जिस चीज से कोई भी आप से प्रभावित होता है वह है आपका परफ्यूम। आप किस तरह के परफ्यूम का प्रयोग करते हैं वह भी आपके व्यक्तित्व को समझने में बहुत मदद करता है। एक अच्छी सुगंध किसी को भी आपकी ओर आकर्षित कर सकती है। अगर आप किसी पार्टी में जाते हैं और आप किसी ऐसे परफ्यूम का इस्तेमाल कर लेते हैं जो बिल्कुल भी अच्छा नहीं है तो इससे लोग आपके बारे में यह ही सोचेंगे कि आपको शायद इसी तरह के सुगंध अच्छी लगती है और वे आपसे दूर-दूर रहने लगेंगे। वैसे तो ज्यादातर लड़कों को यह ही लगता है कि वे जो परफ्यूम इस्तेमाल करते हैं वह उनके लिए सबसे अच्छा है, पर यह जरूरी नहीं है कि वह परफ्यूम सच में आपके लिए अच्छा हो। इतना ही नहीं कई बार तो कुछ लड़कों को यह ही नहीं पता होता है कि उनके लिए कौन सा परफ्यूम है, जिसके कारण कई बार वे लड़कियों के लिए प्रयोग किए जाने वाले परफ्यूम को ले लेते हैं। इसके कारण उन्हें दूसरों के सामने शर्मिन्दा होना पड़ता है। आजकल मार्केट में लड़कों के लिए ऐसे बहुत से परफ्यूम मौजूद हैं जिनका प्रयोग कर आप दूसरों को अपनी ओर आकर्षित कर सकते हैं।

कैसे चुनें परफ्यूम

परफ्यूम से जहां एक ओर वातावरण सुगंधित होता है, वहीं, दूसरी ओर ये हमारे व्यक्तित्व को भी प्रभावशाली बनाते हैं। आस-पास के लोगों पर इसका अच्छा प्रभाव पड़ता है, लेकिन परफ्यूम के चुनाव में पर्याप्त सावधानी की जरूरत होती है, क्योंकि हर प्रभाव अलग-अलग होता है। अपनी खास पहचान बनाने के लिए कभी भी परफ्यूम को अपने ऊपर न उड़ेलें। ऐसा करके आप खुद को हास्यास्पद बनाते हैं, बल्कि अन्य लोगों के लिए सिरदर्द तथा एलर्जी का कारण बन बैठते हैं। कुछ लोगों को तो परफ्यूम से एलर्जी होती है और तेज सुगंध से कई लोगों को चक्कर भी आ जाते हैं। सही सुगंध जहां लोगों को आकर्षित करती है, वहीं गलत सुगंध का इस्तेमाल पास बैठे लोगों को दूर भी भगा सकता है। हर मौसम की अलग-अलग विशेषता होती है। अतः परफ्यूम का इस्तेमाल भी मौसम को ध्यान में रखकर ही किया जाना चाहिए। गरमी के मौसम में हल्के परफ्यूम ही उपयुक्त रहते हैं, जबकि सर्दियों में तेज सुगंध वाले परफ्यूम। इसी तरह दिन में हल्की खुशबू और रात में तेज सुगंध का प्रयोग करना अच्छा होता है। परफ्यूम का चुनाव सदैव व्यक्तित्व के अनुरूप करें।

विदेशी परफ्यूम

अपने देश में अंतर्राष्ट्रीय परफ्यूम पसंद किए जा रहे हैं, लेकिन इनके इस्तेमाल के पूर्व यह ध्यान रखे कि वे दूसरे देश की जलवायु के अनुरूप बने हैं। इन सुगंधों में रसायन भी अधिक होते हैं, जो त्वचा पर बुरा असर डाल सकते हैं। 19वीं सदी के आखिर में भारतीय बाजार में विदेशी परफ्यूम याडले, लैवेंडर, वेनोलियार, वाइट रोज, टस्कर, यूडी कोलोन ने घुसपैठ की। इसके बाद फ्रेंच परफ्यूम ओरिगा, लांबा, रिगो, गुयर लां, ओरपेज, ज्यां पाको, शैनल नंबर फाइव आदि का बोलबाला रहा। इस के अलावा ईवनिंग इन पेरिस, शालीमार, मित्सुको, मूगेमी, अमेरिकी कंपनी एवन का अनफौरगेटेबल, मून वींड, हीयर इज माई हार्ट, चैरिस्मा, औस्कर, स्वीट एनेस्टी, वाइल्ड कंट्री, ब्रोकेड फ्लावर, लिलि आफ दि वैली, हनी सर्कल भी पसंद किए जाते रहे हैं। माना जाता है कि शैनेल फाइव की लोकप्रियता में चार चांद लगा मर्लिन मुनरो के कारण। क्रिस्तियां डी का पियाजें या पायजन, इव सां लरां, ओपियम, एसटी लाडर, रेवेलान का चार्ली, कैलविन क्लाइंन का इटर्निटी, पाको और इटली का जर्जियो अर्मिनो खूब लोकप्रिय ब्रांड हुआ करता था। इसके अलावा रिचि क्लब, नीना रिचि, लेज वाल्स दि रिची, ल्यार ड्यू टेंपस, बारबेरी, वीक एंड बरबेरीज, करिजिया, स्पाजिओ, फेंडी, फेंटेस्ला, एक्काडा, मोनोटाने भी लोकप्रिय थे। अब भी कुछ लोग इन्हें पसंद करते हैं।

आपके परफ्यूम में क्या है?

परफ्यूम बनाने के लिए पौधों के रस, सिंथेटिक तेल और एल्कोहल का इस्तेमाल होता है, लेकिन हर परफ्यूम को बनाने में अलग-अलग मात्रा में परफ्यूम ऑयल का उपयोग होता है। किसी परफ्यूम को बनाने में कितने परफ्यूम ऑयल का इस्तेमाल हुआ है, इसी से इस बात का पता चलता है कि परफ्यूम की खुशबू कितने लंबे वक्त तक बरकरार रहेगी। सबसे अच्छे परफ्यूम्स में 20 प्रतिशत तक परफ्यूम ऑयल होता है। इसके बाद 10 प्रतिशत तक असली खुशबू वाले परफ्यूम्स को भी अच्छा माना जाता है।

पहले मॉइस्चराइजर लगाएं

शरीर के जिस भाग पर आप परफ्यूम लगाते हैं, वहां पहले मॉइस्चराइजर या फिर ऑयल लगाएं। ऐसा करने से लंबे वक्त तक आपकी बॉडी में परफ्यूम की खुशबू बरकरार रहेगी। इसलिए अगर आपको ऐसा परफ्यूम मिले जो लोशन की तरह हो तो ज्यादा अच्छा रहेगा। शरीर पर परफ्यूम को कहीं भी स्प्रे न करें। ऐसा करने से आप सिर्फ अपना महंगा परफ्यूम बर्बाद कर रहें हैं। इस तरह आपके परफ्यूम की खुशबू ज्यादा वक्त तक बरकरार नहीं रहेगी। शरीर के उन हिस्सों पर परफ्यूम का इस्तेमाल करें जहां खुशबू ज्यादा देर तक टिकी रहती है। शरीर के ऐसे हिस्से हैं घुटने, कोहनी का अंदरूनी भाग, गर्दन के पीछे का भाग और आपकी कलाई।

उस भाग को रगड़े नहीं

कई लोगों की आदत होती हैं, वे शरीर के जिस हिस्से पर परफ्यूम लगाते हैं, उसे रब करने लगते हैं। अक्सर लोग एक कलाई पर परफ्यूम लगा कर उसे दूसरी कलाई पर रगड़ते हैं। जबकि ऐसा करने की कोई जरूरत नहीं होती, बल्कि इससे परफ्यूम के मॉलिक्यूल टूट जाते हैं और खुशबू भी ज्यादा वक्त तक नहीं टिक पाती।

सही जगह स्टोर करके रखें

परफ्यूम को कभी भी बाथरूम में स्टोर करके न रखें, क्योंकि बाथरूम में काफी ह्यूमिडिटी होती है। ह्यूमिडिटी, लाइट और हीट से परफ्यूम की खुशबू उड़ जाती है। इसलिए इसे ठंडी और शुष्क जगह पर ही स्टोर करें। रेफ्रीजरेटर आपके फेवरेट और कीमती परफ्यूम को रखने के लिए सबसे उपयुक्त जगह है।

पल्स प्वॉइंट्स पर लगाएं

परफ्यूम को सही जगह पर लगाना जरूरी है। परफ्यूम हमेशा बॉडी के पल्स प्वॉइंट्स यानी जहां धडकन होती है पर ही लगाएं। साथ ही दोनों हाथों की कलाइयों, दोनों कानों के पीछे, गले के बीचोंबीच यानी विंड पाइप और दोनों एल्बो जॉइंट्स पर भी परफ्यूम लगाएं। परफ्यूम कपड़े या शरीर के उस हिस्से पर लगाये जो ढका हुआ रहता हो और धूप के सीधे संपर्क नहीं आता हो। धूप के सीधे संपर्क से परफ्यूम का प्रभाव कम हो जाता है। दरअसल हर परफ्यूम में गैस होती है जो धूप में उड़ जाती है। परफ्यूम का चुनाव मौसम के अनुसार करें। मसलन सर्दियों के लिए स्ट्रॉन्ग फ्रेगरेंस वाले और गर्मी में मौसम में हल्की खुशबू वाले परफ्यूम फ्रेगरेंस चुन सकते हैं। इससे आपकी स्मैल सैंस को मौसम ठण्ड और गर्मी का एहसास होगा।

किस जगह कौनसा परफ्यूम

आपको इस बात का भी पता होना चाहिए की आप कौन से स्थान के लिए कौन सा फ्रेगरेंस चुन रहे हैं। ऑफिस, सेमिनार या ऑफिशियल फंक्शन के दौरान हमेशा हल्के और शाम के समय कॉकटेल पार्टी, कॉर्पोरेट इवेंट या शादी-विवाह के अवसर पर आप स्ट्रॉन्ग फ्रेगरेंस वाला परफ्यूम इस्तेमाल कर सकते हैं। लोग परफ्यूम को पूरे कपडों पर लगा लेते हैं, मगर यह सही तरीका नहीं है। ऐसा करने से खुशबू आने की जगह सिर दर्द होने लगेगा और छीकें आने लगेंगी।बॉडी के सभी पल्स प्वॉइंट्स पर एक बार या ज्यादा से ज्यादा दो बार परफ्यूम लगाएं।

पांच तरह के परफ्यूम...

अमूमन पांच तरह के परफ्यूम इस्तेमाल किए जाते हैं। इन परफ्यूम्स में अलग-अलग तरह के फ्रेगरेंस शामिल होते हैं। आइए जानते हैं, परफ्यूम टाइप्स के बारे में।

फ्लोरल फ्रेगरेंस

फ्लोरस फ्रेगरेंस वाले परफ्यूम में फूलों की बहुत तेज गंध यानी स्ट्रॉन्ग फ्रेगरेंस की ओवरटोन होती है। इन तरह के परफ्यूम में आमतौर पर रोज, जैसमिन,लैवेंडर आदि फ्लॉवर्स के सेंट यूज किए जाते हैं। इस तरह के परफ्यूम किसी भी ऑकेजन के लिए यूज किए जा सकते हैं।

फ्रूटी फ्रेगरेंस

इस तरह के फ्रेगरेंस वाले परफ्यूम किसी भी मौसम में यूज किए जा सकते हैं। इनकी खासियत यंग अपील और फ्रेश फील देना है। इस परफ्यूम को आप ईविनंग और नाइट पार्टीज में बेहिचक इस्तेमाल कर सकते हैं।

वुडी फ्रेगरेंस

अगर आपको अर्दी टोन यानी जमीन से जुड़ी हुई चीजें पसंद हैं तो वुडी फ्रेगरेंस आपको पसंद आएगा। इस तरह के परफ्यूम में खूब सारे खुशबूदार पेड़ और दूसरी खुशबूदार झाड़ियों की महक शामिल होती है। इनमें प्राकृतिक महक होती है। अगर आप मैच्योर और एक खास तरह का अंदाज पाना चाहते हैं, तो वुडी परफ्यूम बेस्ट च्वॉइस है। इसे ईवनिंग ऑकेजन में यूज किया जा सकता है।

ग्रीन फ्रेगरेंस

ये परफ्यूम ताजी घास और झाड़ियों से आने वाली सुगंध का अहसास कराते हैं। अगर आपको नेचुरल सेंट यानी प्राकृतिक खुशबू पसंद है, तो आपके लिए ग्रीन फ्रेगरेंस वाले परफ्यूम का इस्तेमाल करना एकदम सही रहेगा। इनकी खुशबू बहुत हल्की होती है, ये किसी भी समय और ऑकेजन में इस्तेमाल किए जा सकते हैं। ऐसे परफ्यूम कंटेंपररी कैटेगरी में आते हैं।

ओरिएंटल फ्रेगरेंस

ओरिएंटल फ्रेगरेंस के सभी परफ्यूम बेहद स्ट्रॉन्ग स्मेल वाले होते हैं। सेंसुअल ओवरटोन और रिच अंडरटोन इन्हें हैवी ब्लैंड देते हैं। इनमें सभी कैटेगरी मसलन फ्रूटी, ग्रीन और फ्लॉवरी फ्रेगरेंस शामिल होते हैं। कॉरपोरेट कल्चर में ओरिएंटल फ्रेगरेंस सबसे ज्यादा पसंद किए जाते हैं। इस परफ्यूम को खास मौकों के साथ ही नाइट और ईवनिंग ऑकेजंस पर भी इस्तेमाल किया जाता है।

नए अंदाज में बनाएं चोटी...

खुद को स्टालिश दिखाना है तो भला आप बालों की स्टाइल के बारे में कैसे भूल सकती हैं। आजकल कॉलेज गोइंग गर्ल्स तरह-तरह कि हेयर स्टाइल बनाए नजर आ जाएंगी, जो कि देखने में भी अच्छी लगती है और ट्रेंड में भी है। बालों में अलग अलग तरह की चोटी बनाने का बहुत चलन है। एक चोटी को आप कई अलग हजार डिजाइन से बना सकती हैं। बालों में नए अंदाज से चोटी बनाने के लिए आपको इस बात का ख्याल रखना होगा कि आपके बालों की लंबाई अच्छी हो और वह अच्छे खासे मोटे भी हों। चोटी को आप सिंपल भी बना सकती हैं और उसे स्टाइलिश भी बना सकती हैं। यदि आप कुछ नया करना चाह रही हैं तो हम आपको बताएंगे कुछ स्टाइलिश और बेहतरीन चोटियां बनाने के तरीके।

फिशटेल

फिशटेल बनाने के लिए आपको बाल के दो भाग करने होंगे। यह हेयरस्टाइल दोनों तरक के कपड़ों वेस्टर्न और ट्रेडिशनल ड्रेस पर अच्छी लगेगी।

फ्रिन्ज ब्रेड

अगर आप नहीं चाहती हैं कि आपके बाल आपकी आंखों को ढंके तो फ्रिन्ज ब्रेड बेस्ट हेयर स्टाइल है। फ्रिन्ज ब्रेड देखने में सिर पर लगे एक हेयर बैंड की तरह लगती है।

फुल क्राउन

फुल क्राउन हेयरस्टाइल एक कान से शुरू होते हुए सिर के दूसरे कोने तक जाता है। यह एक कूल लुक वाला हेयर स्टाइल है।

क्लासिक फ्रेंच हेयर ब्रेड

क्लासिक फ्रेंच हेयर ब्रेड बहुत ही सुंदर और क्लासी लगती है। इसको देखने में लगता है कि इसे बनाना बहुत मुश्किल होगा पर ऐसा है नहीं।

टाई बैक चोटी

टाई बैक चोटी कई सारे बालों को ले कर बनाई जाती है खास तौर पर कान के आस पास के बालों को ले कर। खूब सारी चोटियां बनाइए और उन्हें एक साथ सिर के पीछे या बगल में लक कर पिन अप कर दीजिए।

टू साइड ब्रेड्स

टू साइड ब्रेड्स बहुत ही स्टाइलिश और आसानी से बनने वाली चोटियों में से एक है। करना केवल इतना है कि सारे बालों को एक ओर कर दें और उसकी साइड पोनी बना कर चोटी बना लें।

जैसमीन

हम सब ने बचपन में अलादीन का कार्टून देखा है, जिसमें जैसमीन के बाल कुछ इसी तरह के थे। यह एक फ्रेंन्च चोटी की तरह दिखती है। इस हेयर स्टाइल को पाने के लिए आपके बाल बहुत लंबे होने चाहिए।

स्वस्थ रहकर लुत्फ उठाएं बरसात का

बरसात के मौसम में बाहर का मसालेदार-चटपटा खाना जितना अच्छा लगता है, वह सेहत के लिए उतना ही नुकसानदेह भी है। इस मौसम में दूषित भोजन और प्रदूषित जल के सेवन से होने वाली कई बीमारियों के होने का खतरा बढ जाता है।

पेचिस: यह रोग दस्त का ही एक रूप है। इसमें रोगी जब-जब मल त्याग करता है, तो उसके मल के साथ रक्त और चिपचिपा पदार्थ भी निकलता रहता है और रोगी को बार बार शौच जाने की जरूरत महसूस होती है। पेट में मरोड के साथ दर्द होता है। भूख भी कम लगती है। कभी-कभी बुखार भी आ जाता हैं। इस बीमारी मे बडी आंत में घाव व सूजन हो जाता है।

परामर्श: इस बीमारी का निदान मल की जांच से संभव है। मरीजों को अधिक से अधिक तरल पदार्थ जैसे-ओआरएस युक्त पानी, नीबू का पानी, आदि देना चाहिए। डॉक्टर की सलाह पर ही एंटीबॉयिटक का प्रयोग करना चाहिए।

डायरिया: इसके दो मुख्य प्रकार होते हैं। पहला, अचानक होने वाला तीव्र (एक्यूट) डायरिया और लगातार रहने वाला डायरिया। इन दोनों प्रकार के डायरिया को रोका जा सकता है और एक बार इसके होने पर इलाज भी संभव है। वयस्कों की तुलना में बच्चों और वृद्धों में डायरिया अधिक गंभीर रूप अख्तियार कर सकता है। दस्त होना,पेट में मरोड, कमजोरी, सिरदर्द, चक्कर आना और बुखार रहना आदि इस रोग के प्रमुख लक्षण हैं। एक दिन में अगर तीन से अधिक पतले दस्त हो रहे हैं, तो यह डायरिया का लक्षण है।

बरतें एहतियात: डायरिया में शरीर में पानी की कमी हो जाती है जो काफी गंभीर होती है। डायरिया होने पर ज्यादा से ज्यादा मात्रा में ओआरएस का घोल पीते रहना चाहिए और आवश्यकता पडने पर सुई के जरिए ग्लूकोज पानी भी चढ़ाया जा सकता है। डायरिया होने पर तेल-मसाले युक्त भोजन से परहेज करना चाहिए और पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ का सेवन करें। इस बीमारी को रोकने के लिए उचित साफ-सफाई रखनी चाहिए। खाना खाने से पहले साबुन से हाथ धोना चाहिए। अगर स्थिति में सुधार न हो, तो शीघ्र ही डॉक्टर से परामर्श लें।

पीलिया: यह लिवर के संक्रमण का सूचक है। बरसात में आम तौर पर यह रोग दूषित जल और भोजन के कारण होता है। पीलिया में रक्त में बिलीरुबिन की मात्रा बढ जाती है और पेशाब पीला होने लगता है। पीलिया के गम्भीर होने पर आंखें व नाखून पीले दिखाई देने लगते है। इसके प्रमुख लक्षण है-मतली और उल्टी आना, बुखार, पीले रंग का पेशाब होना, कमजोरी,बदन दर्द, कब्ज आदि।

परामर्श: अधिक से अधिक कार्बोहाईट्रेट युक्त भोजन जैसे कि चावल, आलू और केला खाएं और वसा व प्रोटीन की मात्रा को भोजन में कम रखें। उबला हुआ पानी पिएं और बाहर के भोजन से परहेज करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए पी.जी. इंडिया लिमिटेड एमआईई, कालापहाड़, गुवाहाटी-16 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 • **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम • फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**